बालाघाट
शनिवार 04 अक्टूबर 2025
आश्विन शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 13
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाश

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	~	81,207.17
निफ्टी	~	24,894.25
सोना	~	1,18,040
चांदी	~	1,51,000
डॉलर	~	88.75

खास खबर

आधार अपडेट कराना हुआ महंगा

नई दिल्ली। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आधार अपडेट करने की फीस 25 रुपए तक बढ़ा दी है। नई फीस 1 अक्टूबर से लागू कर दी गई है, जो 30 सितंबर 2028 तक प्रभावी रहेंगी। इसके बाद फिर से समीक्षा होगी और 1 अक्टूबर 2028 से 30 सितंबर 2031 तक के लिए फीस में बदलाव होगा। नई दरों के अनुसार, नया आधार बनवाना सभी के लिए फ्री रहेगा, लेकिन नाम, पता और डॉक्यूमेंट्स बदलवाने जैसी सर्विसेज के लिए पहले 50 रुपए लगते थे, अब 75 रुपए लगेंगे। इसी तरह बायोमेट्रिक अपडेट जैसी सर्विस के लिए 100 रुपए की जगह अब 125 रुपए लगेंगे। वहीं, बच्चों का आधार अपडेट करवाना फ्री रहेगा।

करूर भगदड़ की नहीं होगी सीबीआई जांच

मदुरै। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच शुक्रवार को करूर भगदड़ से जुड़े मामले की सुनवाई की। जहां कोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। वहीं, अतिरिक्त मुआवजा राशि की मांग वाली याचिका पर स्टालिन सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता कोई पीड़ित नहीं, बल्कि एक पार्टी का नेता है। किसी एक व्यक्ति ने गलती की है, इसका मतलब यह नहीं कि पूरी जांच ही खत्म हो जाएगी। उन लोगों के बारे में सोचें जिन्होंने अपनी जान गंवाई।अगर कोई पीड़ित हमारे पास आता है तो हम उसकी मदद के लिए आएंगे।

पेसमेकर ट्रांसप्लांट के बाद अस्पताल से घर लौटे मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और वे बहुत जल्द अपनी राजनैतिक गतिविधियां शुरू करने वाले हैं। इसकी जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट पर इंडियन नेशनल कांग्रेस की ओर से दी गई है। कांग्रेस ने खड़गे की तस्वीर शेयर कर लिखा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को गुरुवार शाम अस्पताल से छुट्टी मिल गई। वे स्वस्थ हैं और आप सभी की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बुधवार को बेंगलुरु के निजी अस्पताल में पेसमेकर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक हुआ। खरगे के पुत्र प्रियांक खरगे ने इस बारे में बताया है। कर्नाटक सरकार में मंत्री खरगे ने कहा था कि खरगे के लिए पेसमेकर ट्रांसप्लांट प्रक्रिया पूरी हो गई। यह एक छोटी और मामूली प्रक्रिया थी और प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर है। उनके 3 अक्टूबर से अपना काम फिर से शुरू करने और अपने सभी निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होने की उम्मीद है।

कुछ ना कहना

कफ सिरप कांड :

11 बच्चों की मौत से हड़कंप

मप्र सरकार जांच में उलझी तो राजस्थान के मंत्री ने माताओं को बताया दोषी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की किडनी फेल होने से मौत होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब तक दोनों राज्यों में 11 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश में खांसी के सिरप की हिस्ट्री मिली है। जांच जारी है। पर दोनों राज्यों की सरकारों पर सवाल उठने लगे हैं। मध्य प्रदेश सरकार का कहना है कि मामले की जांच हो रही है। रिपोर्ट आने का इंतजार है। इधर राजस्थान सरकार का बयान तो हैरान करने वाला है। यहां के स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि इस हादसे में सरकार की कोई भूमिका नहीं है। मां ही दोषी हैं।

क्या है मामला

बता दें कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले और राजस्थान के सीकर-भरतपुर में बच्चों की मौतों ने हड़कंप मचा दिया है। किडनी फेल होने से मासूमों की मौत हो रही है। एमपी में 20 दिनों में अब तक 9 बच्चों की तो राजस्थान में दो बच्चों की मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि बच्चों को पहले बुखार और जुकाम हुआ, फिर किडनी में इंफेक्शन। निजी अस्पतालों में भर्ती कराने के बाद भी हालत बिगड़ती गई। नागपुर में इलाज कराया, लेकिन बच्चों की जान नहीं बची। सभी में मौत का कारण एक ही है, उनकी किडनी का फेल हो जाना। मामले में इलाकों में कई तरह की जांचें की गईं पर सब सामान्य रहा। आरंभिक जांच रिपोर्ट में दूषित कफ सीरप से बच्चों की किडनियां फेल होने से मौतें हुई हैं। संबंधित कफ सिरप को प्रतिबंधित कर दिया गया है। मामले में आगे जांच जारी है। राजस्थान में भी आरएमएसीएल ने संबंधित दवा के वितरण एवं उपयोग पर रोक लगा दी थी और जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन भी कर दिया था।

सरकारें क्या कर रहीं

छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि लगभग 12 प्रकार की दवाओं के नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। अभी तीन नमूनों के परिणाम प्राप्त हुए हैं। रिपोर्ट में ऐसा कोई पदार्थ नहीं मिला है जिससे यह पता चले कि इन दवाओं के कारण मौतें हुई हैं। हालाँकि, शेष दवाओं की रिपोर्ट आज शाम तक आने की उम्मीद है।

कफ सिरप में ऐसा क्या है

छिंदवाड़ा जिले में पिछले 20 दिनों में 9 बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हो गई। इनमें से छह बच्चों के इलाज में Coldrif और Ne&tro-DS नामक कफ सिरप की हिस्ट्री सामने आई है। आशंका जताई जा रही है कि इन सिरप में 'डायएथिलीन ग्लायकॉल' नामक केमिकल मौजूद था, जो किडनी डैमेज का कारण बन सकता है। डॉ. पवन नंदूरकर का कहना है कि ज्यादातर कार के इंजन में डाले जाने वाले कूलेंट, पेंट्स या ग्रीस बनाने में इस केमिकल का उपयोग किया जाता है। वहीं राजस्थान में खांसी की सिरप De&tromethorphan HBr Syrup पीने से बच्चे की मौत का एक और दावा सामने आया। मामला भरतपुर के वैर तहसील का है, जहां परिजनों का कहना है कि उनके बच्चे की मौत भी इसी सिरप को पीने से हुई है। वहीं, सरकार ने उक्त दवा को क्लीन चिट दे दी है।

'खांसी सिरप के नमूनों में घातक रसायन नहीं'

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौतों को खांसी की सिरप से जोड़ने वाली खबरों पर स्पष्टीकरण जारी किया है। मंत्रालय ने साफ किया है कि इन खबरों का संज्ञान लेकर केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त टीम ने घटनास्थल का दौरा किया था। साथ ही राज्य के अधिकारियों के साथ समन्वय में विभिन्न कफ सिरप के नमूनों सहित कई नमूने एकत्र किए गए। इन नमूनों की अब तक जांच में किसी भी सिरप के नमूनों में घातक रसायन डाइएथिलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल की मौजूदगी नहीं पाई गई है। मंत्रालय ने बताया कि एनसीडीसी, एनआईवी, सीडीएससीओ समेत विभिन्न संस्थानों की संयुक्त टीम ने मौके पर जाकर सिरप, रक्त और अन्य नमूने एकत्र किए थे। मध्य प्रदेश की राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने भी तीन नमूनों की जांच की, जिनमें डाइएथिलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल अनुपस्थित थे।

राजस्थान सरकार का रवैया पल्ला झाड़ने वाला

कफ सिरप से बच्चों की मौत होने के मामले में जांच को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि जो दवाई है, जो जिन माताओं ने अपने बच्चों की दी है, वह हमारे सरकारी अस्पताल के न तो पर्चे पर लिखी गई थी और न ही उसे लेने के लिए सुझाव दिया गया था। अब कोई भी मां-बाप कहीं से दवाई लेकर (अनप्रिस्क्रिप्टेड) दे देंगे और उससे ऐसा हादसा हो जाए तो उसमें स्वास्थ्य विभाग की कोई भूमिका नहीं। यह मामला हमारे डिपार्टमेंट के दायरे से बाहर का है। जो दवाइयां हमने टेस्ट करा ली हैं, उनमें कोई समस्या नहीं। फिर भी मैं अभी जयपुर जाऊंगा तो इसकी और जांच करेंगे।

पीओके भारत का अभिन्न अंग, पाकिस्तान की बर्बरता पर बिफरा भारत

नई दिल्ली। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भड़की हिंसा और वहां की जनता पर की गई दमनकारी कार्रवाई को लेकर भारत ने पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि पीओके में जारी अशांति इस्लामाबाद की दशकों पुरानी शोषणकारी नीतियों और संसाधनों की लूट का नतीजा है।

विदेश मंत्रालय ने जोर देकर कहा, कि पीओके का इलाका भारत का अभिन्न हिस्सा है और पाकिस्तान को वहां हो रहे गंभीर मानवाधिकार अक्षंघनों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, कि हमने पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में हो रहे प्रदर्शनों और निर्दोष नागरिकों पर पाकिस्तानी बलों की बर्बरता की खबरें देखी हैं। यह पाकिस्तान के अवैध कब्जे और दमनकारी नीतियों का परिणाम है। पाकिस्तान को वहां के हालात के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

पीओके में बिगड़े हालात

पीओके इस समय हाल के वर्षों का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन देख रहा है। मुजफ्फराबाद, मीरपुर, कोटली, रावलकोट और नीलम घाटी में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं। हालात तब और बिगड़े जब व्यापारियों, वकीलों और नागरिक संगठनों के गठबंधन आवामी एक्शन कमेटी (एएसी) और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच बातचीत विफल हो गई। इसके बाद एएसी ने शटर डाउन और व्हील जैम हड़ताल का आह्वान किया, जिससे जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया। एएसी नेता शौकत नवाज़ मीर ने कहा, हमारी लड़ाई किसी संस्था से नहीं, बल्कि उन बुनियादी अधिकारों के लिए है जो हमें 70 साल से नहीं मिले। अब बहुत हो चुका।

हिंसा और दमन

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी बलों की फायरिंग में कई लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हुए हैं। बाजार बंद हैं, सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह से ठप है और इलाके में भारी सुरक्षा तैनाती तथा गिरफ्तारियों के कारण तनाव का माहौल है। प्रदर्शनकारियों ने 38 सूत्रीय चार्टर पेश किया है, जिसमें बुनियादी सुविधाओं से लेकर राजनीतिक सुधार तक की मांगें शामिल हैं। भारत का रुख स्पष्ट है कि पाकिस्तान को अब पीओके में जनता के दमन की कीमत चुकानी होगी। नई दिल्ली ने दोहराया कि यह क्षेत्र भारत का अभिन्न हिस्सा है और वहां के लोगों की आवाज़ दबाने की इजाजत पाकिस्तान को अब और नहीं दी जाएगी।

लोन फ्रॉड केस में अनिल अंबानी की याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक के निर्णय को चुनौती देने वाली उद्योगपति अनिल अंबानी की याचिका को खारिज कर दिया। स्टेट बैंक ने उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी वाले खातों के रूप में चिह्नित किया है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की पीठ ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। फैसले की विस्तृत प्रति अभी उपलब्ध नहीं है। एसबीआई ने पिछले साल इन खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था और आरोप लगाया था कि उसके द्वारा दिए गए

ऋण की शर्तों का उल्लंघन करते हुए धन की हेराफेरी की गई है। अंबानी ने उच्च न्यायालय का रुख करते हुए तर्क दिया कि बैंक ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया है क्योंकि उसने उन्हें सुनवाई का अवसर नहीं दिया। याचिका में दावा किया गया कि कुछ दस्तावेज, जिनके आधार पर वर्गीकरण आदेश पारित किए गए थे, उन्हें शुरू में उपलब्ध नहीं कराए गए थे और छह महीने बाद दिए गए। बैंक ने इस साल केंद्रीय जांच ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद रिलायंस कम्युनिकेशंस और अंबानी के आवास से जुड़े परिसरों की तलाशी ली गई। एसबीआई ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और अनिल अंबानी द्वारा कथित गड़बड़ी के कारण 2,929.05 करोड़ रुपये के नुकसान का दावा किया था, जिसके बाद शिकायत दर्ज की थी।

खंडवा में मूर्ति विसर्जन के दौरान 11 की लोगों की मौत

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में बड़ा हादसा हो गया। नवरात्र उत्सव के बाद माता की प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया पार करते समय तालाब में गिर गई। यह हादसा पंधाना थाना क्षेत्र के जामली गांव में हुआ। शुरू में पांच मौतों की खबर आई थी, लेकिन अब मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो चुकी है। सभी शवों को पंधाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जा रहा है। फिलहाल घटना स्थल पर रेस्क्यू अभियान जारी है। नावों पर लाइट लगाकर सर्चिंग की जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही कलेक्टर और एसपी मौके पर पहुंच गए थे। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक खंडवा जिले के पंधाना क्षेत्र के ग्राम अर्दला और जामली से आए 30-35 लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर तालाब पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि ट्रॉली पर जरूरत से ज्यादा लोग बैठे थे। पुलिया पर खड़ी होने के दौरान संतुलन बिगड़ने से ट्रॉली पलटकर तालाब में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 11 लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जिनमें 9 बच्चियां शामिल हैं। जेसीबी की मदद से ट्रॉली को बाहर निकाला लिया गया है और प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद है। फिलहाल रेस्क्यू अभियान जारी है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि सभी लापता लोगों के शव मिल चुके हैं, पर ऐहितातन सर्चिंग की जा रही है।

हादसे में मृत लोगों के नाम

हादसे में मारे गए लोगों में ज्यादातर बच्चे हैं। उनकी पहचान आरती प्यारसिंह (18), दिनेश शांतिलाल (13), उर्मिला रेलसिंग (16), शर्मिला प्यारसिंह (15), गणेश तरेसिंग (20), किरण रेमसिंग (16), पाटलीबाई कैलाश (25), रेवसिंग मुंशसिंग (13), आयुष भारत (9), संगीता ग्यानसिंग (16) और चंदा पिता जुदा, उम्र 8 वर्ष के रूप में हुई है।

पीएम मोदी ने जताया शोक, मुआवजे का एलान

हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक प्रकट कर पीड़ितों के परिजनों और घायलों के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग का एलान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय से रात 11 बजे के बाद जारी बयान में कहा गया, पीएम मोदी मध्य प्रदेश के खंडवा में हुए एक हादसे में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुःखी हैं।

एयर फोर्स चीफ एपी सिंह का बड़ा दावा, कहा...

ऑपरेशन सिंदूर में पाक के 5 विमान मार गिराए

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) अपने 93वें वायुसेना दिवस पर जोरदार उत्सव की तैयारी कर रही है। इस मौके पर एयर चीफ एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स ने पांच पाकिस्तानी एफ-16, जेएफ-17 को मार गिराया था। विंग कमांडर जयदीप सिंह, जो वायुसेना के पीआरओ हैं ने प्रेस ब्रीफिंग में इसकी पूरी जानकारी दी। वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान की तरफ से भारत के जेट गिराने के दावे सिर्फ मनोहर कहानियां जैसे हैं। अगर उनके पास कोई सबूत हैं तो दिखाएं। उन्होंने बताया कि 8 अक्टूबर को हिंडन एयर फोर्स बेस पर एक भव्य परेड होगी। 6 अक्टूबर को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। इस समारोह में वायुसेना प्रमुख, नौसेना प्रमुख और थलसेना प्रमुख भी शामिल होंगे। यह दिवस वायुसेना की ताकत, आत्मनिर्भरता और देश सेवा को दर्शाएगा।

चैतन्यानंद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली। छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी को पटियाला हाउस कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। चैतन्यानंद की पांच दिन की पुलिस हिरासत आज खत्म हो गई थी। जिसके बाद दिल्ली पुलिस उसे पटियाला हाउस कोर्ट लेकर पहुंची थी।

इधर, दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद की तीन करीबी महिला सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में महिलाओं ने माना कि उन्होंने चैतन्यानंद के कहने पर छात्राओं पर दबाव बनाया। गिरफ्तार महिलाओं में श्री शारदा इंस्टीट्यूट की श्वेता शर्मा

(एसोसिएट डीन), भावना कपिल (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) और काजल (सीनियर फैकल्टी) शामिल हैं। इन तीनों पर अपराध में बाबा का सहयोग, शिकायतकर्ताओं को धमकाने और सबूत नष्ट करने के आरोप हैं। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में एक गेस्ट हाउस में चैतन्यानंद महिला छात्रों के साथ रुका था। वहां के स्थानीय लोगों ने भी इसकी पुष्टि की है। पुलिस को चैतन्यानंद के फोन से डिजिटल सबूत भी मिले हैं। इनमें वह एक वॉट्सएप ग्रुप में छात्राओं की फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, बढ़ते सबूतों के बावजूद चैतन्यानंद ने कोई पछतावा नहीं दिखाया।

ऑनलाइन गेमिंग कंट्रोल करने के लिए नया रेगुलेटर बनेगा

गेमिंग बिल 2025 का ड्राफ्ट जारी; मनी गेम्स पर बैन, सोशल गेम्स प्रमोट करेगी सरकार

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने शुक्रवार को प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग रूल्स, 2025 का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। नया ड्राफ्ट ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 के नियमों की जानकारी के लिए जारी किया गया है, जो संसद में 22 अगस्त को पास हुआ था। ये एक्ट 1 अक्टूबर से लागू हो चुका है। इस एक्ट का मकसद ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स को बढ़ावा देना, यूजर सेफ्टी के लिए मनी गेमिंग पर रोक लगाना है। सरकार ने नए ऑनलाइन गेमिंग एक्ट के नियमों पर लोग 31 अक्टूबर तक लोगों से सुझाव मांगे हैं।

सरकार ने ड्राफ्ट में बताया है कि ऑनलाइन गेमिंग कंट्रोल करने के लिए ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया का गठन किया जाएगा। इसका हेडक्वार्टर दिल्ली-एनसीआर में होगा। यह बॉडी गेम्स को ई-स्पोर्ट्स, सोशल गेम्स या मनी गेम्स में कैटेगरी बनाएगी। ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया एक नेशनल रजिस्ट्री रखेगी और सर्टिफिकेट जारी करेगी। यह शिकायतों की जांच करेगी, पेनल्टी लगाएगी और फाइनेंशियल इंटरेस्ट्यूशंस व पुलिस से कोऑर्डिनेट करेगी। गेमिंग सर्विस प्रोवाइडर्स को ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स के लिए 5 साल वैलिड रजिस्ट्रेशन लेना होगा।

तीन स्तरों पर शिकायत सुनी जाएंगी

यूजर सेफ्टी के लिए तीन स्तरों का ग्रिवांस सिस्टम होगा। पहला गेमिंग प्रोवाइडर के पास, दूसरा ग्रिवांस अपीलेट कमेटी में और तीसरा ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया में। अगर गेम रियल मनी से जुड़ा पाया गया या फर्जी जानकारी दी गई, तो रजिस्ट्रेशन सस्पेंड या कैंसिल हो सकता है। पेनल्टी की राशि ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया तय करेगी, और नॉन-कंप्लायंस पर रिकवरी ऑफ इयूज होगी।

मनी गेम्स पर बैन, सोशल गेम्स को प्रमोट करेगी सरकार

नियमों में ऑनलाइन मनी गेम्स (जुआ, बेटिंग या कैश-कन्वर्टिबल प्राइज वाले) पर पूरी तरह रोक लगेगी। ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया गेम्स को कैटेगरी करेगी और मनी वेजरिंग वाले गेम्स को बैन करेगी। दूसरी ओर, रिक्रिएशनल, एजुकेशनल या स्किल डेवलपमेंट वाले सोशल गेम्स को प्रमोट किया जाएगा। मिनिस्ट्री ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग सोशल गेम्स कोड ऑफ प्रैक्टिस जारी करेगी, ताकि कंटेंट उम्र के हिसाब से सेफ हो।

भारत निर्वाचन आयोग का आज फाइनल बिहार दौरा...लगातार बैठकों का दौर

फिर दिल्ली पहुंचकर तारिखों का ऐलान संभव

पटना। भारत निर्वाचन आयोग का फाइनल बिहार 4 अक्टूबर को होने वाला है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम शुक्रवार रात को पटना पहुंचेगी। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश्वर कुमार भी शनिवार को पटना आएंगे। 4 और 5 अक्टूबर को आयोग की टीम आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए लगातार बैठकें करेगी। फिर दिल्ली लौटने के बाद किसी भी समय सीईसी ज्ञानेश कुमार के द्वारा बिहार चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। नियम के अनुसार चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही बिहार में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होगी।

चुनाव आयोग की बिहार के प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ 4 अक्टूबर को अहम बैठक है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार बैठक पटना के होटल ताज में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक होगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार करने वाले हैं। इसमें मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। हर पार्टी से अधिकतम 3 प्रतिनिधियों को उपस्थित रहने की अनुमति मिलेगी।

पत्र में बताया गया कि बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी तैयारियों पर चर्चा और आयोग राजनीतिक दलों से सुझाव भी लेगा। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे अपने प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें और इसकी जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को उपलब्ध करा दें।

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अमित कुमार पांडेय की ओर से जारी पत्र के अनुसार, आम आदमी पार्टी (आप), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट), इंडियन नेशनल कांग्रेस, नेशनल पीपुल्स पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन जैसे दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

वहीं, पूर्व में मिली जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग की उच्चस्तरीय टीम बिहार दौरे में राज्य में कानून-व्यवस्था एवं चुनाव संबंधी तैयारियों सहित तमाम पहलुओं की समीक्षा करेगी। आयोग की टीम राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, सभी केंद्रीय एजेंसियों के राज्य प्रमुख, सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, जिलों के वरीय पुलिस अधीक्षकों के साथ अलग-अलग बैठक करेगी।

कांग्रसी पार्षदों का अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा सुर्खियों में आने कांग्रेसी पार्षद कर रहे ड्रामा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। नगर पालिका में बैठे कांग्रेस के पार्षदों द्वारा वार्डों में विकास कार्य सहित निर्माण कार्यों नहीं किए जाने के विषय को लेकर नगर पालिका के सामने अनिश्चितकालीन सत्याग्रह करते हुए धरना प्रदर्शन कर रहे है। जहां सुबह 11:00 बजे से कांग्रेस पार्षदों द्वारा नगर पालिका के गेट के सामने पंडाल लगाकर अनिश्चितकालीन धरना दिया । इस धरना प्रदर्शन का कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने समर्थन किया और कई गंभीर आरोप नगर पालिका अध्यक्ष पर लगाए इस दौरान उन्होने कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष नगर का विकास नहीं कर रही हैं और सिर्फ अपने करीबियों के ही वार्डों में काम करवा रही हैं । इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष ने भी देर शाम मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक अनुभा मुंजारे के सवालों का जवाब देते हुए कहा की अनुभा मुंजारे को अपने विधानसभा क्षेत्र में ध्यान देना चाहिये ,उन्होने कहा कि वह उदारता का भाव लेकर राजनीति करती हैं किंतु मुंजारे दंपति उग्रवादी नेता है इसलिए डंडे, लाठी खाने की नौबत उनके साथ आती है, उन्होंने कहा कि आज नगर पालिका के कांग्रेसी पार्षद सुर्खियों में आने के लिए इस प्रकार धरना प्रदर्शन करते हुए हड़ताल कर रहे हैं ।

नगर पालिका में वैसे तो बीते कुछ महीनो से कांग्रेसी पार्षदों द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष पर कांग्रेसी वार्डों में विकास कार्य नहीं किए जाने को लेकर आरोप लगाते हुए आवेदन और ज्ञापन सौंपे गए थे। जिसके बाद परिषद की बैठक में एक प्रस्ताव पास किया गया था ,कि शहर के सभी 33 वार्डों में करोड़ों रुपए के निर्माण कार्य किए जाएंगे, किंतु कई महीने बीत जाने के बाद भी नगर पालिका द्वारा लाये गए परिषद के प्रस्ताव क्रमांक 11 के निर्माण कार्य को लेकर टेंडर और निविदा की प्रक्रिया अभी तक नहीं की गई ,जिसको लेकर नगर पालिका के कांग्रेसी पार्षदों ने 2 अक्टूबर को एक बैठक कर निर्णय लिया कि जब तक परिषद के प्रस्ताव क्रमांक 11 पूरी तरह पास नहीं होता और निर्माण कार्य शुरू नहीं होते तब तक वह नगर पालिका के गेट के सामने अनिश्चितकालीन सत्याग्रह धरना प्रदर्शन करेंगे । 3 सितंबर से नगर पालिका के गेट के सामने अनिश्चितकालीन सत्याग्रह आंदोलन शुरू कर दिया । इस आंदोलन को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने भी अपना समर्थन दिया ।जिसमें धरना प्रदर्शन के दौरान मंच से कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष योगराज लिल्हारे ने नगर पालिका पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष शहर की जनता को गुमराह करती हैं और एक ही किए गए कार्यों का बार-बार भूमि पूजन करती हैं। उन्होंने कहा कि जब तक परिषद में पास किए गए प्रस्ताव क्रमांक 11 के निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाते तब तक वह अनिश्चितकालीन हड़ताल पर नगर पालिका के गेट के सामने रहेंगे, नहीं तो वार्ड में पदयात्रा कर वार्ड वासियों को लेकर नगर पालिका के सामने मटकी फोड़ने का काम करेंगे । उन्होंने कहा कि वह सिर्फ एक ही बार के लिए काम नहीं मांग रहे हैं ,वह शहर के पूरे 33 वार्डों के लिए निर्माण कार्य मांग रहे हैं । उन्होंने कहा कि नगर पालिका में एक से बढ़कर एक अनियमितता की गई है। जिसमें लाखों रुपए से लेकर करोड़ों रुपए तक शहर की जनता के टैक्स को नगर पालिका में बैठे जिम्मेदारों ने उड़ाया है।

भारती ठाकुर में राजनीति की समझ नहीं है - अनुभा मुंजारे

अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में अनुभा मुंजारे ने नगर पालिका अध्यक्ष पर कई गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वह आज, आम जनता किसान और मजदूरों के हक अधिकार की लड़ाई लड़ते हैं । नगर पालिका में जब-जब अतिक्रमण की कार्रवाई होती है तो सिर्फ गरीबों पर ही नगर पालिका बुलडोजर चलाती है । बड़े

लोगों पर यह कार्रवाई देखने नहीं मिलती ।उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भारती ठाकुर पहली बार की ही पार्षद बनकर अध्यक्ष बनी है ,उन्हें उतनी समझ नहीं है और उनके पारिवारिक बैकग्राउंड में भी कोई बड़ा नेता नहीं है । उन्होंने कहा कि भारती ठाकुर उन पर आरोप लगाती हैं कि वह जब अध्यक्ष थी, तो उनके पति उनके कार्यों में हस्तक्षेप करते थे, जबकि ऐसा नहीं है वह स्वयं पढ़ी, लिखी हैं ,नगरपालिका वह अपने विवेक से चलाती थी और यदि कोई बड़े काम लाना हो , मुख्यमंत्री से मिलना है तब वह अपने पति से सहयोग लेकर कार्य करती थी। उन्होंने बीते दिनों उन पर लगे आरोप को लेकर भाजपा द्वारा किए गए प्रदर्शन में भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि आज उनके गांव से लेकर भरवेली के आसपास के लोग सभी जानते हैं कि वह पहले क्या काम करते थे, आज उन्होंने इतनी सारी संपत्ति कैसे बनाई है, यह सभी जानते हैं ,उन्होंने कहा कि वह अनावश्यक कि हम पर आरोप लगाते हैं ,यह गलत है उन्होंने कहा कि उन्होंने विधानसभा चुनाव के समय जो फॉर्म भरा था, उसमें अपनी संपत्ति का जो बेवरा दिया था, आज उनकी संपत्ति की जांच हो जाएगी तो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

सुर्खियां और जनता की सिंपैथी लेने के लिए है आंदोलन - भारती ठाकुर

देर शाम नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर में नगर पालिका में अनुभा मुंजारे द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि प्रस्ताव क्रमांक 11 उनकी परिषद में लाया गया है और उसमें पूरे 32 वार्डों को लेकर करोड़ों रुपए के विकास कार्य होना है , प्रस्ताव करोड़ों रुपए का है । जिसके लिए भोपाल स्तर से पूरी प्रक्रिया होनी है ,जिसको लेकर थोड़ा समय लगेगा और यह जानकारी उनके द्वारा कांग्रेसी पार्षदों को भी दे दी गई थी और वह भी सहमत थे, उसके बाद अनावश्य ही कांग्रेसी पार्षदों द्वारा यह अनिश्चितकालीन धरना किया जा रहा है। यह एक प्रकार का सुर्खियों में आने के लिए इस प्रकार से प्रदर्शन किया जा रहा है । बीते दिनों यही कांग्रेसी पार्षद अपने ही पार्षद द्वारा किए जा रहे आंदोलन को गलत बता रहे थे ,यह दोहरी राजनीति कांग्रेसी पार्षद क्यों कर रहे हैं , यह तो वही बता सकते हैं । लेकिन यह सीधा-सीधा आंदोलन सुर्खियां और जनता की सिंपैथी लेने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने बालाघाट विधायक के कुछ सवालों के जवाब देते हुए कहा कि उन्हें अपने पैरों की धूल नहीं समझती तो वह यह स्पष्ट करा देना चाहती हैं, कि वह कोई महात्मा या धर्मात्मा नहीं है, इसलिए यह उनके पैरों की धुल बनना भी नहीं चाहती हैं , उन्होंने कहा कि जो आज शहर में कुछ मूलभूत सुविधा की दिक्कत आ रही है ,वह डेली दिनचर्या की सुविधाएं हैं ,जिनमें कमियां आने के साथ-साथ सुधार भी होता है । यह कोई बड़ा विषय नहीं है और इससे प्रत्येक व्यक्ति को संतुष्ट भी नहीं किया जा सकता, लेकिन नगर पालिका शहर विकास को लेकर काम करती है और काम करते रहेगी। जलावर्धन योजना को लेकर भी नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष योगराज लिल्हारे ने स्वयं जल आवर्धन योजना से संतुष्ट होकर एक पत्र दिया है, जो उनके पास आज भी है । उन्होंने कहा कि आज नवदुर्गा पर्व का समापन चल रहा है और ऐसे समय में वह हड़ताल कर रहे हैं , जो कि गलत है । जबकि उन्हें अपने वार्डों में आमजन का सहयोग लेकर इस पर्व का समापन करना था। लेकिन ऐसे समय में भी राजनीति कर रहे हैं जो की सही नहीं है । उन्होंने कहा कि वह जब जीत कर आयी थी , तो कुछ कांग्रेसी वार्डों में विकास कार्य किया हैं , जिसमें देवटोला भी एक वार्ड है जहां पर लोग आज उन्हें रोड बनाए जाने को लेकर नगर पालिका का धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज 3 वर्ष के कार्यकाल में 14 सीएमओ होने की झूठी बात कही जा रही है ,जबकि सिर्फ अभी तक तीन ही सीएमओ आए हैं, जिनमें कुछ सीएमओ के छुट्टी पर जाने पर कुछ सीएमओ को प्रभार दिया गया था, उनको भी आज कांग्रेसी पार्षद और विधायक गिन रहे हैं, जो की सही नहीं है ,निशांत श्रीवास्तव के विषय को लेकर कहा कि वह स्वयं ही कार्य करना नहीं चाहते थे और स्वास्थ्य खराब होने को लेकर छुट्टी पर रहते थे ,जिसको लेकर कलेक्टर महोदय ने कार्रवाई की और उन्हें हटाया , उन्होंने अनुभा मुंजारे को अपने वाहनों की भी जानकारी सार्वजनिक किए जाने की बात कही , उन्होंने कहा कि वह कभी गलत शब्दों का प्रयोग नहीं करती और हमेशा शब्दों की मर्यादा में रहकर ही अपने बयान देती हैं, किंतु वह शब्दों की मर्यादा को पार करते हुए उन पर और उनके परिजनों पर सवाल खड़े करते हैं, जो की सही नहीं है उन्होंने कहा कि आज बालाघाट विधायक का मोह नगर पालिका क्षेत्र से नहीं हट रहा है, और यदि उन्हें ऐसा ही है तो अगला चुनाव वह नगर पालिका अध्यक्ष का लड़ सकती हैं, क्योंकि उनका मोह नगर पालिका में अधिक दिखाई देता है।

प्रभु श्री राम ने अहंकारी रावण का दहन किया

रावण दहन देखने उमड़ा लोगो का जनसैलाब, चल समारोह रहा मुख्य आकर्षण का केंद्र

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। असत्य पर सत्य की जीत, अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व गुरूवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में धार्मिक परंपराओं, पूर्ण विधिविधान व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहा इस पर्व मे विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर अहंकार रूपी रावण के पुतले का प्रभु श्रीराम के प्रतीक द्वारा वध कर दहन किया गया। दशहरा पर्व को लेकर जिला मुख्यालय सहित तहसील क्षेत्र में की गई तैयारियों में एक दिन पहले हुई तेज बारिश ने पानी फेर दिया। नगर में बुधवार शाम को हुई बारिश और तेज हवा के कारण उत्कृष्ट मैदान गीला हो गया। हालांकि गुरुवार को नगर पालिका और संबंधित विभाग की टीम ने सुबह से ही ग्राउंड में कंक्रीट डालकर पुनः ग्राउंड को फिर से तैयार किया एवं देर शाम प्रभु श्री रामचंद्र जी ने अहंकारी रूपी रावण के पुतले का तीर चला कर दहन किया ।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में गुरुवार को विजयदशमी दशहरा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जगह-जगह विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन कर अहंकार स्वरूपी रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का दहन किया गया। असत्य पर सत्य की जीत के रूप में मनाए गए इस पर्व विशेष पर सभी जगह लोगों का भारी हुजूम देखने को मिला। जहां पुतला दहन के बाद लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर विजयदशमी पर्व दशहरा की बधाइयां दी। इसी कड़ी में नगर में दशहरा का यह पर्व उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में आयोजित किया गया। जहां हजारों की तादाद में जुटे लोगो ने इस मनोहर दृश्य को अपने कैमरे में कैद किया। उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में सत्य के प्रतिक भगवान श्रीराम के हाथो असत्य के प्रतिक रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ स्वरूपी पुतले दहन के हजारों लोग साक्षी बने। जहा दशहरा पर्व पर सूर्यास्त के बाद रावण दहन किया गया। इसके उपरांत सभी ने एक दूसरे को दशहरा पर्व की बधाई दी और कार्यक्रम का समापन किया गया। दशहरा चल समारोह में आयोजक महावीर सेवादल समिति, वानर सेना, दशहरा उत्सव समिति के अलावा नगरवासी, राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी संगठनों के पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, और आसपास के क्षेत्र से पहुंचने वाले दर्शक हजारों की संख्या में मौजूद रहे।

चल समारोह रहा मुख्य आकर्षण का केंद्र

असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयादशमी दशहरा गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। जहा प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी नगर मुख्यालय में आयोजित दशहरा चल समारोह मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। इस चल समारोह में युवा साधक तुषार उपाध्याय ने हनुमान का स्वरूप धारण करते हुए 40 किलो वजनी मुकुट धारण कर अपनी वानरसेना के साथ भगवान श्रीराम की शोभायात्रा के सामने-सामने, नये श्रीराम मंदिर से नगर भ्रमण करते हुए रावण दहन स्थल तक का सफर पूरा किया। महावीर सेवादल समिति द्वारा असत्य पर सत्य की जीत के दशहरा पर्व पर दशहरा चल समारोह और रावण, कुंभकर्ण एवं मेघनाथ के पुतले के दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। महावीर सेवादल समिति द्वारा मनाये जाने वाले दशहरा चल समारोह का मुख्य आकर्षण हनुमान महाराज का स्वरूप धारण करने वाले जीवंत हनुमानजी थे। जो इस वर्ष युवा महाराज तुषार उपाध्याय ने धारण किया था। जो दशहरा में निकलने वाले चल समारोह में भगवान श्रीराम शोभायात्रा के आगे अपनी सेना के साथ 40 किलो वजनी हनुमान स्वरूप मुकुट धारण कर दशहरा चल समारोह की अगुवाही कर रहे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तगणो ने मौजूद रहकर जय जय श्रीराम और जयवीर महावीर के जयघोष से नगर को गुंजमान किया। दशहरा चल समारोह में शोभायात्रा के साथ ही झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही। नये श्रीराम मंदिर से प्रारंभ हुआ दशहरा चल समारोह सर्वप्रथम हनुमान चौक से दुर्गा मंदिर पहुंचा, जहां साधक, हनुमान स्वरूप धारण किए तुषार उपाध्याय ने माता‌रानी से आर्शीवाद प्राप्त किया। माता‌रानी के दर्शन के बाद वानर सेना के साथ साधक तुषार उपाध्याय हनुमान मंदिर पहुंचे। जहां उन्होने हनुमान जी से आर्शीवाद प्राप्त किया। इसके पश्चात यह चल समारोह रावण दहन के लिये नगर के मुख्य मार्ग से उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पहुंचा। इस दौरान नगर में जगह-जगह पुष्पवर्षा से चल समारोह का स्वागत भी किया गया। जहां पूर्ण विधि विधान के साथ अहंकार स्वरूपी रावण , मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले का दहन कर विजयदशमी का पर्व मनाया गया।

निकाली गयी शोभायात्रा

विजयदशमी पर्व पर निकाले गए इस चल समारोह शोभायात्रा में भगवान श्रीराम का स्वरूप की शोभायात्रा नए श्रीराम मंदिर से होकर शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए रावण दहन स्थल पहुंची। जहां विधिविधान से भगवान श्रीराम के रामबाण से लंकापति रावण सहित मेघनाथ और कुंभकर्णो के प्रतिक स्वरूप पुतले का दहन किया गया। अहंकारी रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाथ का वध किया। उधर रावण दहन के साथ ही पूरा मैदान जयश्रीराम, जय हनुमान के नारों से गूँज उठा।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

नगर में भव्य रूप से आयोजित इस दशहरा चल समारोह और रावण दहन को देखते हुए जिला और पुलिस प्रशासन द्वारा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गए। जहां रावण दहन स्थल के आसपास पुलिसकर्मी भारी मात्रा में तैनात रहे तो वहीं दशहरा चल समारोह में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मीयो की मौजूदगी देखी गई । तो वही दशहरा मैदान में जहां- तहाँ बैरिकेड लगाकर लोगों के आवागमन की व्यवस्था बनाई गई थी। इसके अलावा वही चहु ओर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। लेकिन सड़क के एक ओर आवागमन को प्रारंभ रखे जाने के कारण भारी संख्या में रावण दहन देखने पहुचे लोगो को वाहनो की धमाचौकड़ी के कारण परेशान होना पा। तो वही भीड़ अधिक होने के चलते लोग दूर खड़े होकर इस मनोहर दृश्य को देखते नजर आए।

रामपायली में माता जगत जननी की शोभायात्रा के साथ चंदन नदी में किया विर्सजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। शारदेय नवरात्रि पर्व को हर्षोल्लास से मनाने के पश्चात ९ दिन माता की आराधना पूजन पाठ अंतिम दिन कन्या भोज हवन के साथ माता जगत जननी को भव्य शोभायात्रा के साथ चंदन नदी के जल में माता की अंतिम अराधना पश्चात उन्हें सम्मान पूर्वक सुरक्षित जल में विसर्जित किया गया। इस वर्ष नगर में दो स्थानों में माता की सार्वजनिक स्थापना की गई थी ।जिसमें सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में विराजित मां भवानी का ९ दिन उत्सव पूर्ण होने के पश्चात उन्हें दसवीं को विसर्जन किया गया। इस अवसर पर अनेक भक्तजन उनकी

सिविल क्लब में शस्त्र पूजन का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम सिविल क्लब में २ अक्टूबर को ईगल स्पोर्टिंग क्लब के तत्वाधान में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ईगल स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें विभिन्न खेलों के खिलाड़ी स्टेडियम में एकत्रित हुए जहां पर हॉकी और बाल का चक्र बनाकर वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ विधि विधान से पूजन किया गया। इसके बाद आरती उतार कर माथा टेकर आशीर्वाद लिया गया। ईगल स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया की वर्षा ऋतु के बाद समस्त प्रकार के खेल प्रारंभ होते हैं जिसके लिए दशहरे के अवसर पर ग्राउंड का पूजन किया गया है। यहां पर सभी प्रकार के खेलों के खिलाड़ी मौजूद है और यह मैदान ऐतिहासिक टूर्नामेंट का साक्षी रहा है जहां पर राष्ट्रीय और प्रादेशिक अनेक प्रकार के खेल खेले गए। बीते दिनों कबड्डी प्रतियोगिता हुई थी मूल रूप से यहां हॉकी का मैदान है और यहां पर पहले टूर्नामेंट हुआ करते थे। परंतु धीरे-धीरे वह लुप्त हो गए हैं जिसे सभी के सहयोग से पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर संजयसिंह कछवाहा, राजेन्द्र अरोरा, संदीप नगपुरे, शलभ बैस सहित बड़ी संख्या में ईगल स्पोर्टिंग क्लब व नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब के पदाधिकारी सदस्य सहित खेल प्रेमी मौजूद रहे।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर ट्रॉफिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कार्यालय नगर परिषद् लांजी
जिला–बालाघाट(म.प्र.)

दूरभाष क्रमांक– 07635–255881 व ईमेल– cmolanji@mpurban.gov.in

क0/1595/रा0शा0/करारोपण/न0प0/2025 लांजी,दिनांक 03/10/2025

।। आम सूचना ।।

सर्व साधारण भवन/भूमि स्वामियों को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 134 के अधीन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग भोपाल द्वारा नगर परिषद लांजी संपत्तियों का GIS सर्वेक्षण किया गया है। जिसके संबंध में सर्वेक्षण सूची नगर परिषद कार्यालय के राजस्व शाखा में अवलोकनार्थ रखी गई है।

कृपया सूची में भवन/भूमि में कमी एवं बढोत्तरी हुई है। उसके संबंध में सूचना प्रकाशन दिनांक– 06/10/2025 से नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 137 के अंतर्गत दावा/आपत्ति की जाती है। जिस किसी करदाता को उक्त अपने भवन/भूमि में दावा–आपत्ति दर्ज करना चाहता है वह प्रकाशन के 30 दिवस में अपने भवन/भूमि के संबंध में दावा–आपत्ति लिखित में दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। मौखिक रूप से दावा–आपत्ति मान्य नहीं होगी।

यदि सूचना प्रकाशन के 30 दिवस उपरांत कोई लिखित दावा–आपत्ति प्रस्तुत नहीं की जाती है। तब GIS सर्वेक्षण निकाय द्वारा मान्य किया जाकर कर वसूली की कार्यवाही की जावेगी।

(मयुर वाहने)
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद लांजी
जिला–बालाघाट(म.प्र.)

कान्हा टाइगर रिजर्व में 2 शावको सहित 3 बाघ की मौत

वयस्क बाघ का शव मुक्की रेंज, तो 2 शावकों के शव कान्हा रेज में मिले, आपसी संघर्ष मानी जा रही मौत की वजह,मामले की जांच शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में बढ़ती हिंसक वन्यप्राणियों की संख्या के चलते, अब वन्यप्राणी, अपने क्षेत्र के लिए संघर्ष करने लगे है। जहां अधिकार क्षेत्र को लेकर आए दिनों होने वाली वर्चस्व की लड़ाई में अक्सर किसी न किसी हिंसक वन्य प्राणी की मौत हो जाती है। कान्हा टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी शुरू होने के दूसरे दिन ही तीन बाघों के मौत की जानकारी मिली है। मृत बाघों में दो मादा शावक हैं। घटना के बाद पार्क प्रबंधन घटना की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती दौर में इस घटना की वजह बाघों के बीच आपसी संघर्ष को माना जा रहा है। बताया गया कि कान्हा टाइगर रिजर्व में दो अलग अलग स्थानों पर तीन बाघों के शव मिले हैं। वयस्क बाघ का शव बालाघाट जिले के मुक्की रेंज में, जबकि लगभग दो महीने की दो मादा शावक मंडला जिले के कान्हा रेंज में मृत पाई गई है पार्क प्रबंधन ने इसे कान्हा टाइगर रिजर्व के इतिहास की बड़ी और बेहद दुखद घटना बताया है।

वर्चस्व की लड़ाई बताई जा रही प्रारंभिक वजह

जानकारी के अनुसार, कान्हा रेंज के 9 नंबर रोड पर दो से तीन महीने की दो मादा बाघ शावकों की मौत हुई है प्रत्यक्षदर्शियों और वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इन दोनों शावकों को एक व्यस्क नर बाघ ने मार डाला लहीं, मुक्की रेंज के मवाला क्षेत्र में करीब 10 साल के एक व्यस्क नर बाघ की भी मौत हो गई। इस नर बाघ को दूसरे पट्टेधारी नर बाघ ने क्षेत्रीय वर्चस्व की लड़ाई में मार दिया तीन बाघ की मौत की प्रारंभिक वजह वर्चस्व की लड़ाई बताई गई है।

शुक्रवार को वयस्क बाघ का किया गया अंतिम संस्कार

जानकारों की मानें तो बाघों में आपसी संघर्ष आमतौर पर सहवास या क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर होता है. नर बाघ अक्सर अपने इलाके को रक्षा के लिए दूसरे बाघों से संघर्ष करते हैं. वहीं, कभी-कभी शावकों को भी नर बाघ मार डालते हैं, ताकि मादा बाघ पुनः सहवास के लिए तैयार हो सके।बताया गया कि गुरुवार को कान्हा के हाथी गश्ती दल ने दोनों मामलों की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी जहा खबर मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे दोनों शावकों के शव बरामद कर एनटीसीए प्रोटोकॉल के तहत गुरुवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया है जबकि वयस्क बाघ का अंतिम संस्कार शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद किया गया हैं।कान्हा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर ने घटना की पुष्टि की है।

बाघ संरक्षण की दृष्टि से बड़ी क्षति

कान्हा टाइगर रिजर्व बाघों के संरक्षण के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है और यहां बाघों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है. लेकिन एक साथ तीन बाघों की मौत ने पार्क प्रबंधन और पर्यावरण प्रेमियों को झकझोर दिया है. विशेषज्ञ मानते हैं कि यह घटना वन्य जीवन के स्वाभाविक व्यवहार का हिस्सा है, लेकिन फिर भी यह बाघ संरक्षण की दृष्टि से बड़ी क्षति है।कान्हा में हुई इस घटना ने एक बार फिर बाघों के रहन-सहन और उनके संघर्षपूर्ण जीवन की झलक सामने रखी है. फिलहाल पार्क प्रशासन स्थिति की निगरानी कर रहा है और उच्च अधिकारियों को पूरी जानकारी भेज दी गई है।

डांडेकार साँप के डसने से सास के बाद बहु की भी मौत

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। लांजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चौरिया में मंगलवार की रात दामाद के घर जमीन पर बिस्तर बिछाकर सो रही सास बहू को जहरीले सांप डांडेकर ने डस दिया था, जिसमें सास की बुधवार को जिला अस्पताल लाते समय मौत हो गई थी, तो वही बहू का गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में उपचार जारी था, जिसकी भी देर रात्रि उपचार के दौरान मौत हो गई है मृतक महिला का नाम ग्राम चौरिया निवासी 46 वर्षीय जयवंती बाई पति सोनेलाल वडकडे बताया गया है जिसके शव का गुरुवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही मामले की जांच के लिए डायरी लांजी थाना पहुंचाई गई है।ऊधर सर्पदंश के इस मामले में सास बहू दोनों की मौत होने पर गांव में शोक का माहौल व्याप है।

दामाद के घर जमीन पर बिस्तर बिछाकर सोई थी सास बहू

प्राप्त जानकारी के अनुसार लांजी के ग्राम चौरिया निवासी जयवंती बाई मजदूरी का कार्य करती थी, जो अपने पड़ोस में रहने वाली मुंह बोली सास जमना पति ज्ञानसिंह उइके के साथ मंगलवार को गांव में ही रहने वाले अपने दामाद संजू पिता सोगनलाल मर्सकोले के घर गई हुई थी बताया गया कि दामाद के घर खाना खाने के बाद सास बहू घर के भीतर जमीन में बिस्तर बिछाकर 2 बच्चो के साथ सो रही थी जहां रात्रि करीब 1 बजे के दरमियान दोनो को डांडेकार सांप ने डस दिया था। जिसकी जानकारी मिलने पर परिजनों ने सांप को मार दिया था तो वही सर्पदंश से अस्वस्थ हुई सास बहू दोनों को बुधवार की सुबह उपचार के लिए लांजी के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां के चिकित्सकों

ने उनका प्राथमिक उपचार कर, उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रिफर कर दिया था। जहां जिला अस्पताल लाते समय सास जमना बाई उइके की रास्ते में ही मौत हो गई थी तो वही जयवंती बाई का जिला अस्पताल में उपचार जारी था। जिसकी रात्रि करीब 11 के दरमियान उपचार के दौरान मौत हो गई।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

उधर गुरुवार की सुबह चिकित्सकों के मार्ग तहरीर मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने मृतक महिला के परिजनों के बयान दर्ज कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की वही शव को अपने कब्जे में लेकर, मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है तो वही मामले की जांच के लिए डायरी लांजी थाना पहुंचाई गई है जिसके आधार पर पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक शराबी ने रोक दी चलती हुई ट्रेन वैनगंगा रेलवे पुल पर मचा हंगामा

15 मिनट रुकी रही ट्रेन, शराबी की तलाश में जुटी रेलवे पुलिस

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। शुक्रवार को वैनगंगा नदी पर बने रेलवे उड़ान पुल में उस वक्त हैरान करने वाली स्थिति बन गई, जब नशे में धुत एक शराबी ने,पुल पार कर रही चलती ट्रेन को ही रोक दिया। जहां शराबी ने न सिर्फ चलती ट्रेन को रोक दिया बल्कि नशे में धुत होकर जमकर हंगामा भी मचाया। जहां करीब 15 मिनट तक यात्रियों की सांसें अटकी रहीं।ऊधर लोको पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। बताया गया कि समय रहते यदि लोको पायलट ट्रेन नहीं रोकता तो शराबी की ट्रेन से कटकर मौत हो जाती या फिर यहां कोई बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि यह शराबी कौन है कहां से आया था, कहां रहता है फिलहाल इसका कुछ पता नहीं चल पाया है। जहां लोको पायलट की शिकायत पर रेलवे पुलिस द्वारा इस अज्ञात शराबी की तलाश की जा रही है।

बालाघाट से वारासिवनी जा रही पैसेंजर ट्रेन

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपने निर्धारित समय सीमा के तहत पैसेंजर ट्रेन गोंदिया से चलकर वारासिवनी होते हुए कटंगी तिरोड़ी की ओर जा रही थी।जब यहां ट्रेन बालाघाट रेलवे स्टेशन से निकलकर वारासिवनी रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी,उस दौरान वैनगंगा नदी पर बने रेलवे पुल में यह नजारा देखने को मिला। जहां अज्ञात शराबी ने अपनी जान खतरें में डाल दी। नशे में धुत युवक ट्रैक पर उतर आया और जमकर हंगामा करने लगा।तभी बालाघाट से वारासिवनी जा रही पैसेंजर ट्रेन मौके पर पहुंच गई।लोको पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत ट्रेन रोक दी, वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

अज्ञात शराबी को तलाश रही रेलवे पुलिस

बताया गया की शराबी के इस उपद्रव के चलते करीब 15 मिनट तक ट्रेन ट्रैक पर खड़ी रही। यात्री परेशान होकर ट्रेन से उतरे और शराबी को ट्रैक से हटाया। उधर नदी में प्रतिमा विसर्जन कर रहे लोगों ने इस घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रेलवे विभाग में हड़कंप मच गया है। फिलहाल रेलवे पुलिस शराबी की पहचान और जांच में जुट गई है।

तौफीक खान(तोती) को किया गया सुपुर्दे खाक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मॉयल नगरी भरवेली वार्ड नंबर 14 पटेल बाड़ा निवासी मरहूम मुस्ताक भाई के छोटे सुपुत्र तौफीक खान (तोती) जो की एक रोड दुर्घटना में 20 सितम्बर को आवलाझरी के पास घायल हुए थे जिनका उपचार गोंदिया के एक निजी हॉस्पिटल में चल रहा था जिन्हे 30 सितम्बर को नागपुर एआईएमएस में रिफर किया गया था

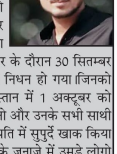

नागपुर एआईएमएस में उपचार के दौरान 30 सितम्बर की रात में तौफीक खान का निधन हो गया।जिनकी भरवेली हीरापुर स्थित कब्रिस्तान में 1 अक्टूबर को परिवार, रिस्तेदार, ग्रामीण जानो और उनके सभी साथी क्रिकेट खिलाड़ियों की उपस्थिति में सुपुर्दे खाक किया गया।तौफीक खान (तोती) के जनाजे में उमड़े लोगो की भीड़ को देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है की तौफीक खान (तोती) मात्र 23 वर्ष की उम्र में ही आम लोगो में काफी मिलनसार, हसमुख और बड़ो का आदर सत्कार करने वाले व्यक्तित्व के धनी थे। मात्र 23 वर्ष की उम्र में भरवेली टापर्स क्रिकेट टीम से क्रिकेट खेलते हुए अपने हुनर को क्रिकेट जगत में बालाघाट के सभी ग्रामीण क्षेत्र में तौफीक खान (तोती) ने दिखाया था वह निश्चित ही एक उभरते हुए क्रिकेट खिलाडी थे,उनके निधन से सभी क्रिकेट खिलाडी और क्रिकेट प्रेमिओ में भी दुख और शोक का माहौल बना हुआ है।

अलग-अलग थाना क्षेत्र में कीटनाशक का सेवन करने से तीन की मौत

जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए सौपे गए शव, मामले की जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रो में कीटनाशक पॉयजन का सेवन करने से तीन लोगों की मौत हो गई। जहां किरनापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सिवनी कला में एक 50 वर्षीय व्यक्ति ने शराब के लिए पैसे ना मिलने पर कीटनाशक का सेवन कर लिया ,तो वही लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम छतेरा में धान की फसल में कीटनाशक का छिड़काव करने गए एक 29 वर्षीय व्यक्ति के मुंह में कीटनाशक चले जाने से उसकी मौत हो गई। तो वहीं वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कायदी में अज्ञात कारणों के चलते एक बुजुर्ग ने कीटनाशक का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली इन तीनों मृतक व्यक्तियों के शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वहीं मामले की जांच के लिए डायरी जिला अस्पताल चौकी द्वारा संबंधित थाना पहुंचाई गई है, जिसके आधार पर संबंधित पुलिस द्वारा जांच शुरू कर दी गई है।

शराब के लिए पैसे नहीं मिलने पर कुएनाजी ने गटका जहर

कीटनाशक के सेवन से मौत का पहला मामला किरनापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सिवनी कला का है। जहां के निवासी 50 वर्षीय कुएनाजी पिता स्वर्गीय नितराम झलपे ने, शराब के लिए पैसे ना मिलने पर कीटनाशक का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली प्राप्त जानकारी के अनुसार कुएनाजी झलपे मजदूरी का कार्य करता था जो शराब पीने का आदि था। बताया गया कि आए दिनों की तरह गुरुवार की सुबह करीब 8 बजे वह शराब पीने के लिए पत्नी से पैसे मांग रहा था। जिसकी पत्नी ने पैसे देने से उसे इंकार कर दिया इससे गुस्साए पति ने आवेश में आकर कीटनाशक का सेवन कर लिया, जिससे उसकी तबीयत खराब हो गई उसे उल्टियां होने लगी, तबीयत खराब होने पर उसके परिजनों ने निजी वाहन से उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कीटनाशक मुंह में चले जाने से हुई दिनेश की मौत

कीटनाशक से मौत का दूसरा मामला लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम छतेरा का है जहां निवासी 29 वर्षीय दिनेश पिता श्यामलाल मर्सकोले की कीटनाशक के सेवन से मौत हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश मजदूरी का काम करता था,करीब 4 वर्ष पूर्व दिनेश की शादी रजनी के साथ हुई थी, जिसका एक तीन वर्ष का बेटा भी है। बताया गया कि दिनेश गुरुवार की सुबह खेत में कीटनाशक का छिड़काव करने के लिए गया था जहां कीटनाशक का छिड़काव करते समय कीटनाशक उसके मुंह में चली गई, जिससे वह अस्वस्थ हो गया। तबीयत खराब होने पर दिनेश घर आया, जिसे चक्कर आने लगे, और उल्टियां शुरू हो गई।यह बात उसने अपनी पत्नी रजनी सहित अन्य परिजनों को बताई, जहां मामले की जानकारी परिजनों को मिलते ही उनके परिजन, निजी वाहन की मदद से दिनेश को उपचार के लिए भर्ती कराने जिला अस्पताल ला रहे थे।लेकिन रास्ते में ही दिनेश ने दम तोड़ दिया।

अज्ञात कारणों के चलते बुजुर्ग ने किया कीटनाशक का सेवन

वही कीटनाशक के सेवन का तीसरा मामला वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कायदी का है।जहां अज्ञात कारणों के चलते कीटनाशक का सेवन करने से एक 65 वर्षीय बुजुर्ग राजकुमार पिता रामप्रसाद गौते की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कायदी निवासी राजकुमार गौते खेती किसानी का काम करते थे।जो पिछले 5 वर्षों से लकवा की बीमारी से काफी परेशान थे।बताया गया कि बुधवार की रात घर पर ज्वाला विसर्जन कार्यक्रम था जिसमें वह सह परिवार शामिल हुए थे। रात में खाना खाकर घर के सभी लोग सो गए थे। सुबह उठकर राजकुमार ने परिवार के साथ चाय नाश्ता किया, उसके कुछ देर बाद उनकी तबीयत खराब हो गई और अचानक से उल्टी दस्त शुरू हो गए। जिनकी तबीयत खराब होने पर उनके परिजनो ने उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया।जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि राजकुमार गौते की मौत कैसे हुई फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन चिकित्सकों की माने तो राजकुमार गौते के मुंह से कीटनाशक की दुर्गंध आ रही है जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि राजकुमार ने भी कीटनाशक का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त की होगी।

पीएम के बाद परिजनों को सौपे गए शव

उधर जिला अस्पताल चिकित्सकों से तीन अलग-अलग मार्ग तहरीर मिलने पर, अस्पताल चौकी पुलिस ने तीनों मृतकों के परिजनों के बयान दर्ज कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की वही शवो को अपने कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया।जहा शव परीक्षण कर अन्य आवश्यक कार्यवाही के उपरांत तीनो शवो का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही मामले की जांच के लिए डायरी संबंधित थाना पहुंचाई गई है।जिसके आधार पर संबंधित थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नशे में धुत युवक ने की तीन युवकों पर किया चाकु से वार

दोनों युवकों का उपचार जारी, युवक फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी के वार्ड नंबर 14 गांधी स्कूल के पीछे एक युवक द्वारा की गई चाकू बाजी में तीन युवक घायल हो गए। 2 अक्टूबर की रात्रि 10:00 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब तीन युवक स्कूल के पीछे बैठे हुए थे ।तभी शराब के नशे में धुत युवक विजय नेवारे ने तीन युवकों को अश्लील गालियां देते हुए उन पर चाकू से हमला कर दिया । चाकू के हमले में घायल दोनों तीनों युवक को जिला अस्पताल लाया गया जिनमे गंभीर रूप से घायल दो युवक अंकित पिता राजकुमार सोनवाने 24 वर्ष वार्ड नंबर 12 वारासिवनी और निखिल पिता दिलीप गौतम 23 वर्ष वार्ड नंबर 13 वारासिवनी को जिला अस्पताल से बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर किया गया है इस घटना में अन्य युवक चित्रांशु श्रीवास्तव को मामूली चोट आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंकित सोनवाने मजदूरी करता है। 2 अक्टूबर की रात्रि 10 बजे करीब अंकित सोनवाने अपने दोस्त चित्रांशु श्रीवास्तव और निखिल गौतम के साथ वारासिवनी के वार्ड नंबर 14 गांधी स्कूल के पीछे बैठकर बातचीत कर रहे थे। तभी विजय नेवारे जो वार्ड नंबर 1 रामपायली रोड नाका के पास रहने वाला है। वह आया उस समय विजय नेवारे शराब के नशे में था। जो अंकित सोनवाने को देख कर उसे अश्लील गालियां देने लगा था। अंकित सोनवाने ने उसे पूछा कि़सको गाली दे रहा है और क्यों दे रहा है। अंकित सोनवाने के यह कहते ही विजय नेवारे ने अंकित सोनवाने का गला पकड़ लिया और अपने पास रखें कोई नुकीली ठोस वस्तु से उसके गले में वार कर दिया। अंकित सोनवाने ने अपना बचाव करते हुए विजय निवारे का हाथ पकड़ा तो उसने चाकू

दिखाकर मारने की धमकी दे दिया। अंकित सोनवाने के दोस्त चित्रांशु श्रीवास्तव और निखिल गौतम बीच बचाव करने आए तो विजय निवारे ने चित्रांशु श्रीवास्तव और निखिल गौतम पर भी चाकू से हमला कर दिया। चाकू को और चित्रांशु श्रीवास्तव के बाए हाथ की कलाई में लगा और निखिल गौतम के गले के बाई तरफ चाकू का वार लगने वह घायल हो गया। इसके बाद विजय नेवारे तीनों को अश्लील गालियां देते हुए जान से मार डालने की धमकी देते हुए वहा से भाग गया। अंकित सोनवाने ने अपने भाई योगेश सोनवाने को फोन करके बुलाया।योगेश सोनवाने ने चाकू बाजी में घायल हुए अपने भाई अंकित सोनवाने, निखिल गौतम और चित्रांशु श्रीवास्तव को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। इस चाकू बाजी में चित्रांशु श्रीवास्तव को मामूली चोटे आई थी। अत्यधिक चोट लगने घायल अंकित सोनवाने और निखिल गौतम को जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने अंकित सोनवाने और निखिल गौतम का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दी है।

पिकअप की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवक घायल

रामपायली थाने के ग्राम डोंगरमाली में बेनी रोड पर हुई दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम डोंगरमाली से बेनी रोड पर पिकअप मोटरसाइकिल को ठोस मार दी इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल होगा घायल दोनों युवक उज्जवल पिता हरि लाल चांदेवार 20 वर्ष और श्याम चांदेवार ग्राम बेनी थाना रामपायली निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उज्जवल चांदेवार मजदूरी करता है। 2 अक्टूबर को उज्जवल के भतीजे अभिषेक का जन्मदिन था। शाम को उज्जवल अपने चाचा के लड़के श्याम चांदेवार के साथ मोटरसाइकिल में भतीजे के जन्मदिन के लिए केक खरीदने के डोंगरमाली आए थे। और केक खरीदने के बाद दोनों मोटरसाइकिल में डोंगरमाली से बेनी जाने निकले थे। मोटरसाइकिल श्याम चांदेवार चला रहा था। शाम 7:30 बजे करीब डोंगरमाली के पास बेनी रोड पर बेनी की ओर से तेज रफ्तार से आ रही पिकअप ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। पिकअप की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार उज्जवल और श्याम दोनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए और दोनों रोड किनारे पड़े हुए थे। आने जाने वालों ने 108 एंबुलेंस को फोन किये। 108 एंबुलेंस से दोनों को डोंगरमाली अस्पताल ले गए जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। दोनों युवक का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया।

धूमधाम से विदा हुई मां दुर्गा

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। नौ दिन माता की आराधना के बाद गुरुवार की शाम से देवी प्रतिमाओं के विसर्जन का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह शुक्रवार की सुबह से देर रात तक चलता रहा। पूजा अर्चना के साथ देवी प्रतिमाओं का नदी और तालाबों में विसर्जन किया गया। शहर के प्रमुख मार्गों से मां दुर्गा की झांकियां निकाली गई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। तो वही शहर के विभिन्न वार्डों में रखी गई दुर्गा प्रतिमाओं को समितियों के द्वारा डीजे की धुन पर नाचते थिरकते वैनगंगा नदी के पानी में विसर्जित किया गया। नवमी से ही शारदीय नवरात्र का पर्व खत्म हो जाता है सार्वजनिक एवं घरों में विराजित की गई दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया है विजयदशमी के दिन से ही रावण के दहन होने के बाद कुछ सार्वजनिक समितियों द्वारा रात्रि में दुर्गा प्रतिमा विसर्जित की , तो वहीं शुक्रवार सुबह से ही सार्वजनिक समितियों द्वारा डीजे की धुन पर नाचते थिरकते हुए दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन स्थानीय वैनगंगा नदी के पानी में किया गया , तो कुछ लोगों ने देवी तालाब में दुर्गा जी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया, वहीं प्रशासन द्वारा भी सुरक्षा की दृष्टि से विसर्जन स्थल पर चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी एवं दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान बड़ी प्रतिमाओं को क्रेन के माध्यम से वैनगंगा नदी के पानी में छोटे पुल से विसर्जित किया गया

बाजे गाजे के साथ हुई प्रतिमाओं का विसर्जन

दुर्गा प्रतिमाओं का समितियों द्वारा बाजे गाजे और डीजे की धुन के साथ विसर्जन किया गया जहां अलग-

अलग समितियों ने अपने-अपने स्तर पर ढोल नगाड़े के साथ नाचते हुए शहर के प्रमुख चौक चौराहों का भ्रमण किया और उसके बाद स्थानीय वैनगंगा नदी में ले जाकर प्रतिमाओं को क्रेन के माध्यम से विसर्जित किया गया

विसर्जन स्थल पर चाक-चौबंद रही व्यवस्था

जिला प्रशासन द्वारा विसर्जन स्थलों में सुरक्षा की दृष्टि से चाक-चौबंद व्यवस्था रखी गई थी , यहाँ दुर्गा समितियों द्वारा झांकियों के रूप में प्रतिमाओं को लेकर पहुंचा गया, तो यहां बड़ी प्रतिमाओं को क्रेन के माध्यम से विसर्जन किया गया तो वहीं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारी भी यहां लगाए गए थे जो समय-समय पर अधिक भीड़ को नदी के किनारे से हटाते नजर आए और रविवार की देर रात तक विसर्जन का सिलसिला वैनगंगा नदी में चलता रहा।

धू-धू कर जला दशानन::धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

अमोली में 51 फीट रावण के पुतले का हुआ दहन, आरती के बाद महा प्रसादी का हुआ वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। अधर्म पर धर्म की जीत, अन्याय पर न्याय की विजय एवं बुराई पर अच्छाई की जय जयकार- इसी कामना को लेकर विजयादशमी पर्व पर 2 अक्टूबर को नगर मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामों में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों के द्वारा देर शाम अपने अपने ग्रामों में स्थित दशहरा मैदान पहुंचकर रावण के पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व विजयादशमी (दशहरा) पर्व धूमधाम से मनाया गया। इसी तरह नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में 2 अक्टूबर को रात 10 बजे दशानन रावण के पुतले का दहन कर असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दशहरा पर्व के अवसर पर अमोली स्थित हनुमान मंदिर चौक से शाम 7 बजे बैडबाजे, डीजे की धून एवं भगवानों की जीवंत झांकियों व आतिशबाजी के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता, भगवान हनुमान सहित अन्य भगवानों एवं राक्षसों की जीवंत झांकिया आकर्षण का केन्द्र रही। इस शोभायात्रा में युवक एवं युवतियों के द्वारा जमकर नृत्य भी किया गया। वहीं दशहरा चल समारोह पर निकाली गई शोभायात्रा में रथ में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता को विराजमान किया गया। साथ ही अन्य जीवंत झांकियों के लिए बैलगाड़ी को रथों की तरह सजाया गया था जिसमें वीणा वादिनी माँ सरस्वती एवं अन्य देवी-देवताओं को विराजमान करवाया गया। यह शोभायात्रा ग्राम अमोली, लालबर्रा के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए भगवान श्रीराम के नारों के साथ यह शोभायात्रा दशहरा मैदान पहुंचा जहां भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात भगवान श्रीराम बने शुभम यादव के द्वारा तीर मारकर अहंकारी 51 फीट रावण के पुतले का दहन किया गया और दशानन धू, धू कर जला। जिसके साक्षी उपस्थित जनसमुदाय बने। दशहरा पर्व के बाद सभी श्रध्दालुजन माँ दुर्गा प्रतिमा स्थल पहुंचे जहां माँ जगदम्बे की आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया।

भगवानों की जीवंत झांकिया एवं दशहरा चल समारोह रहा आकर्षण का केन्द्र

इस दशहरा चल समारोह में भगवानों की जीवंत झांकिया एवं दशहरा चल समारोह आकर्षण का केन्द्र रहा। वहीं झांकिया बनाने में दिलीप पंचेश्वर, जीतू फाये एवं प्रवीण पशीने का विशेष योगदान रहा। आपकों बात दें कि ग्राम अमोली का दशहरा पर्व लालबर्रा क्षेत्र में विशाल रूप ले लिया है और 22 वें वर्ष में दशहरा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शुभम यादव ने भगवान श्रीराम, दुर्गा यादव ने लक्ष्मण, शिया पडवार ने माता सीता, निरूल यादव ने भगनान हनुमान, प्रवीण पशीने ने शिवाजी महाराज, वारूणी पंचेश्वर ने माँ सरस्वती, बंटी यादव ने भगवान शंकर, जितेन्द्र (पप्पू) पंचेश्वर ने भगवान श्रीगणेश सहित कुछ युवा व युवतियों ने अन्य भगवान व देवियों एवं राक्षस की भूमिका अदा किया। इस दशहरा चल समारोह एवं रावण के पुतले दहन के अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय से कहा गया कि जिस तरह आज अहंकारी रावण का दहन किया गया हैं। उसी तरह सभी को अपने अंदर छुपे बुराईयों को दूर कर सत्य के मार्ग पर चलकर समाज एवं देश हित में काम करना चाहिए। इस अवसर पर सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनसमुदाय उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने मनाई महात्मा गांधी एवं शास्त्री जी की जयंती

पद्मेश न्यूज (लालबर्रा)। नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। यह जयंती कार्यक्रम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर सहित अन्य कांग्रेसी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने विश्व को सत्य व अहिंसा का मार्ग दिखाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर महात्मा गांधी अमर रहे, लाल बहादुर शास्त्री अमर रहे के नारे लगाते हुए उन्हे श्रध्दांजली अर्पित कर उन्हे याद किया एवं उनके बताये मार्ग पर चलने का सभी ने संकल्प लिया। वहीं उपस्थित कांग्रेसियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा देशहित में किये गये कार्यों के बारे में उपस्थितजनों को जानकारी प्रदान की और सभी को संगठित होकर ऐसे महापुरूषों के बताये मार्ग पर चलकर कांग्रेस पार्टी एवं देशहित में काम करने की बात कही। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विश्व को सत्य व अहिंसा का मार्ग दिखाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं सादगी की मिसाल, जय जवान-जय किसान का नारा देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उनके कार्यों को याद किया गया एवं उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया है। ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, मनीष कुशवाहा, दीपक तोमर, ओपी बिसेन, सतानंद दमाहे, सुनिल अवधवाल, शैलेष केकती, बंटी शर्मा, आनंद बिसेन, कैलाश नखाते, डीपी सिलेकर, अंकित पिपलोद, सुमित स्वामी, नितिन साखला, प्रशांत यादव, लक्की यादव, मयंक डोकरे सहित अन्य कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

निरंतर प्रयास से मिलती है सफलता - हर्ष

हर्ष दुबे बने असिस्टेंट कमिश्नर, लखनऊ में ट्रेनिंग जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सोंदीपनी स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे के भतीजे, सेवानिवृत्त सब इस्पेक्टर बलरामप्रसाद दुबे के सुपुत्र हर्ष दुबे ने भारतीय सिविल सेवा परीक्षा 2023 में सफलता प्राप्त कर भारतीय रेल सुरक्षा बल विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर उनका चयन हुआ है। जिनकी ट्रेनिंग लखनऊ में जारी है। गुरूवार को हर्ष दुबे अपने चाचा सांदीपनी स्कूल लालबर्रा प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे के घर पहुंचे थे। जिनका श्री दुबे, परिजनों व शुभचिंतकों ने स्वागत व सम्मान किया एवं शुभकामनाएं दी। वहीं हर्ष दुबे ने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवारजनों, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों के आशीर्वाद और समर्थन को दिया है। आपकों बता दे कि असिस्टेंट कमिश्नर हर्ष दुबे का मूल निवास सिवनी का है। जिनकी प्रारंभिक पढ़ाई कक्षा 5 वीं से 9 वीं तक विवेक 'योति स्कूल बालाघाट में संपन्न हुई है, जिसके बाद हायर सेकेण्डरी की पढ़ाई सिवनी में की है एवं ग्रेजुएशन की पढ़ाई उन्होंने इंदौर के होलकर साइंस कॉलेज से पूरा किया है। जिनके पिताश्री बलरामप्रसाद दुबे पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हो चुके है। वहीं हर्ष दुबे को सबसे पहले यूपीएससी की तैयारी के लिए बालाघाट में उनके स्कूल प्राचार्य रहे चंद्रप्रकाश प्रधान ने प्रेरित किया था। जिसके बाद हर्ष ने यूपीएससी परीक्षा को अपना लक्ष्य बनाकर दृढ़ संकल्पित होकर लगन, मेहनत से पढ़ाई कर चौथे प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण की है और वर्तमान में वे भारतीय रेल सुरक्षा बल में अस्टिंट कमिश्नर पद पर चयनित होकर लखनऊ में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। उनकी इस सफलता से परिजनों एवं शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है। चयनित असिस्टेंट कमिश्नर हर्ष दुबे ने बताया कि यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा केवल मेहनत, धैर्य और सही दिशा के साथ ही पास की जा सकती है और जो परीक्षार्थी शॉर्टकट की तलाश करते हैं, वे सफलता की मंजिल से हमेशा दूर रह जाते हैं इसलिए यूपीएससी की तैयारी करने के लिए संपूर्ण सिलेबस एवं पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। साथ ही एनसीईआरटी की किताबों से पढ़ाई करनी चाहिए। श्री दुबे ने बताया कि जब माता-पिता बच्चों को समय रहते सही दिशा में बढ़ाते हैं, तो भविष्य की कठिन राहें भी आसान हो जाती हैं इसलिए अभिभावक बच्चों की रूचि के अनुसार पढ़ाई के लिए प्रेरित करें और किसी भी परीक्षा के लिए नियमित प्रयास करने से निश्चित ही सफलता प्राप्त होती है।

चंडी मैया के दरबार में की गई पूजा-अर्चना

दशहरा पर्व पर पूर्वजों से चली आ रही परम्परा का किया गया निर्वहन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सराफा बाजार स्थित चंडी मैया के दरबार में 2 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृध्दि के लिए सर्वसमाज के पदाधिकारियों एवं स्वजातीय बंधुओं ने दशहरा पर्व के अवसर पर विशेष पुजा अर्चना की। इस अवसर पर सर्वप्रथम सर्वसमाज के स्वजातीय बंधु वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के पूर्व अध्यक्ष, स्थाई पटेल अनिल 'बब्बी' शर्मा के निवास स्थान पहुंचे जहां से श्री शर्मा जी के द्वारा एवं पुंजारी बसंत हट्टेवार पूजा की थाल लेकर हनुमान मंदिर पहुंचे। जहां भगवान श्रीराम, माता जानकी, राधे-कृष्ण की पूजा अर्चना कर पवन पुत्र हनुमान जी की आरती मंदिर के पंडित के द्वारा संपन्न करवाई गई। जिसके बाद सभी चंडी मैया दरबार पहुंचकर पूर्व सोसायटी अध्यक्ष अनिल शर्मा द्वारा अपने पूर्वजों द्वारा चली आ रही परम्परा का निर्वहन करते हुए मातारानी की पूजा अर्चना की। जिसके बाद पुजारी (पंडा बाबा) बसंत हट्टेवार के द्वारा झंडा वंदन किया गया। साथ ही समस्त उपस्थितजनों के द्वारा क्षेत्र की सुख-समृध्दि की कामना की गई। वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा पूर्व अध्यक्ष, स्थाई पटेल अनिल शर्मा ने बताया कि पूर्वजों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन करते हुए दशहरा पर्व पर माँ चंडी मैया की पूजा अर्चन कर क्षेत्र की खुशहाली, सुख-शांति समृध्दि के लिए की जाती है। इसी कड़ी में 2 अक्टूबर को माँ चंडी मैया की पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों की खुशहाली की कामना की गई है। यादव समाज ब्लॉक अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दशहरा पर्व पर चंडी मैया की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति, खेत-खलियान की खुशहाली की कामना की गई जिसमें सभी समाजों का सहयोग रहता है और आज से 21 दिन बाद दीपावली के अवसर पर यादव समाज, पटेल-महाजन उपस्थित होकर चंडी मैया की परिक्रमा कर धान की बाली चढ़ाकर क्षेत्र की सुख-शांति की कामना करेगें। इस अवसर पर स्थाई पटेल अनिल शर्मा, पुंजारी बसंत हट्टेवार, यादव समाज ब्लाक अध्यक्ष मनोज यादव सहित अन्य स्वजातीय बंधु एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

माँ कात्यायनी मंदिर से निकली 203 ज्योति कलशों की भव्य शोभायात्रा

तालाब में जवारों का किया गया विसर्जन, महाप्रसादी का हुआ वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर सांई ग्राम बकोड़ा स्थित अति प्राचीन माँ कात्यायनी मंदिर में शारदेय नवरात्र पर्व के प्रथम दिन गत 22 सितंबर को शुभ मुहुर्त में विधि-विधान से पूजन अर्चन कर मंदिर के कलश कक्ष में 203 मनोकामना ज्योति कलशों की स्थापना के बाद नौ दिनों तक महाआरती एवं जलाभिषेक कर जगत जननी की आराधना की गई। शारदेय नवरात्र पर्व के समापन के अवसर पर माँ कात्यायनी मंदिर प्रांगण से 2 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे 203 कलशों की विशाल शोभायात्रा निकाली गई । इस जवारे विसर्जन व शोभायात्रा में कलशों को लेकर ग्राम की महिलाएं एवं युवतियां निकली। जिसके पश्चात शोभायात्रा ग्राम का भ्रमण करते हुए स्थानीय तालाब पहुंची जहां आरती के पश्चात जवारों का विसर्जन किया गया। विसर्जन पश्चात् सभी श्रध्दालु कलशों के साथ मंदिर प्रांगण पहुंचे जहां मंदिर समिति द्वारा कलशधारी महिलाओं व कन्याओं का पैर धुलकर पूजन किया तत्पश्चात् महाप्रसादी का वितरण किया गया। चर्चा में माँ कात्यायनी मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि माँ कात्यायनी मंदिर बकोड़ा में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आस्थापूर्वक शारदेय नवरात्रा पर्व मनाया गया और शारदेय नवरात्र पर्व के प्रथम दिन गत 22 सितंबर को शुभ मुहुर्त में विधि-विधान से पूजन अर्चन कर मंदिर में 168 तेल एवं 35 घी कलश प्रज्वलित कर प्रतिदिन सुबह-शाम माता रानी की आराधना की गई और पर्व के दौरान विविध धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। साथ ही यह भी बताया कि शारदेय नवरात्र पर्व के समापन के अवसर पर 2 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे 'योति कलशों की शोभायात्रा निकालकर जवारों का विसर्जन करने के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया और माँ कात्यायनी माता से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में सुख, समृध्दि बनाये रखे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

पांढरवानी में हवन-पूजन एवं महाभोज का हुआ आयोजन

कलश एवं जवारे हुए विसर्जित, धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी का पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी स्थित माँ दुर्गा, हनुमान मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मंदिर में कलश एवं जवारे बोकर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। नवरात्र पर्व के दसवें दिन 2 अक्टूबर को मंदिर में दोपहर में हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ तत्पश्चात आरती की गई। जिसके बाद बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक विजयादशमी का पर्व के अवसर पर रावण के पुतले का दहन कर दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया तत्पश्चात भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्रध्दालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। जिसके बाद पुरस्कार वितरण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें नवरात्र पर्व के दौरान आयोजित हुए धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को अतिथियों के हस्ते पुरस्कार वितरण किया गया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने कहा कि माता रानी का पर्व नवरात्र हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और मातारानी से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में सुख समृध्दि बनाये रखे। साथ ही यह भी कहा कि पर्व में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। जिसके माध्यम से गांव के बच्चों को एक अच्छा मंच मिलता हैं। जिससे वे अपनी प्रतिभा को सामने ला रहे है इसलिए हम सभी को बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए, आगे बढ़ाना चाहिए ताकि उनकी प्रतिभाएं सामने आ सके। चर्चा में माँ नवदुर्गा उत्सव समिति पांढरवानी के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष में मंदिर में कलश एवं जवारे बोकर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया गया और नौ दिनों तक माँ दुर्गा के नौ रूपों की विशेष पूजा अर्चना की गई। 2 अक्टूबर को दोपहर में हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ, शाम में विजयादशमी का पर्व के अवसर पर रावण के पुतले का दहन कर दशहरा पर्व मनाया गया। जिसके बाद भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

धू.धू कर जला अहंकारी रावण

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वारासिवनी में विजयादशमी पर्व

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। असत्य पर सत्य की जीत और अधर्म पर धर्म की विजय का पर्व विजयादशमी दशहरा पर्व २ अक्टूबर को हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रावण के पुतले का दहन कर हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा सादगीपूर्वक विजयादशमी दशहरा पर्व मनाया गया। जहां हिन्दू धार्मिक मान्यता के अनुरूप भगवान राम लक्ष्मण की शोभायात्रा निकाल कर बुराई के प्रतीक अहंकारी रावण का दहन किया गया।

50 फीट रावण का हुआ दहन

हिन्दू धार्मिक मान्यता के अनुरूप नगर में दशहरा का पर्व हिंदु धर्मावलंबियों ने शांति के साथ मनाया। इस अवसर पर सभी धार्मिक बंधुओं एवं गैर धार्मिक बंधुओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सिविल क्लब मैदान में ५० फिट के दशानन के पुतले के दहन में शामिल हुए। इस ऐतिहासिक दशहरा का पर्व नगर में पिछले २६ वर्षों से चल समारोह आतिशबाजी व विभिन्न झांकियों के साथ धूमधाम से मनाया जा रहा २७ वें वर्ष में परंपरा का निर्वहन करते हुए दशहरा पर्व मनाया गया। दशहरा आयोजन समिति अध्यक्ष वर्तमान विधायक विवेक पटेल की अध्यक्षता में दशहरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। २ अक्टूबर को पूरा नगर भगवा रंग में डूबा नजर आया और इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीयजन मौजूद रहे।

श्रीराम मंदिर से निकले भगवान श्री राम

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बड़े श्रीराम मंदिर से दशहरा पर्व शुरू हुआ। इस अवसर पर प्रभु राम की विशेष पूजा अर्चना की गई। इस दौरान श्रीराम मंदिर में दशहरा आयोजन समिति के अध्यक्ष विवेक पटेल के साथ समस्त पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस वर्ष भी प्रतिवर्षानुसार विशाल जुलूस निकाला गया जो शांतिपूर्वक रूप से दशहरा पर्व मनाया गया। नगर में स्थित श्रीराम मंदिर से शाम ५ बजे भगवान श्रीराम, भगवान लक्ष्मण व भगवान हनुमान की जीवंत झांकी के साथ निकला जो रात ७.३० बजे दशहरा मैदान पहुंची। जहां रावण का विधि विधान से पूजा अर्चना कर भगवान श्रीराम ने रात ८.१५ बजे रावण का वध किया और दशानन रावण धू.धू करके जला यानि रावण का दहन किया गया। दशहरा मैदान में दशानन रावण दहन कार्यक्रम का मंच संचालन अनिल पिपरेवार कार्यक्रम का आभार छगन हनवत ने किया। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन नगर में पूरी तरह मुस्तैद रहा। वहीं कार्यक्रम के दौरान अधिकारी कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भव्य आतिशबाजी का हुआ आयोजन

दशहरा मैदान में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी प्रसिद्ध आतिशबाजी को बुलाकर क्षेत्र की जनता का मनोरंजन किया गया। किंतु इस बार इस आतिशबाजी को आकर्षण का केंद्र रही इसने लोगों का जमकर आनन्द लिया।

ये बने भगवान राम के सारथी

दशहरा मैदान में जन समुदाय के बीच रामजी की सवारी पहुंची और उनके सारथी के रूप में समिति अध्यक्ष विधायक विवेक पटेल, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल, नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे , अधिवक्ता स्वप्निल डोंगरे सहित क्षेत्र की जनता जनप्रतिनिधियों सहित अन्य संगठन के पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जिन्होंने भगवान राम की शोभायात्रा श्री राम मंदिर से निकालकर ढोल बाजे और डीजे की धुन पर दशहरा मैदान तक लेकर आए। जिसमें सभी धार्मिक बंधुओं एवं गैर धार्मिक बंधुओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

जीवंत झांकियों ने सबका मन मोहा

चल समारोह नगर के श्री राम मंदिर से निकला इस दौरान इस चल समारोह में विशेष आकर्षण का केंद्र झांकियां रही। जिसमें भगवान श्री राम ,भगवान लक्ष्मण ,भगवान हनुमान ,महापुरुषों में छत्रपति शिवाजी महाराज ,बाजीराव पेशवा, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई ,वीरांगना रानी अवंती बाई सहित अन्य करीब एक दर्जन से ज्यादा महापुरुषों की झांकियां रही जो घोड़े पर सवार रही। वहीं भगवान भोलेनाथ ,हनुमान जी ,माता काली सहित अनेक झांकियों ने सभी के मन में अपना स्थान बना लिया। इस दौरान लोगों को भगवान भोलेनाथ की झांकी ने काफी प्रभावित किया। वहीं आदिवासी कालकारों के द्वारा चल समारोह के दौरान शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी जाती रही।

हनुमान जी महाराज के स्वरूप ने नगर का किया भ्रमण

दशहरा चल समारोह में इस वर्ष नगर के युवाओं के द्वारा नई परंपरा का आगाज किया गया है। जिसमें भगवान हनुमान जी महाराज के स्वरूप को चल समारोह में शामिल किया गया जो पूरे कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान घरों की छत छप्पर और रोड़ किनारे लोगों की भीड़ हनुमान जी के स्वरूप को देखने के लिए कतार बध्द खड़े रहे। इस दौरान श्री राम मंदिर से ६.३० बजे भगवान हनुमान जी का स्वरूप शिवम् बुधरानी के द्वारा धारण कर नगर में जूलूस निकाला गया। इस दौरान हनुमान जी के स्वरूप को सुरक्षित रखने के लिए चल समारोह में करीब एक सैकड़े से अधिक युवाओं के द्वारा सफेद कुर्ता डालकर रक्षा की गई। हनुमान जी का स्वरूप श्री राम मंदिर से निकाला जिसे नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए मां भगवती के पंडाल में पहुंचकर माता का आशीर्वाद ग्रहण किया। इस दौरान जगह.जगह लोगो के द्वारा हनुमान जी के स्वरूप की आरती उतार कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया। इसके बाद हनुमान जी दशहरा मैदान में पहुंचे जहां पूरे मैदान की परिक्रमा कर भगवान राम का आशीर्वाद ग्रहण कर रावण वध के बाद वापस श्री राम मंदिर पहुंचे। जहां हनुमान जी की आरोधना की गई। विदित हो कि शिवम् बुधरानी के द्वारा ४० दिन सेवा कर भगवान हनुमान जी का स्वरूप धारण किया गया था उनके द्वारा जो मुकुट धारण किया गया था। वह ३० किलो से भी अधिक का वजनी और करीब १२ फिट लंबा था जिसे देखने के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही।

सत्य और भगवान श्रीराम के बतायें मार्ग पर चलें- विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने जन समुदाय को सम्बोधित करते हुये कहा कि यह दशहरा आयोजन हमारे नगर की शान हैं। आप सभी के आशीर्वाद से यह कार्यक्रम हो रहा हैं यहां पर भगवान राम और हनुमान जी का आशीर्वाद रहा। रावण का अहंकार घमंड नहीं चला तो किसी व्यक्ति का घमंड भी नहीं चलेगा। विजयदशमी को लेकर लोगों में काफी उत्साह था उमंग थी वह दिखने में मिल रही थी। जिस प्रकार से कार्यक्रम हुआ वह हमारी पहचान है और आने वाले समय में दशहरा नई ऊंचाई को छूएगा। नगर में नवरात्र के अवसर पर सभी जगह बेहतर माता रानी के दरबार सजा गए थे पूरे भक्ति भाव के साथ माता रानी की ९ दिन आराधना की गई।

ये रहे मौजूद

इस दौरान पूर्व विधायक डॉ.योगेन्द्र निर्मल, ओमकारसिंह बिसेन,धवल मॉडल, अजय बिसेन, जीतू राजपुत, अनिल पिपरेवार, जावेद अली,विवेक जुझार,सुदेश सोनी,संदीप मिश्रा,राजेन्द्र कोहाड़,तंबु खंडेलवाल, अनीश बेग, राजा अली,हरि क्षीरसागर,कैलाश दुल्हानी, विकास पंडोरिया,किशोर बंसोडकर,झामसिंह भगत, विक्की ऐडे,भययू अग्रवाल,राहुल बिसेन, संदीप राणा,सुनील राणा, राजकुमार चौधरी,शैलेन्द्र पटेल,बंटी शेंद्रे,मनीष खंडेलवाल, राहुल अरोरा,सुशील शर्मा,जगमोहन निराला,विजय बिसेन, धीरेन्द्र रूसिया,प्रमेन्द्र हेडाऊ,चिंटू जैन,विजय बिसेन,राकेश वर्मा,छोटू ठाकरे,सोमू शुक्ला,प्रणय धार्मिक,समीर बिसेन,अमन पटेल,रितिक गौतम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गुरुद्वारे की दान पेटी हुई चोरी

घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद, सिंधी समाज ने पुलिस में की शिकायत पुलिस जांच में जुटी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ७ लालबर्रा रोड़ स्थित गुरुद्वारे में २ अक्टूबर की देर शाम

करीब ८ बजे अज्ञात चोरो के द्वारा दान पेटी की चोरी कर वारदात को अंजाम दिया गया। हालांकि यह मामला सीसीटीवी कैमरे में कैद होना बताया जा रहा है, जिसमें सिंधी समाज की शिकायत पर पुलिस के द्वारा जांच प्रारंभ कर दी गई है। किंतु यह चोरी की वारदात लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है वहीं गुरुद्वारे में यह करीब पांचवी चोरी बताई जा रही है। किंतु एक भी चोरी का पुलिस के द्वारा खुलासा वर्तमान तक नहीं किये जाने से समाज के अंदर आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के लालबर्रा रोड़ से कृषि उपज मंडी मार्ग पर गुरुद्वारा स्थित है जहां पर सिंधी और सिख समाज के लोग प्रतिदिन आना जाना करते हैं। जहां अंदर में करीब ३.३० फीट चौड़ी स्टील की दान पेटी रखी हुई थी जहां पर लोगों के द्वारा दान डाला जाता था। गुरुद्वारा सेवक के द्वारा समिति के साथ दो से तीन दिन में दान के रुपये निकाल लिए जाते थे । जहां प्रतिदिन की तरह गुरुद्वारा बंद करने के लिए महेश जिज्ञासी ,विनोद तनवानी आये। तो देखा की दान पेटी बोरी में भरकर दरवाजे के किनारे में रखी हुई है जिसे वह किसी कार्य के लिए समिति के लोगों ने रखा होना समझा और दरवाजा बंद कर वहां से चले गए। इसके बाद रात्रि में महेश जिज्ञासी गुरुद्वारे में सोने आए उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया फिर शुक्रवार की सुबह साफसफाई करने वाली महिला गुरुद्वारे में आई तो दान पेटी नहीं थी यह जानकारी समाज के लोगों को दी गई। जिस पर इधर उधर पता किया गया कहीं पता नही चलने पर सीसीटीवी कैमरे देखे गए। जिसमें अज्ञात व्यक्ति के द्वारा दान पेटी चोरी करना समझ आया। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई मौके पर पुलिस के द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी अपने पास लेकर जांच प्रारंभ कर दी है।

पहले भी हो चुकी है गुरुद्वारे में कई बार चोरी

नगर में बीते दिनों से चोरी का दौर जारी है अज्ञात चोरों के द्वारा लोगों के सूने मकान में उनके खून पसीने की मेहनत को चुराने में कोई कमी नहीं की जा रही है। लोगों को हजारों और लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है किंतु चोर आज भी पुलिस के शिकंजे से बाहर है तो वहीं गुरुद्वारे में यह पहली बार चोरी की घटना नहीं हुई है। इसके पहले भी खिड़की तोड़कर दरवाजे का ताला तोड़कर अन्य बार चोरी की वारदात हो चुकी है। हर बार पुलिस के द्वारा जांच की गई किंतु आज तक एक भी गुरुद्वारे की चोरी को नहीं सुलझाया जा सका है। जबकि उक्त स्थान पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। यह व्यस्त मार्ग है गुरुद्वारा सुबह ४.३० बजे खुलता है रात में ९ बजे तक बंद होता है। ऐसे में गुरुद्वारे में एक सोने वाला व्यक्ति है एक बंद करने वाला व्यक्ति है। उसके बाद भी पुलिस के द्वारा आज तक चोरी का खुलासा नही करना समझ से परे है।

कई बार हो चुकी है गुरुद्वारे में चोरी की घटना-महेश जिज्ञासी

महेश जिज्ञासी ने बताया कि मैं गुरुद्वारे के पुजारी का लड़का हूं मैं विनोद के साथ गुरुद्वारा को बंद करने आया था। उस समय बोरी में दान पेटी भरकर दरवाजे के किनारे में रखी हुई थी। हमने सोचा वेल्डिंग का कोई काम होगा गुरुद्वारा बंद कर दिया फिर करीब १० बजे पुनः दरवाजा खुला दिखा तो मैं बंद कर दुर्गा उत्सव तरफ चल गया। वहां से ११ बजे आया गुरुद्वारा के अंदर सभी चीज बंद कर सो गया। मैंने ध्यान नहीं दिया सुबह ४.३० बजे सफाई करने वाली महिला आई उसने पेटी पूछी तो बताया दरवाजे के साइड में है परंतु वहां पेटी नहीं थी। फिर समाज के लोगों को हमने सूचना दी रात में हमने उतना ध्यान नहीं दिया था।

चोरो ने भगवान के घर को भी नही छोड़ा-अनिल परियानी

अनिल परियानी ने बताया कि यह गुरुद्वारा है यहां पर हमारा पूरा समाज प्रतिदिन आस्था के साथ माथा टेकने के लिए आता है। यहां पर चोरी की वारदात हुई है जो बहुत चिंता का विषय है पुलिस प्रशासन को गंभीरता से इस पर ध्यान देना चाहिए। इसके पहले भी तीन चार चोरियां हो चुकी है आज तक आरोपी नहीं पकड़ा है पुलिस की कार्य प्रणाली भी ठीक नहीं रही है रात में ८ बजे दान पेटी दरवाजे के किनारे बोरे में भरकर रखी हुई थी। उसके बाद उस पर कोई ने ध्यान नहीं दिया सुबह पता चला की चोरी हो गई। इसके पहले भी दरवाजे और खिड़कियां तोड़कर चोरियां हो चुकी है । यह बहुत बड़ा चिंता का विषय है कि भगवान के घर में भी चोरी हो रही है। आम व्यक्ति डरा हुआ है कि जब यह भगवान का घर सुरक्षित नहीं तो उसका घर क्या सुरक्षित होगा और नगर में कई चोरियां हो चुकी है पुलिस इसमें गंभीरता से कार्यवाही कर चोरों को पकड़े यही हमारी मांग हैं।

शीतला माता मंदिर से निकली 386 मनोकामना कलशों की भव्य शोभायात्रा

नहर में विसर्जित किये गये जवारे वितरित हुआ भण्डारा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर की ग्राम देवी कहलाई जाने वाली शीतला माता मंदिर में जारी शारदेय नवरात्र पर्व का समापन २ अक्टूबर को मनोकामना ज्योति कलश विसर्जन कर किया गया। शीतला माता मंदिर ग्राम देवी के रूप में मानी जाती है नगर का कोई भी व्यक्ति अपने शुभ कार्यों की शुरुआत माता शीतला के आशीर्वाद से ही करता है। जहां पर शारदेय और चैत्र दोनों नवरात्र पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाते हैं। जहां प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी ३८६ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित कर मां भगवती की आराधना प्रारंभ की गई। नौ दिवस आराधना उपरांत दशहरे के अवसर पर २ अक्टूबर को शोभायात्रा निकालकर मनोकामना ज्योति कलश एवं जवारों का नहर में विसर्जन किया गया। इस अवसर पर शोभायात्रा में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,नगर पालिका अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे सहित अन्य कार्यकर्ताओं के साथ शामिल होकर मां भगवती का आशीर्वाद ग्रहण किया वहीं क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंदिर के पदाधिकारी सदस्यगण सहित भक्तजनों व नगरवासियों का सराहनीय योगदान रहा। जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त गणों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर मां भगवती का आशीर्वाद ग्रहण किया।

नगर में नवरात्र पर्व की रही धूम

शारदेय नवरात्र पर्व पर २२ सितंबर को विधि विधान से पूजन अर्चन कर अंतिम दौर में नवमी तिथि पर १ अक्टूबर

३८६ मनोकामना कलश प्रज्वलित एवं जवारे बोकर नौ दिवसीय पर्व का प्रारंभ किया गया। जिसमें पूरे नौ दिवस भक्तिभाव के साथ मां भगवती के नौ रूपों की प्रतिदिन आराधना की गई। इस दौरान मंदिर में लगातार भक्तों की उपस्थिति बनी रही और सुबह से माता को जल चढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में भक्तों ने हाजरी लगाई। यह नवरात्र पर्व बहुत धूमधाम के साथ मंदिर में मनाया गया जिसका समापन जवारे विसर्जन के साथ किया गया।

जंवारे का हुआ विसर्जन

शीतला माता मंदिर में नवरात्र पर्व के अंतिम दौर में नवमी तिथि पर १ अक्टूबर को हवन.पूजन संपन्न करवाया गया। जिसमें आरती कर नौ कन्याओं को भोज एवं प्रसादी का वितरण किया गया। जिसके २ अक्टूबर को ३८६ कलशों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा मंदिर से निकालकर नगर के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए वार्ड नंबर १४ स्थित नहर पर पहुंची। जहां आरती कर जवारों का विसर्जन किया गया तत्पश्चात शीतला माता मंदिर में विशाल भण्डारा वितरित किया गया। शीतला माता मंदिर में बोये गए जवारे और मनोकामना ज्योति कलश के विसर्जन के साथ नवरात्र पर्व का समापन किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर से ३८६ ज्योति कलश की भव्य शोभायात्रा निकल गई यह शोभायात्रा नगर के विभिन्न चौक चौराहा का भ्रमण करते हुए बड़ी नहर पर पहुंची जहां पर माता की आरती करने के उपरांत विसर्जन किया गया। यह शोभायात्रा में मां भगवती की जीवंत झांकियां आकर्षण का केंद्र रही वहीं उक्त जीवंत झांकी के द्वारा शोभायात्रा के दौरान मार्ग पर नृत्य भी किया गया।

यह प्राचीन मंदिर है जहां नगर सहित क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है-मनोज दांदरे

मंदिर समिति सदस्य मनोज दांदरे ने बताया कि यह प्राचीन मंदिर है जहां से नगर सहित क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था जुडी हुई है जो यह नवरात्र पर्व में उपस्थित होकर माता का आशीर्वाद ग्रहण करते हैं । प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी काफी उत्साह के साथ नवरात्र पर्व का आयोजन किया गया। जिसमें शारदेय नवरात्र पर्व पर ३८६ कलश प्रज्वलित किये गये थे कलशों की शोभायात्रा निकालकर नदी में विसर्जित किया गया है तत्पश्चात भण्डारा का आयोजन किया गया। यह मंदिर करीब५०० वर्ष पुराना बताया जाता है जहां लोगों की मनोकामना पूरी होती है और वारासिवनी ही नहीं जिले प्रदेश और विदेश में रहने वाले लोग भी इस मंदिर से जुड़े हुए हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता एम सी संभलकर का निधन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व अधिवक्ता संघ अध्यक्ष मूलचंद संभलकर ८० वर्ष से की आयु में अस्वस्थ होने के चलते इलाज के दौरान २ अक्टूबर को निधन हो गया जिससे नगर में शोक की लहर व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर ३ निवासी मूलचंद संभलकर एक वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ पूर्व में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रह चुके हैं। वहीं विद्वान अधिवक्ता के साथ बहुजन चिंतक सामाजिक विचारक और लोकसभा विधानसभा के प्रत्याशी भी रहे हैं। इनके द्वारा बीड़ी कामगारों के लिए लड़ाई लड़ी गई वहीं न्यायालय में यादगार मुकदमे की पैरवी भी की गई। श्री संभलकर की तीन पुत्रियां हैं जिसमें बड़ी बेटी सीखा सेंट्रल स्कूल में व्याख्याता, दूसरे नंबर की बेटी नियति माध्यमिक शिक्षक और सबसे छोटी बेटी कानून विषय में प्रोफेसर है सभी का विवाह हो चुका है। मूलचंद संभलकर वरिष्ठ अधिवक्ता होने के साथ न्यायालय में प्रैक्टिस पर आना जाना करते रहते थे जो कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। ऐसे में उनका इलाज नागपुर में किया जा रहा था जहां ३ अक्टूबर की दोपहर करीब १ बजे इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। यह सूचना से पूरे अधिवक्ता संघ और नगर में शोक की लहर व्याप्त हो गई। इनका ४ अक्टूबर की सुबह ११ बजे स्थानीय मोक्ष धाम में श्री संभलकर का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

नवदुर्गा उत्सव समिति में 50 क्विंटल के विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

विजयदशमी पर नगर में जगह-जगह हुआ भंडारा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में विजयदशमी पर्व के अवसर पर अपार जन समुदाय के लिए नगर के विभिन्न स्थानों पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें जगह जगह लोगों ने अपने स्टाल लगाकर जनसमुदाय को भंडारा का वितरण किया। इस दौरान देखने में आया कि नगर में करीब एक दर्जन स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया जाता रहा। परंतु इसमें प्रमुख रूप से नवदुर्गा उत्सव समिति का भंडारा रहा जहाँ हजारों लोगों ने मां भगवती का प्रसाद ग्रहण किया।

सिविल क्लब में वितरित हुआ विशाल भण्डारा

नगर के सिविल क्लब नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में विधि विधान से पूजन अर्चन कर माँ जगदम्बे की प्रतिमा विराजित कर नवरात्र पर्व आस्थापूर्वक मनाया गया। जहां १ अक्टूबर को हवन पूजन कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसके बाद २ अक्टूबर को विजयादशमी पर्व के अवसर पर समिति के द्वारा विशाल भण्डारा का आयोजन किया गया। इसमें नगर सहित क्षेत्र से पहुंचे श्रध्दालुओं ने भण्डारा ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। विदित हो कि प्रतिवर्ष समिति के द्वारा मातारानी के भक्तों के लिये दशहरा पर्व में विशाल भण्डारा का आयोजन किया जाता है जो जिसमें करीब १५००० से अधिक लोगो ने प्रसादी ग्रहण किया। इस अवसर पर नवदुर्गा उत्सव समिति

इस वर्ष भी किया गया। जिसमें हजारों भक्तजनों ने भण्डारा रूपी महाप्रसादी ग्रहण कर माता रानी का आर्शिवाद प्राप्त किये। इस दौरान ५० क्विंटल का भंडारा बनाया गया जो देर रात तक चलता रहा। अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा सहित समिति पदाधिकारी के द्वारा लोगों को भंडारा वितरण किया गया।

बच्चों का जन्म प्राकृतिक या चिकित्सकीय

Note: विश्लेषण का उद्देश्य सी सेक्शन यानी सिजेरियन ऑपरेशन के इस्तेमाल के औचित्य पर सवाल उठाना कदापि नहीं है

बच्चों का जन्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है लेकिन क्या भारत में इसे चिकित्सकीय बनाया जा रहा है यह एक ऐसा सवाल है जो पिछले कुछ समय से देश भर में चिंता का विषय बन रहा है हाल ही में भारत के जनसंख्या पंजीयक की एक रिपोर्ट कहती है कि मप्र में सिजेरियन डिलीवरी का आंकड़ा 31 प्रतिशत पर पहुँच गया है छत्तीसगढ़ के शहरी अस्पताल भी कमोबेश ऐसी ही कहानी कह रहे हैं विश्व स्वास्थ्य संगठन कहता है कि किसी भी स्थिति में सिजेरियन प्रसव 10 फीसदी की आदर्श स्थिति के साथ 15 फीसदी से अधिक नही होना चाहिए ज़ाहिर है बच्चों के जन्म से जुड़ा कारोबार एक संगठित रूप ले रहा है दुर्भाग्य से इस मामले पर कोई विनियमन की व्यवस्था ही नही है। मद्रास आई आई टी के मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग द्वारा पिछले दिनों किये गए एक अध्ययन में भी इस बात पर चिंता व्यक्त की गई है कि देश में महिलाओं के लिए सिजेरियन ऑपरेशन जिस गति से बढ़ रहे हैं वह एक खतरनाक संकेत है छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु पर विशेष रूप से केंद्रित इस रिसर्च में बताया गया है कि छत्तीसगढ़ में बीपीएल से ऊपर के परिवार निजी अस्पतालों में सिजेरियन ऑपरेशन को अनावश्यक रूप से प्राथमिकता दे रहे हैं।राज्य में सिजेरियन केस दस गुना की गति से बढ़ रहे हैं जो कि मुख्य रूप से रायपुर, दुर्ग, भिलाई,राजनंदगांव, बिलासपुर, कोरबा,जैसे नगरीय क्षेत्रों से जुड़े हैं। वही तमिलनाडु में गरीब लोगों में पिछले एक दशक में इसका ट्रेंड बढ़ा है।

सरकार के हालिया आंकड़े बताते हैं कि देश में 2022 में 23.29 फीसदी बच्चों के जन्म सिजेरियन ऑपरेशन से हो रहे हैं।

यह ब्रिटेन,अमेरिका जैसे उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं वाले देशों से अधिक है।

1988 से 1993 के बीच भारत मे सिजेरियन ऑपरेशन महज 2.9प्रतिशत थे। साल 2005 तक यह 09 प्रतिशत ,2011 से 2016 तक 17.2 एवं 2016 से 2021 के मध्य यह आंकड़ा 21.5 था ज़ाहिर है भारत तेजी से सिजेरियन ऑपरेशन वाले देश में तब्दील हो रहा है।

सिजेरियन ऑपरेशन आवश्यक या अनिवार्य

इस विश्लेषण का उद्देश्य सी सेक्शन यानी सिजेरियन ऑपरेशन के इस्तेमाल के औचित्य पर सवाल उठाना कदापि नही है।यह गर्भावस्था के दौरान जटिल परिस्थितियों वाली महिलाओं के व्यापक हित में हैं और इसके माध्यम से अनगिनत माताओं का जीवन बचाया भी गया है।प्रश्न पिछले कुछ दशकों में इसके अनावश्यक उपयोग, इसके पीछे की आर्थिकी और इसके माध्यम से जन्म लेने बच्चों और जन्म देने वाली माताओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य से जुड़ा है।ख्यात स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ प्रो. डॉ रजनी जैन का मानना है कि सी-सेक्शन बच्चे के शुरुआती स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इस तरह जन्म लेने वाला शिशु सामान्य प्रसव की तरह जन्म-नली से नहीं गुजरता, वह मां की योनि से बाहर नहीं निकलता।नवजात शिशु देखभाल पर होने वाले अध्ययन बताते हैं कि सी-सेक्शन शिशुओं में शुरुआत में आंत की संरचना सामान्य प्रसव से होने वाले बच्चों की तुलना में अलग होती है, क्योंकि वे मां की योनि और आंत में रहने वाले सूक्ष्मजीवों के बजाय अस्पताल या पर्यावरण के रोगाणुओं के संपर्क में सबसे पहले आते हैं। माइक्रोबायोम के संपर्क में न आने के कारण शुरुआत में बच्चे का प्रतिरक्षा तंत्र उस तरह विकसित नहीं हो पाता नतीजतन सी-सेक्शन के शिशु कई

बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। दूसरी तरफ महिलाओं में हाइपर टेंशन,शुगर और मोटापा भी पश्चावर्ती दुष्प्रभाव पैदा करते हैं।तो ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सी सेक्शन अनावश्यक रूप से उपयोग में नही लाया जा रहा है।

नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे के हालिया आंकड़ों के अनुसार प्राइवेट अस्पताल में सी-सेक्शन के लिए 43,000 रुपये खर्च होते हैं, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 8,600 रुपये होता है। सामान्य प्रसव में भी यह खर्च काफी कम देखा गया है। जो 2916 रुपए है।

मप्र और छत्तीसगढ़ का सन्दर्भ ही लें तो स्पष्ट है कि प्राइवेट अस्पतालों में सरकारी अस्पतालों की तुलना में सौ फीसदी ज्यादा सीजेरियन प्रसव हो रहे हैं। जबकि, राष्ट्रीय मानकों के अनुसार किसी भी संस्था में कुल होने वाले प्रसव में 15 फीसदी सीजेरियन होना चाहिए। राजधानी भोपाल में करीब 31 फीसदी,इंदौर में 30,ग्वालियर में 32,नर्मदापुरम में 60 प्रतिशत तक सी सेक्शन प्रसव हो रहे हैं। इस कहानी में रोचक तथ्य प्राइवेट अस्पतालों की उपलब्धता जो ?ती है। उदाहरण के लिए सिवनी जिले में प्राइवेट अस्पतालों में 1 सामान्य बाहुल्य डिंडोरी जिले से इस खेल को और आसानी से समझा जा सकता है क्योंकि वहां कोई बड़ा नर्सिंग होम नही है और लगभग सभी प्रसव शासकीय हास्पिटल में हो रहे हैं नतीजतन पिछले तीन साल में डिंडोरी 34 हजार सामान्य प्रसव हुए।

मेडिकल कॉलेज और प्राइवेट नर्सिंग होम्स

केंद्र सरकार डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए देश भर में नए मेडिकल कॉलेज खोल रही है।यह अभूतपूर्व कदम है लेकिन इसके चलते एक समानांतर इंडस्ट्री खड़ी हो रही है।जिन जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं वहां औसतन 20 नए प्राइवेट नर्सिंग होम कॉलेज शुरू होते ही अस्तित्व में आ रहे हैं।इन प्राइवेट अस्पतालों में वही डॉक्टर सेवाएं दे रहे है जिनकी पोस्टिंग मेडिकल कॉलेजों में की गई हैं।

फेमिली हैल्थ सर्वे के आंकड़े भी बताते हैं कि देश में सरकारी अस्पतालों में आने वाले प्रसव के मामलों में केवल 14.3 प्रतिशत ही सी सेक्शन के जरिये उपचारित होते हैं वहीं प्राइवेट अस्पतालों में यह आंकड़ा 47.4 है यानी 100 में से 47 डिलीवरी सिजेरियन की जा रही हैं।ज़ाहिर है आने वाले समय में यह आंकड़ा जन्म होता है तो पांच सीजेरियन हो रहे हैं।

जबलपुर के निजी अस्पतालों में भी यह आंकड़ा 60-70 प्रतिशत है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि सामान्य स्थिति में 100 में महज 5 प्रतिशत प्रसव केस जटिलता भरे होते हैं। लेकिन देश भर में निजी अस्पताल 80-150 फीसदी तक सीजेरियन प्रसव करा रहे हैं। कुछ जिलों में यह आंकड़ा 200 प्रतिशत से ज्यादा है।मप्र के सिवनी में पिछले तीन वर्षों में प्राइवेट हास्पिटल में 487 सामान्य प्रसव और 3244 सी सेक्शन से हुआ । सिवनी में ही शासकीय हास्पिटल इस दौरान 54 हजार 875 सामान्य प्रसव हुए और मात्र 7123 सी सेक्शन । जनजाति और भी बढ़ेगा क्योंकि हर जिले में सरकार एक मेडीकल कॉलेज स्थापित कर रही है और इन जिलों में प्राइवेट अस्पताल भी बढ़ेंगे।

शिक्षा और सम्पन्नता का सी कनेक्शन

देश में जैसे जैसे आर्थिक असमानता कम हो रही है कमोबेश सिजेरियन ऑपरेशन बढ़ रहे हैं।दक्षिण और पश्चिम के राज्य ज्यादा शिक्षित एवं सम्पन्न गिने जाते हैं वहां के आंकड़े चौकाने वाले हैं।तेलंगाना में 60.7प्रतिशत महिलाएं ने सीजर के जरिये बच्चों को जन्म दे रही हैं।आंध्र प्रदेश में यह आंकड़ा 42.4,केरल में 38.9 है।कर्नाटक,तमिलनाडु जैसे राज्य भी कमोबेश इसी प्रेक्टिस को अपना चुके है।कर्नाटक में 36 प्रतिशत जन्म सी सेक्शन के जरिये हो रहे हैं।खास बात यह है कि बिहार,राजस्थान, यूपी जैसे राज्यों में अभी यह आंकड़ा उतना नही है जितना मप्र,छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में पिछले एक दशक में बढ़ गया है।अनुमान है कि मप्र,छत्तीसगढ़ में अगले कुछ सालों में यह आंकड़ा 40 तक पहुँच सकता है।

शुभ घड़ी और दर्द का भय

देश में सी सेक्शन जन्म का एक नया ट्रेंड शुभ मुहूर्त से भी जुड़ा है।अकेले रामलला की प्राणप्रतिष्ठा वाले अभिजीत मुहूर्त 11.45 से 12.45 के बीच सीजर के जरिये जन्म देने वाली माताओं की संख्या 4 हजार के लगभग थी।इसके अलावा ज्योतिष गणना के अनुसार जन्म देने का चलन तेजी से हिन्दू परिवारों में बढ़ रहा है।एक और कारण दू पाँश दू पुश का चलन है जिसमे महिलाओं के बीच प्रसव पीड़ा से मुक्ति की चाहत होती है।चिकित्सकों ने भी रिस्क नही लेने की मानसिकता को स्थायी बना लिया है इसलिए वे सामान्य सी जटिलता को भी सर्जिकल तरीके से निबटना पसन्द करते हैं यही कारण है कि देश में सी सेक्शन खतरनाक ढंग से बढ़ रहा है।

विवाह की उम्र और कैरियर

भारत में निजी क्षेत्र का बढ़ता स्वाथ्यगत ढांचा इस समस्या का बड़ा कारण है। लड़कियों की शादी की उम्र लगातार बढ़ रही है।तीस साल के बाद मां बनने वाली महिलाओं की संख्या हमारे आसपास ही आम हो गई है। बेशक आयुष्मान भारत और अन्य सरकारी बीमा कवर से लोगों के लिए सुविधाओं का विस्तार हुआ है।लेकिन निजी क्षेत्र में जिस व्यापक व्यावसायिकता से यह चलन बढ़ रहा है वह अंतत महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही।इसके लिए सरकार को नियामकीय व्यवस्था ईजाद करने पर विचार करना चाहिए।

-नवीन सविता

निरर्थक शोध-कार्यों पर अब जरूरी अंकुश लगाना

आज हम ज्ञान से संचालित युग में से संचालित युग में जी रहे हैं। मानवता के विकास में इसके योगदान और महत्व से हम अच्छी तरह परिचित हैं। इसलिए जो संस्थान ज्ञान का सृजन करते हैं, जैसे हमारे विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और थिंक-टैंक, उनके प्रति हमारे मन में गहरा सम्मान है। मानवता के उत्थान के लिए पिछली सदियों में उनके जो महान योगदान रहे, इससे उनको यह साख बनी है। मगर इसका एक नकारात्मक पक्ष यह भी है किइसी उच्च सम्मान के कारण हम उनको जरूरी निगरानी या जांच-पड़ताल से अलग रख देते हैं। हम अक्सर किसी सरकार या निगम की नाकामी को लेकर तो बहस करते हैं, लेकिन ज्ञान के अपने इन केंद्रों की विफलता की समीक्षा से कतराते हैं। यह बहुत ही खतरनाक बात है।

मैं यहां शोध के जरिये अर्जित होने वाले ज्ञान के पारिस्थितिकी तंत्र की बात कर रहा हूं। मैं इसमें शैक्षिक कार्य की बात जान-बूझकर अलग कर रहा हूं। इसकी अनेक उपलब्धियों को, खासकर भौतिक विज्ञान की उपलब्धियों को हमें स्वीकार करना चाहिए। लेकिन ज्ञान-केंद्रों को जांच के दायरे से परे रखने का जो विशेषाधिकार प्राप्त है, वही उनकी समस्या भी है। ऐसे में, किस अधिकांश शोध-कार्य निरर्थक के हो रहे हैं। बहुत सारे शोध तो ऐसे विषयों पर केंद्रित हैं, जिनको गंभीरता से कतई नहीं लिया जा सकता। दोनों ही मामले में यह संसाधनों और मानव ऊर्जा की बर्बादी होती है।

हालांकि, भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे शोधों के निरर्थक होने की समस्या कम है, जबकि मानविकी व सामाजिक विज्ञान

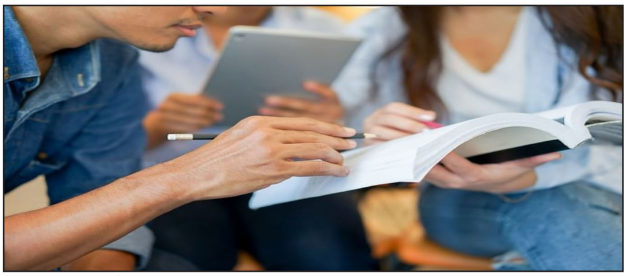

के क्षेत्र में कहीं अधिक है। यह फर्क बहुत गहरा और महत्वपूर्ण है। ज्ञान के पारिस्थितिकी तंत्र की विश्वसनीयता गणित, भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान और इससे संबंधित अनुसंधान क्षेत्रों की उपलब्धियों पर आधारित है। इन शोध क्षेत्रों में दृष्टिकोण अनुभवजन्य आंकड़ों, परीक्षण लायक कल्पनाओं और परिणाम की पुनरुत्पादन क्षमता के साथ मानकीकृत है। मगर मानविकी विषयों के अध्ययन में इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण की गंभीर सीमाएं हैं, इसलिए सत्य के प्रति इसके दावे कहीं अधिक कमजोर हैं। बल्कि धार्मिकता, पवित्रता के आवरण में इन उपायों का प्रयोग ऐसे शोध को गहन जांच-पड़ताल से बचाता है। इसकी दो मुख्य सीमाएं हैं, जो परस्पर जुड़ी हुई हैं। पहली, मानविकी विषयों के मुद्दे भौतिकी की तुलना में अनुराग बेहर सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन अधिक जटिल और अप्रत्याशित हैं। वे मानव स्वभाव जिनको किसी रासायनिक प्रतिक्रिया या भौतिक नियम से और व्यवहार के बारे में ऐसी मान्यताओं पर आधारित हैं, बांधा नहीं जा सकता। दूसरी, जैसे ही हम मानविकी के क्षेत्र में कदम रखते हैं, सब कुछ मूल्य-आधारित हो जाता है। अच्छे-बुरे, सही-गलत की बात होने लगती है।

मानविकी विषयों के शोध कार्यों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की गंभीर सीमाएं हैं, इसलिए सत्य के प्रति इसके दावे कहीं अधिक कमजोर हैं। इन सीमाओं का अर्थ है कि इन क्षेत्रों का ज्ञान किसी खास संदर्भ में घटनाओं का वर्णन और आंशिक रूप से व्याख्या कर सकता है। यह सार्वभौमिक भविष्यसूचक नियम उत्पन्न नहीं कर सकता। फिर भी, ठोस विज्ञानों से उधार ली गई विश्वसनीयता से उत्साहित होकर, इस पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर कई लोग सामाजिक शोध हैं। इसका सामाजिक कार्यों पर गहरा निष्कर्षों को समान गंभीरता से लेने लगे प्रभाव पड़ सकता है, जिसमें राज्य की नीति, संस्थागत संरचना और निवेश शामिल हैं। एक अविश्वसनीय शोध पारिस्थितिकी तंत्र खतरनाक होता है। यह उन विचारों को झूठा अधिकार प्रदान करता है, जो कमजोर नींव पर बनी नीतियां अक्सर हमें उलझन में डाल मूलतः मूल्यों पर आधारित और आकस्मिक होते हैं। ऐसी देती हैं। निस्संदेह, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में बहुत से लोग इन नुकसानों से अच्छी तरह वाकिफ हैं और इनमें नहीं फंसते। समस्या उनके इरादों और कार्यों में नहीं, उस शक्ति में है, जो हम इन क्षेत्रों और शोध के हैं। इस शक्ति का इस्तेमाल निजी लाभ के लिए किया जा व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र में अस्थिर तत्वों को सौंप दे सकता है। मसलन, पैसे, शोहरत, प्रभाव बनाने के लिए। फिर से परिभाषित करना होगा, क्योंकि यह हमारे लिए, इसलिए, हमें ऐसे शोध तंत्र के साथ अपने संबंधों को उपयोगी है। इसके लिए हमें हमें इनको जांच-पड़ताल के खड़ा होना होगा और बेकार पुरस्कारों को बंद करना होगा। दायरे में लाना होगा। निरर्थक शोध कार्यों के खिलाफ।

-श्री श्री रवि शंकर

पशुओं के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी

किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां पशुओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है द्य एक राष्ट्र तभी समृद्ध होगा जब वह पशुओं के जीवन को मानव जीवन के समान मूल्यवान समझेगा द्य पशुओं को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के विचार सभी को जानना चाहिए द्य महान विचारक श्री अरविंदो भी यही कहते थे जीवन तो जीवन है - चाहे वह बिल्ली में हो, कुत्ते में हो या मनुष्य में। बिल्ली और मनुष्य में कोई अंतर नहीं है। अंतर का विचार मनुष्य के अपने लाभ के लिए एक मानवीय अवधारणा है। हैरियट बीचर स्टोव कहते थे - जानवरों के साथ अपने व्यवहार में हमें यह याद रखना चाहिए कि वे हमारे पूर्वजों की ओर से हमें दी गई एक पवित्र धरोहर हैं। वे गूंगे हैं और अपनी बात नहीं कह सकते। अतः हमें इस धरोहर को सम्भालना चाहिए। अभी कुछ दिनों पहले आवारा कुत्तों को लेकर दिल्ली में अमानवीयता देखने को मिली थी, परंतु कोर्ट ने कुत्तों के जीवन को भी उपयोगी बताते हुए लोगों की अमानवीयता पर रोक लगाई थी कि कुत्ता हो या कोई अन्य जीव सभी का जीवन महत्तवपूर्ण है द्य खासकर जानवर भी हमारे आसपास रहते हैं जिससे प्रकृति संतुलित रहती है। प्रत्येक 4 अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह दिन पूरे विश्व में मनाए जाने वाले प्रमुख दिनों में से एक है द्य विश्व स्तर पर विश्व के बुद्धिजीवियों ने पर्यटकों के संरक्षण और संरक्षण के लिए इस दिन की शुरुआत की थी, जिसे पूरे विश्व में जानवरों के संरक्षण और जागरुकता के लिए मनाया जाता है द्य यह दिवस मानव की समृद्धि में एक प्रमुख कारक है, प्राकृतिक आपदाओं से, जहां मनुष्य खुद को किसी भी तरह से बचा लेता है, लेकिन वह पशुओं को बचा नहीं पाता है । 4 अक्टूबर को हम ५ विश्व पशु कल्याण दिवस ५ मानते हैं, यह एक अन्तराष्ट्रीय दिवस है द्य यह दिन एसीसी केसेंट फ्रांसिस का जन्मदिवस भी है जो कि पशुओं के महान संरक्षक थे द्य देखा जाए तो विश्व पशु कल्याण दिवस की शुरुआत 1931 ई.पू. में परिस्थिति विज्ञानशास्त्रियों के सम्मलेन में इटली के शहर फ्लोरेंस में की गई थी 7 अब तक युनाइटेड नेशंस ने पशु कल्याण पर एक सार्वभौम घोषणा के नियम एवं निर्देश के अनेक अभियानों की शुरुआत की है, पृथ्वी की दृष्टि से, संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा किया कि जानवरों के दर्द और पीड़ा के सन्दर्भ में उन्हें प्राणी के रूप में पहचानने की बात कही गई है, जिससे उनकी जान की रक्षा करना सभी का उत्तरदायित्व होना चाहिए लेकिन विश्व पशु कल्याण दिवस का मूल उद्देश्य पशु कल्याण मानकों में सुधार करना, और असंख्य लोगों को पशुओं के प्रति जागरूक करना द्य खासकर जिन्होंने अब तक पशुओं के जीवन को भी महत्पूर्ण माना है उन विद्वानों के प्रति प्रेम एवं कृतज्ञता प्रकट करना तो है ही साथ ही पशुओं का जीवन सक्षम और बेहतर हो सके। विश्व पशु दिवस का मुख्य उद्देश्य पशुओं के प्रति लोगों के व्यवहार और उनके जीवन पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस दिन का उद्देश्य पशुओं के लिए बेहतर जीवन परिस्थितियों को सुनिश्चित करना है, जिसमें उनके लिए बचाव आश्रय प्रदान करना, धन जुटाना और पशु कल्याण कार्यक्रम शुरू करना शामिल है। इस दिन के माध्यम से पशुओं के प्रति क्रूरता के बारे में भी जागरूकता फैलाई जाती है, जैसे कि उन्हें मारना-पीटना, पत्थर मारना, और गलत कामों के लिए उनका इस्तेमाल करना। इसका उद्देश्य पशुओं के जीवन को बेहतर बनाने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। हालांकि अभी भी पशुओं के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। अभी दुनिया भर में जानवरों के प्रति क्रूरता के विडिओ आते रहते हैं, हम अपने आसपास भी लोगों को देखते रहते हैं तब सवाल उठते हैं कि दुनिया पढ़ लिखकर आगे बढ़ रही है या क्रूर हो रही है।

-दिलीप कुमार पाठक

स्कूलों में बदलता होमवर्क

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये स्कूली छात्रों के होमवर्क में रहा बदलाव स्वागतयोग्य है, जिसमें रटने की बजाय सीखने पर ज्यादा जोर है. इस नीति में छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने तथा गतिविधि आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने की वकालत की गयी है. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) समेत कई राज्य बोर्डों ने शिक्षकों से ऐसे होमवर्क देने को कहा है, जिन्हें करने में बच्चों को खुशी हो और उनमें प्रयोग करने की गुंजाइश हो. ऐसे में, स्कूलों की कोशिश है कि

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी), 2020 के जरिये स्कूली छात्रों के होमवर्क में बदलाव किया गया है, जिसमे रटने की बजाय सीखने पर जोर है. होमवर्क को आसान और दिलचस्प बनाया जा रहा है, ताकि छात्र केवल किताबी कीड़ा बनकर न रह जायें.

छात्रों को होमवर्क में ही व्यस्त न रखा जाये. ज्यादातर स्कूल आज प्रोजेक्ट आधारित काम देने लगे हैं और बच्चों को सामुदायिक जुड़ाव वाली गतिविधियों में शामिल करने लगे हैं. छात्रों के होमवर्क को आसान और दिलचस्प बनाया जा रहा है, ताकि वे केवल किताबी कीड़ा बनकर न रह जायें. जोर इस पर दिया जा रहा है कि छात्र चीजों के बारे में खुद से सोचने, समझने और उन्हें बनाने की कोशिश करें. इससे बच्चों की रचनात्मकता जागती है और उनमें सोचने की क्षमता बढ़ती है. दरअसल, छात्रों को मिल रहे भारी-भरकम होमवर्क से उनकी रचनात्मकता खत्म होने लगी थी और इसे लेकर देशभर में चिंता जतायी जा रही थी. वर्ष 2018 की वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जिसमें उनके तीन से चार घंटे का समय चला जाता है, जबकि सीखने के मोर्चे पर उसका कोई विशेष लाभ नहीं होता. पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने भी शिक्षकों को एक खास तरह का होमवर्क दिया था, जिसमें उन्हें छात्रों के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के अभियान से जोड़ा गया था, ताकि मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल को प्रेरणा मिल सके, यह बच्चों में देशभक्ति की भावना के साथ व्यावहारिक सोच बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा. बदलाव के तहत अब होमवर्क में लंबे पैराग्राफ याद करने या गणित के सवाल हल करने के लिए नहीं दिये जाते. सिर्फ याद की गयी बातें पूछने के बजाय होमवर्क में छात्रों से अवधारणाओं के क्यों और कैसे को समझने की अपेक्षा भी की जाती है. छात्रों की पाठ्यपुस्तकें पढ़ने के बजाय प्रयोग, प्रोजेक्ट और नवाचार की चुनौतियों के माध्यम से सीखने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है. ये नये तरीके आलोचनात्मक सोच, विश्लेषण और जानकारी की व्याख्या जैसी क्षमताओं को बढ़ावा देते हैं, जो रटने की प्रवृत्ति से अक्सर दब जाती रही है।

बोधि वृक्ष

गलती से सीखने वाला

वे लोग बहुत खास होते हैं जो गलती को गलती की तरह नहीं देखते. जब आप कोई नयी गलती करते हैं, अगर वह आपसे अनजाने में हुई है, तो आपको एक ऐसी सीख मिलती है जिसे आप जीवनभर याद रखते हैं. वहीं दूसरी ओर, अगर आप उस गलती को बार-बार दोहराते हैं, तब वह आपके द्वारा किया गया वह कृत्य है, जिसकी कोई माफी नहीं है. जब आप गलती करते हैं, तो वह भविष्य में कहीं न कहीं आपको दयनीय हालात तक पहुंचा देती है. इसलिए जानबूझकर कुछ भी गलत करना आपके लिए सही नहीं है. गलती या भूल वह होती है, जो यह दर्शाती है कि जो सीख आपको मिल सकती थी, आपने उस पर ध्यान नहीं दिया. दोबारा या बार-बार ऐसा करना एक समझदार व्यक्ति के लिए सही नहीं है. अगर कुछ गलत हुआ, तो केवल उस चीज से, उस हालात से सीखिए और आगे बढ़िए, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अपनी गलती को पहचानना एक मुश्किल काम है, परंतु अगर आप ऐसा कर लेते हैं, तो निश्चित रूप से दूसरों की माफी के हकदार हैं. परंतु अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपकी चेतना आपको इसके लिए परेशान कर सकती है. स्वयं को स्पष्ट करने की या अपनी गलती को न्यायसंगत ठहराने की बजाय अगर आप उस गलती पर काम करते हैं, तो यह आपको उस भूल से बाहर निकाल सकता है. जब आप किसी अन्य व्यक्ति की गलती निकालते हैं, तो क्या आप अपने आप को उनसे अलग पाते हैं या आप उस व्यक्ति को अपना ही भाग मानते हैं? क्या आपके शब्द उस व्यक्ति के मानसिक तनाव को और बढ़ा देते हैं या फिर उसकी चेतना को बढ़ाते हैं. कई बार आवश्यक न होने के बावजूद जब आप किसी व्यक्ति की गलती को उजागर करते हैं, तो कहीं न कहीं आप भी एक गलती ही कर रहे होते हैं. एक जागरूक व्यक्ति कभी अपनी एक गलती को बार-बार नहीं दोहराता है. पहली बार में ही उस गलती से सीख लेकर उसे कभी न दोहराने का प्रण ले लेता है. और समझदार व्यक्ति वह है जो दूसरों की गलती से ही सीख लेकर जीवन जीता है।

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मनः प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा। संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार करना मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निरंरेष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर , अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुंजित कर डालते हो। अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामर्थ्य को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंगें उदित होती हैं, वे अवश्य पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली कमजोर रहने से शुक्रवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना मामूली लटक पर रहा। कालीमिर्च, जायफल और जावत्री में मजबूती कायम रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में लेवाली ठंडी रहने से बाजार नरमी के देखे गये। तिलहनों में कमोवेश टिकाव रहा। दलहनों में चना मामूली लटक पर देखा गया। उधर, किराना जिंसों में दिसावरी तेजी से कालीमिर्च बाजार बढ़त पर रहे। जायफल व जावत्री में मुनाफा रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4260, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 235-240, ऊंझा हल्का 245-255, मीडियम 245-255, बेस्ट 265-285, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारीक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरे इलायची शंकर 3250-3300, विरूद्ध नगर 3150-3200, मीडियम 3350-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (320) 910-920, काजू एस. डब्ल्यू 880-890, काजू एस.एस. डब्ल्यू 870-880, जे.एच. 840-860, दुकड़ी 790-870, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3750-3800, (160) 4400-4500, (200) 4900-5000, (250) 5300-5400

तेल- सींगदाना 1310-1320, मुम्बई 1325, राजकोट तेलिया 2080-2100, सोया सार्ल्वेंट 1165-1170, सोया रिफाइंड 1230-1235, कपास्या 1225-1230, धूलिया 1230, कड़ी 1230,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1270, मुम्बई पाम 1265, मुम्बई सोया 1265,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6900-7000, रायडा 6200-6400, सोयाबीन 4350, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ही पुरानी 6500-7000, तिल्ही नई 7200-7500,

दलहन- चना कंटिवाला बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5400-5500, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूँ मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रौसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किन्तु दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 148500, चाँदी (99) 148200, टंच 147400, सिक्का 1500, सोना 10 ग्राम 121200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ ही 88.78 पर बंद हुआ। इससे पहले रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ पांच पैसे टूटकर 88.76 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.68 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 88.76 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है।रुपया बुधवार को 88.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। गांधी जयंती और दशहरा के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार, विदेशी मुद्रा बाजार, सर्राफा बाजार और जिंस बाजार बंद थे।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपको अपने बॉस से रिश्ते को बेहतर करना होगा। आप कहीं घूमने-फिरने जाने की योजना बनाएंगे। जीवनसाथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे और शेयर मार्केट में धन लगाना बेहतर रहेगा। आप किसी साइड इनकम के बारे में भी सोच सकते हैं, जिसके लिए आप कुछ लोगों से भी बातचीत करेंगे। आप अपने खर्चों को लेकर थोड़ी परेशानी में आ सकते हैं, इसलिए उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करें।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपको किसी बात को लेकर परिवार में वरिष्ठ सदस्य से कहासुनी होगी। किसी प्रॉपर्टी को लेकर आप जल्दबाजी न दिखाएं, इससे आपके आपसी रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो सकती है। आप किसी नए घर मकान आदि बनवाने का काम शुरू कर सकते हैं। आपको अपने किसी सहयोगी से कोई जरूरी जानकारी शेयर नहीं करनी है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा और रोजगार को लेकर इधर-उधर भटक रहे लोगों को किसी मनचाही नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आपको अपनी इनकम पर थोड़ा ध्यान देना होगा। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। खर्चों का लेखा-जोखा रखें और आपके रहन-सहन के स्तर में भी सुधार आएगा। आप कहीं बाहर घूमने फिरने की भी प्लानिंग कर सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बिजनेस के मामले में बढ़िया रहने वाला है। पार्टनरशिप अच्छी चलेगी और आपको एक के बाद एक योजना में धन लगाने का मौका मिलेगा, लेकिन आपके परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर थोड़ा एहतियात बरतनी होगी। आप बेवजह की भागदौड़ में लगे रहेंगे, जिससे आपको सिर दर्द, थकान आदि का अनुभव होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सोच समझ कर कामों को करने के लिए रहेगा। उन्नति की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी और आप अपने कामों में कुछ उतार-चढ़ाव को लेकर परेशान रहेंगे। आपके परिवार में कोई सदस्य नाराज हो सकता है। आपको छोटी-छोटी बातों को लेकर क्रोध करने से बचना होगा। आप अपने संतान के मन में चल रही उलझनों को जानने की कोशिश करें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सावधानी में सतर्कता बरतने के लिए रहेगा। आपके मान-सम्मान में तो वृद्धि होगी, लेकिन आपके प्रमोशन की बात कोई रोक सकता है, जिसके लिए आपका अपने किसी मित्र से आपसी लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। आपको अपनी पारिवारिक मामलों को लेकर वरिष्ठ सदस्यों से सलाह मशवरा करने की आवश्यकता है, तभी वह आसानी से घर में ही निपट सकेंगे।

तुला- आज आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे, जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उनके कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से बातचीत थोड़ा सोच समझकर करनी होगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको अपने कार्य क्षेत्र में कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक- आज आपको अपनी आय और व्यय मे भी संतुलन बनाकर चलने के लिए रहेगा। आर्थिक स्थिति को लेकर आप कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। आपको कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी और आप अपने कर्जों को भी उतारने की पूरी कोशिश करेंगे। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करने के लिए सोच रहे थे, तो उसके लिए आप कोई लोन अप्लाई कर सकते हैं, लेकिन आपको अपनी जेब को ध्यान में रखकर ही हाथ बढ़ाना बेहतर रहेगा।

धनु- आज आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। परिवार में किसी पूजा पाठ का आयोजन हो सकता है और सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको अपने भाई व बहनों से किसी काम को लेकर सलाह मशवरा करना पड़ सकता है। राजनीति में आप अपने आसपास रह रहे लोगों से थोड़ी सावधानी बरतें। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको माता-पिता के आशीर्वाद से कोई बिजनेस की डील फाइनल हो सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी सोच समझ से भी सभी काम पूरे होंगे। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा और आपकी शौक मौज की चीजें भी आसानी से पूरी होगी, क्योंकि आपको आपका डूबा हुआ धन मिल सकता है। किसी पैतृक संपत्ति को लेकर आप थोड़ा सावधानी बरतें। किसी नए काम को करने की आपकी इच्छा जागृत हो सकती है। आपको अपने किसी पुराने लेनदेन से छुटकारा मिलेगा।

कुंभ- आज आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रहने से आपका मन परेशान रहेगा। कामों में भी कुछ कठिनाइयां आएंगी। आपका कोई काम बनते बनते बिगड़ सकता है और आपको अपने बॉस से भी डांट खानी पड़ सकती है, इसलिए आप जल्दबाजी में कोई डिसीजन ना लें। संतान को नौकरी के लिए कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा और जीवनसाथी से भी आप काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रहेगा। आप किसी की कहीं सुनी बातों पर भरोसा ना करें और अपने बच्चों को कंट्रोल करके चले, क्योंकि आप किसी के बहकावे में आकर किसी निवेश संबंधी योजना में धन लगा सकते हैं। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

शब्दजाल- 8039

ऐ	म	मा	अ	शो	का	म	न	ह	क	रा				
हा	त	सू	ह	रि	ल	जी	स	ल	क	ज				
चु	वी	रा	द	अं	ष्यु	त	र	म	ल	टी.				
प	र	दा	ज	ल	क	जी	ओ	भु	व	त				
चु	अ	न	ष	ल	म	मी	छ	झ	से	सी	ला			
प	मी	ज	स	जि	ख्या	क	प	कु	गु	श				
के	ह	बु	न	वै	म	मी	टे	छ	हा	ण				
न	पू	सु	पा	बी	पं.	सौ	ल	क	ना	स				
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	हा	न	त				
आ	प	बे	व	फा	दी	र	ह	ना	क	थ				
दो	स्ती	न	प	द	न	इ	ह	है	ह	धी				

शब्दजाल में करीना कपूर की 10 फिल्मों के नाम हुंहिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे से सकते हैं

ऐतराज, अशोका, चुप चुप के, दोस्ती, बेवफा, तलाश, अजनबी, मुझे कुछ कहना है, रीफ्यूजी, ओमकारा.

शब्दजाल - 8038 का हल

अ	ज	र	ली	ए	व्हे	स	प	ला	नी	का				
पु	है	क	ज	ई	छे	ने	ह	डे	म	ल				
ल	ख्या	हे	ल	के	क	हा	इ	रा	प	णि				
ह	रा	ल	ना	ज	ल	स	रा	ज	इ	ही				
को	ई	मे	रे	दि	ल	से	पु	छे	क	कि				
द	जे	कि	र	क	पा	क	म	न	रि	या				
ती	मा	दे	कि	र	ब	ब	व	ज	न	क	ती			
सु	दि	ल	मो	ले	टा	र	जो	जो	वी	दे	व			
भि	ज	ली	ह	हि	द	ह	मा	द	त	र				
त	र	सु	ता	ल	रा	ज	त	र	म					

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6983

ऊपर से नीचे:-

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-१
२. मिथुन, कुणाल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-२
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं सैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'आँखों मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अभित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे रूठे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैसल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता वाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'वे पर्वतों के दायरे से शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, खन्ना की फिल्म-२
१३. विकास भंडा, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. वेकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, आयशा, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इक दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में हो या जिगर' गीत वाली अभित, मौरा की फिल्म-३
२९. गुरुदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'दिन है अंधेर नहीं' गीत वाली शत्रुंघ, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6982

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8507

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज, पंकज, नीरज-3
7. चरित्र, धर्म-5
8. वचन, प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन, कहासुनी-4
17. रुपया, पैसा-2
19. भ्रम, संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष, 29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ, गला-3
4. लाज, लज्जा-3
5. विवाह, ब्याह-2
6. सोना, धतूरा-3
9. टेका, आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा, लाइन-3
14. हत्या, मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर, गृह, निवास-3
22. युद्ध, संग्राम -2

शब्द पहेली -8506 का हल

	भ	क		सा	र	से	भ	ल
का	या		व	ज	ह		त	प
ग	न	र		न	व	द		ल
	क	स	म			प	पा	प
ह		म	न	मो	ह	क		ना
म	स्त		भा		न	म	क	
स		क	ब	ध		र	म	ल
फ	ना		व	र	म		त	ब
र	म	ण		म		शो	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

4 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कन्या में	तुला	06.54 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृश्चिक	09.09 बजे से
मंगल	तुला में	धनु	11.25 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.30 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.16 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.49 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.20 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.00 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.58 बजे से
		कर्क	00.11 बजे से
		सिंह	02.27 बजे से
		कन्या	04.39 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया सुभमुख- शुभम् शुभ, अमृत व लाभ, **सप्तम पर, अमृत उद्वेग,** रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शनिवार 2025 वर्ष का 277 वा दिन
दिशशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 17.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 09.10 बजे को समाप्त।
योग शूल 19.27 बजे को समाप्त।
करण बव 05.57 बजे, बालव 17.10 बजे तदनन्तर कौलव 04.12 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 12.2 पण्डे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 22'
सूर्य दक्षिणायन
वास आतिरन पक्ष शुक्ल
कलि अहर्गण 1872487
जुलियन दिन 2460952.5
कलियुग संवत् 5206
कल्यादेव संवत् 1972949123
सृष्टि प्रारंभ संवत् 1955885123
चीनचिंगिस संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी **तारीख** 11
विशेष प्रदोष व्रत, शनि त्रयोदशी।

प्रसंगत: पद की निष्ठा

सि कंदर का सेनापति अपनी योग्यता और निष्ठा के लिए प्रसिद्ध था। सिकंदर उसके काम करने के तरीके से बहुत प्रसन्न रहता था। मगर एक बार एक छोटी सी गलती पर वह उससे बेहद नाराज हो गया और उसे सेनापति के पद से हटा कर सूबेदार बना दिया। यह सेना का सबसे छोटा ओहदा था। लेकिन सेनापति ने इस पर कोई नाराजगी नहीं दिखाई और उसने इस निर्णय को भी सहजता से स्वीकार किया। सूबेदार के पद पर भी वह पहले की तरह निष्ठा और समर्पण से कार्य करने लगा। कुछ समय बाद उसे किसी काम से सिकंदर के सामने उपस्थित होना पड़ा। सिकंदर ने उससे पूछा, 'तुम सेनापति से सूबेदार हो गए, मगर मैं तुम्हें पहले की तरह ही खुश और उत्साहित देखता हूं। बात क्या है?' सूबेदार ने कहा, 'श्रीमान, मैं तो पहले से और ज्यादा सुखी हूं। पहले तो सैनिक और सेना के छोटे अधिकारी मुझसे डरते थे, किंतु अब वे मुझसे स्नेह करते हैं और हर बात में मुझसे राय लेते हैं। सही मायनों में उनकी सेवा का अवसर तो मुझे अब मिला है।' इसके बाद सिकंदर ने प्रश्न किया, 'लेकिन बड़े पद से हटने पर तुम्हें अपमान नहीं महसूस होता? तुम्हें ऐसा नहीं लगता कि सब तुम पर मन ही मन हंसते होंगे।' यह सुनकर सूबेदार मुस्कराया और बोला, 'श्रीमान बताएं, सम्मान पद में है या मानवता में? उच्च पद पाकर कोई अहंकार में चूर हो जाए और दूसरों को सताए तो वह निंदनीय ही है। सम्मान तो दूसरों की सेवा करने, ईमानदार होने, नम्र व्यवहार करने और कर्तव्यनिष्ठ रहने में है। ऐसा जो करता है वह सुखी और संतुष्ट रहता है। भले ही वह अदना सैनिक हो या सेनापति।' इतना कह सूबेदार ने सिकंदर से विदा ली। सिकंदर सूबेदार के साथ अपने व्यवहार और उसके व्यवहार के बारे में रात भर सोचता रहा। अगले ही दिन उसने सूबेदार को बुलाया, उससे क्षमा मांगी और उसे फिर सेनापति बना दिया।

सूडोकु नवताल- 7292

कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8				6	
				1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7291 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 223.86 अंक बढ़कर 81,207.17 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.95 अंक ऊपर आकर 24,894.25 पर बंद हुआ। बाद शेयरों में तेजी से बाजार में बढ़त रही। वहीं निफ्टी धातु1.82 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक 1.12 फीसदी , निफ्टी एनर्जी 0.56 फीसदी , निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.65 फीसदी), निफ्टी इन्फ्रा 0.55 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर निफ्टी हेल्थकेयर 0.22 फीसदी , निफ्टी ऑटो 0.06 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, बीईएल, भारती एयरटेल, टाइटन, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, एसबीआई, एचसीएल टेक और इन्फोसिस के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फिनसर्व और ट्रेंट के शेयर नुकसान में रहे। आज कारोबार के दौरान ज्यादातर सूचकांकों में तेजी रही। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 473.65 अंक या 0.83 फीसदी की तेजी के साथ 57,503.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 122.30 अंक या 0.69 फीसदी की मजबूती के साथ 17,878.15 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स गिरावट के साथ 80,684.14 अंक पर खुला। यह 102.11 अंक की गिरावट लेकर 80,881.20 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी गिरावट लेकर 24,759.55 पर खुलकर 47.85 अंक की गिरावट के साथ 24,786.65 अंक पर था। वहीं एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.42 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.17 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। इस बीच मुख्य भूमि चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। दूसरी ओर अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स टेक्नीकल सेक्टर में तेजी के चलते रिकॉर्ड हाई पर बंद हुए।

भारत में पैसे वाले ऑनलाइन गेम्स पर प्रतिबंध, नया कानून 2 अक्टूबर से लागू

नई दिल्ली। भारत सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग प्रमोशन एंड रेगुलेशन एक्ट, 2025 को 2 अक्टूबर से देशभर में लागू कर दिया है। इस नए कानून के तहत पैसे वाले ऑनलाइन गेम्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति या कंपनी इस नियम का उल्लंघन करती है, तो उस पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सरकार का कहना है कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन जुए से जुड़े सामाजिक और मानसिक जोखिमों को कम करना है। हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग में भारी नुकसान उठाने के कारण कई युवाओं द्वारा आत्महत्या जैसे कदम उठाने की घटनाएं सामने आई थीं। इसके अलावा, सरकार को मनी लॉन्ड्रिंग और टैरर फंडिंग की गतिविधियों में भी इन प्लेटफॉर्म्स के इस्तेमाल की जानकारी मिली थी। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह फैसला समाज की सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है। उन्होंने कहा कि गेमिंग कंपनियों को पहले ही चेतावनी दी गई थी, लेकिन सुधार नहीं होने के कारण यह कदम उठाना पड़ा। इस कानून के प्रभाव में आने के बाद, ड्रीम11, एमपीएल और विनजो जैसी बड़ी कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म्स से पैसे वाले गेम्स को हटा दिया है। अब वे ई-स्पोर्ट्स, सोशल गेमिंग और स्किल-बेस्ड गेम्स पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

आज से एक दिन में क्लियर होगा चेक..आरबीआई की नई गाइडलाइंस जारी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नई गाइडलाइंस के मुताबिक, 4 अक्टूबर से सभी बैंकों को एक दिन में ही चेक क्लियर करना होगा। आरबीआई की नई गाइडलाइंस से चेक के जरिए भुगतान करना तीव्र और आसान होगा। मौजूदा समय में चेक को क्लियर होने में एक से दो दिन का समय लगता है। एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक सहित कई बैंकों ने 4 अक्टूबर से एक ही दिन में चे

जय श्रीराम के जयघोष के साथ दशानन रावण के पुतले का किया दहन

आर्कषण का केन्द्र रही रामदरबार की भव्य झांकी और आतिशबाजी

पद्मेश न्यूज। लांजी। बुराई पर अच्छाई व असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व गुरूवार 2 अक्टूंबर को नगर के मंडईटेकरी स्थित मां काली मंदिर परिसर के समीप दशहरा मैदान में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रतीक स्वरूप 35 फीट उंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। हिन्दू धर्मग्रन्थ रामायण में यह उल्लेखित है कि दशहरे के दिन ही राम ने रावण का वध कर बुराइयों का अंत किया था, तभी से इस दिन को बुराईयों के प्रतीक के रूप में रावण के पुतले का दहन कर व्यक्ति अपने मन की बुराइयों का भी नाश करता है। कहा जाता है कि रावण दहन करने से रोग, शोक, दोष, ग्रहों की विपरीत स्थिति और संकटों से मुक्ति मिलती है। इस वर्ष यह दशहरा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद लांजी के द्वारा किया गया। संध्या काल में नगर परिषद लांजी के प्रांगण से होकर पुरानी ग्राम पंचायत स्थित हनुमान मंदिर में पूजन अर्चन कर रामदरबार की जीवंत आकर्षक झांकी निकालकर कार्यक्रम स्थल दशहरा मैदान मंडई टेकरी पहुंची। इस वर्ष डीजे-धमाल के साथ झांकी निकालकर बैंड-बाजे के साथ निकाली गई, जिसका कि जगह-जगह लोगो ने स्वागत किया। राम दरबार की झांकी मंडई टेकरी मां काली मंदिर परिसर दशहरा मैदान पहुंची तो वहां जय श्रीराम के जयघोस के साथ भारी आशिबाजी की गई, जिसके उपरान्त सोनपत्ती व रावण की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रसादी का वितरण किया गया। इसके उपरान्त झांकी में बने राम द्वारा 35 फीट उंचे रावण का बाण चलाकर वध किया व पुतले का दहन किया गया। उक्त संपूर्ण आयोजन विधायक राजकुमार करहि, नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर, पार्षद गण श्रीमती विभा तिवारी, श्रीमती कल्पना डोलस, श्रीमती तेजेश्वर गोंदूले, किशोर रामटेकर, विजय गोस्वामी, सौरभ पशीने, मुकेश रणदिवे, कस्तुरा वाकडे, समाज सेवी ताराचंद कालबेले नगर के गणमान्य नागरिकगण, एसडीएम कमलचंद सिंहसार, सीएमओ मयूर वाहने, थाना प्रभारी दीप सिंह परमार, पुलिस बल नगर समाजसेवी सहित आमंत्रित अतिथियों के आतिथ्य में संपन्न हुआ। संपूर्ण व्यवस्था नगर परिषद लांजी के द्वारा एसडीएम लांजी के मार्गदशन एवं दिशा निर्देश के द्वारा की गई। वहीं दशहरा पर्व का आयोजन नगर परिषद लांजी के द्वारा आकर्षक आतिशबाजी के साथ किया गया जिसको दर्शनी में खुब आनंद प्राप्त किया। रावण दहन के पश्चात माँ काली मंदिर में दर्शन प्राप्त कर जन समुदाय अपने गंतव्यों की ओर प्रस्थान किये।

श्रीराम लक्ष्मण सीता एवं उनकी सेना

प्रतिवर्ष विजयादशमी पर श्रीराम दरबार की झांकि तैयार कि जाती है जिनमे नगर के स्कूलो के बच्चो को अनेको किरदारो मे तैयार किया जाता है जो कि विशेष आकर्षण का केन्द्र होते है। इस बार उक्त झांकि नगर के सेन्ट्रल इंडिया अकैडमी स्कूल से श्रीराम के रूप खुशांक नेवारे, श्री लक्ष्मण के रूप में सागर किरमे, माता सीता के रूप में अश्विनी नेवारे, श्री हनुमान के रूप से सागर श्रीवास तथा वानर दल में अभिनय अग्रवाल, सोहेल सातपुते, तीजे आसटकर एवं तुषार राऊत वानर सेना के रूप में नजर आई। सभी रथ में सवार होकर नगर परिषद लांजी से दशहरा मैदान मंण्डई टेकरी पंहुचे जंहा रावण के पुतले का दहन किया गया।

आर्कषण का केन्द्र रही रामदरबार की झांकी, तथा आतिशबाजी

विजयादशमी पर्व पर इस वर्ष विजयादशमी चल समारोह का आयोजन नगर परिषद लांजी के सहयोग से किया गया जो पुरानी ग्राम पंचायत से रामदरबार की झांकी निकाली गई जिसे देखने लोग उत्साहित रहे। यहां बच्चों को सजाकर श्रीराम, लक्ष्मण माता सीता एवं हनुमान की झांकी तैयार की गई थी। बैंड-बाजे के साथ झांकी पुराना गुजरी चौक से मंडईटेकरी दशहरा मैदान तक पहुंची। यहां झांकी में बनाये गये भगवान राम, सीता, लक्ष्मण सीता एवं हनुमान द्वारा रावण के पुतले का दहन किया गया तो उपस्थित लोगो द्वारा जय श्रीराम के जयघोष के साथ इनका उत्साहवर्धन किया गया। वहीं रावण दहन के पूर्व उक्त समितियो के द्वारा विशेष रूप से आतिशबाजी का प्रबंध किया गया जो कि आकर्षण का केन्द्र रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार करहि नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष, सभापति, पार्षद गण, गणमान्य नागरिक गण उपस्थित रहे।

विजयादशमी पर्व पर पुलिस थाना लांजी में हुआ शस्त्र पूजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयादशमी पर्व पर पुलिस थाना लांजी में अस्त्रों शस्त्रों एवं वाहनों की पुजा अर्चना की गई। आयोजित शस्त्र अस्त्र पूजन कार्यक्रम विधायक राजकुमार करहि एवं थाना प्रभारी दीपसिंह परमार की उपस्थिती में किया गया। माना जाता है किसी भी युद्ध मे बगैर हथियारों के विजयी प्राप्त करना मुश्किल होता है इसी कारण वर्षो से देव, राक्षस, एवं पूर्व कालो मे होने वाले युद्धों मे हथियारों का प्रयोग किया जाता था। माँ जगदंबा भवानी हो या

श्रीराम इन्होने अपने प्रयोग मे लेने वाले हथियारों से ही राक्षसों का वध कर संसार को विनाश से बचाया है। हथियार एक ऐसा माध्यम है जिससे जंग के मैदान में अपनी आत्म रक्षा के लिये काम मे लाया जाता है जिससे हम आगे बुरे कार्य करने वाले राक्षसों का वध कर सके। इसी कारण शस्त्रों का एक विशेष का योगदान, महत्व है। असत्य पर सत्य कि जीत के लिये भी इन शस्त्रों का उपयोग कर बुराई का नाश किया जाता है। आज के युग मे पुलिस विभाग एक ऐसा विभाग है जो कि शस्त्रों के प्रयोग मे निरंतर रहते हैं जिसके चलते पुलिस विभाग द्वारा विजया दशमी के दिन इन हथियारों कि साफ सफाई कर विधी विधान से पुजा अर्चना कि जाती है। साथ ही पुलिस वाहनों की भी विधी पूर्वक पुजा अर्चना की गई। पुलिस थाना लांजी मे पंडित घनश्याम कृष्ण महाराज के द्वारा शस्त्रों एवं वाहनों की पूजा अर्चना कराई गई। इस पूजा में सम्मिलित विधायक राजकुमार करहि, थाना प्रभारी दीप सिंह परमार के द्वारा विधि विधान से शस्त्रों एवं वाहनों की पूजा अर्चना की गई। साथ ही विधायक राजकुमार करहि के द्वारा सभी को विजयादशमी पर्व की शुभकामनाऐं प्रेषित की गई। इस दौरान पुलिस थाना लांजी से एसआई सुन्दरलाल पंवार, एएसआई महेश बिसेन,तोपसिंह उइके, महेश तुरकने, परमानंद भगत, प्रधान आरक्षक महेश ठाकरे,धनलाल लिल्हारे, आशुतोष सिंह राजपूत, चेतन सोनी, सुजीत पाल, दिलीप यादव, महेन्द्र कुशवाह, रूपसिंह रावत, चंचलेश यादव, प्रीति प्रजापति, पवन धाकड़, किशोर बिसेन, रूपेन्द्र ठाकरे, राजेश जंघेला सहित सैनिक बल, स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री जयंती पर्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में 02 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे एवं समस्त अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती पूजन कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र- छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा अंतर्गत विद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले छात्र- छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं समस्त शिक्षक - शिक्षिकाओ द्वारा विद्यालय परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्राचार्य गुरदे द्वारा गांधी जी एवं शास्त्री जी के जीवन वृत्त से छात्र-छात्राओं को परिचित कराया गया एवं उनके जीवन आदर्शो को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम के आमंत्रित अतिथियों एवं विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक -शिक्षिकाओ एवं सह शैक्षिक स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिती रही। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के शिक्षक गोपालकृष्ण तुरकर द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन संस्था के वरिष्ठ शिक्षक रमेश कुमार पिछोरे द्वारा किया गया।

कांग्रेसियों ने मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती अवसर पर कांग्रेसजनों द्वारा स्थानीय एफ एण्ड डी होटल के सभागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दोनों महान विभूतियों को उनकी जन्म जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ गांधी जी और शास्त्री जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय अवसरे (उपाध्यक्ष जनपद पंचायत लांजी), लिलाधर डोलस पूर्व पार्षद , ओमकार बाबा हरांगडाले (अध्यक्ष कांग्रेस लांजी), योगेन्द्र मिश्रा, शरद आसटकर, सौरभ मोनू पशीने पार्षद , मुकेश रणदिवे, रेवाजी करहाटकरे, सिध्दीक अंसारी, अशोक पालीवाल, चन्दु किरनापुरे, अमन श्रीवास्तव, कोमल काडे, रविन्द्र धारणे, लिखेन्द्र उपराडे, पुनम आसटकर, अफसाना सिध्दीक अंसारी, नरेंद्र मोतीचुर, शिवम नखाते, विजय सीताराम रामटेककर ,अनमोल तिडके युवा कांग्रेस, मनीष जुझार , अजय पुरी गोस्वामी, रविन्द्र रामटेककर, महेश चौधरी, लक्ष्मी कांत चौहान, हिरेलाल, मोहरसिंह,सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने गांधी जी के सत्य, अहिंसा और सादगीपूर्ण जीवन तथा शास्त्री जी के ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जय जवान-जय किसान के आदर्शों को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताया। जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने कहां कि गांधी और शास्त्री जी के विचार भारतीय समाज की आत्मा हैं, जिनका पालन करना हम सबकी जिम्मेदारी है। कांग्रेस नेता लिलाधर डोलस ने युवाओं से आह्वान किया कि वे इन महापुरुषों के त्याग और संघर्ष से प्रेरणा लें। रेवाजी करहाटकरे ने कहां कि गांधी जी का सत्याग्रह आज भी अन्याय के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है। कांग्रेस अध्यक्ष ओमकार बाबा रहांगडाले ने दोनों महान नेताओं के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके जीवन आदर्शों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का संचालन सौरभ मोनू पशीने ने किया, उन्होंने संबोधन में कहा की आजादी की लड़ाई में महात्मा गांधी ने जिस मार्ग पर चलकर अहिंसा के माध्यम से आंदोलन किया, लाल बहादुर शास्त्री ने प्रधानमंत्री होते हुए भी जिस सादगी के साथ अपना जीवन जिया वो हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत्र है , उन्होंने कहां की देश निर्माण और विकास में कांग्रेस पार्टी की अहम भूमिका रही है। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर राष्ट्रहित और समाज सेवा के संकल्प के साथ जयंती कार्यक्रम का समापन किया।

बोलेगांव में 35 फुट ऊंचे रावण का दहन कर मनाया दशहरा पर्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बोलेगांव में विजयादशमी पर्व बडे ही धाम धुम से हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। विगत कई वर्षो से परंपरानुसार 35 फुट उंचे रावण रूपी पुतले का निर्माण किया जाता है। संपूर्ण आयोजन बोलेगांव दुर्गा चौक मां दुर्गा मंदिर प्रांगण के समीप किया जाता है। इसी परंपरा को कायम रखते हुये 2 अक्टूबर को शाम करीब 7 बजे मंदिर समिति के सभी सदस्य ग्राम के गणमान्य जनो के द्वारा श्रीराम दरबार झंकि तैयार की जाती है जो कि ग्राम का भ्रमण कर दक्त दशहरा मैदान पंहुचती है। यहां पर ग्राम बोलेगांव सहित आस पास के ग्रामीण जन भी उक्त समारोह को देखने के लिये पंहुचते है भारी संख्या तादाद में समारोह का आयोजन किया जाता है। श्री राम, लक्ष्मण सीता, हनुमान सहित वानर सेना रूपी दल के द्वारा मंदिर परिसर में मातारानी सहित सभी विराजित देवी देवताओं की पूजा अर्चना की जाती है तत्पश्चात रावण के पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का यह पर्व मनाया जाता है। सभी को दशहरा पर्व की शुभकामनाऐं प्रेषित कर महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व विधायक रमेश भटेरे ग्राम के सामाजिक एवं गणमान्य गण अशोक बापुरे, प्रभु तिडके, अनिल भरतद्वाज, उमा निर्मलकर, राजू भटेरे, राजू सांवरिया, द्वारका बापुरे, मुकेश निर्मलकर, कमल एकोने, कृष्णा एकोने, नेतलाल सावरिया, राजु बापुरे, व्यंकट बापुरे, नेतराम मंसुरे, आकाश कस्तुरे सहित समिति के सभी सदस्य, ग्रामिण जन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

खुशबू महिला मंडल ने मनाई गांधी जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। मेरा युवा भारत बालाघाट (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) के तत्वावधान में एवं सी आर जंघेला लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक माय भारत बालाघाट के निर्देशन में खुशबू महिला मंडल लांजी द्वारा 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई गई। उक्त कार्यक्रम टी एल कटरे (सेनि नेत्र रोग) व राजेश अस्तने शिक्षक के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों द्वारा पूजन किया गया। सुरेंद्र बड़घैया के द्वारा नशा मुक्ति व गांधी जी पर अपने विचार व्यक्त किए। राजेश अस्तने शिक्षक द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। अंत में सभी को मिष्ठान वितरित किया गया। इस दौरान खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा, दुर्गा रामटेककर, सरस्वती बड़घैया, दुर्गा बड़घैया, कृष्णकली बड़घैया, पुष्पा विश्वकर्मा, रेखा रामटेककर, ममता अस्तने, पूनम आसटकर पार्षद, शांति बड़घैया, राजेश्वरी सातपुते, दिशा भारद्वाज, अलका बुढ़ावने, सुनंदा करसायल, महेंद्र बड़घैया, गणपत बिलगैर, भी. सोमनकर, महेंद्र मेश्राम, नरेन्द्र बड़घैया, मुनाम बड़घैया आदि प्रमुख रूप

वन्यजीव संरक्षण सप्ताह अंतर्गत 7 अक्टूबर को मैराथन दौड़

पद्मेश न्यूज। लांजी। वन विभाग दक्षिण (सामान्य) वनमण्डल बालाघाट के अंतर्गत वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी (सामान्य) द्वारा 1 अक्टूबर 07 अक्टूबर 2025 वन्यजीव संरक्षण सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 7 अक्टूबर को सुबह 6.30 बजे मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है। उक्त मैराथन दौड़ रानी अवंतीबाई स्टेडियम लांजी से प्रारंभ होकर कटंग नाला (सालेटेकरी रोड़) से वापस रानी अवंतीबाई स्टेडियम लांजी पहुंचकर समाप्त होगी। यह कुल 5 किमी की दौड़ होगी, जिसमें प्रथम पुरस्कार 3000/- रूपए, द्वितीय पुरस्कार 2000/- रूपए एवं तृतीय पुरस्कार 1000/- रूपए प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता में पुरूष एवं महिला दोनों वर्ग के लिये अलग अलग पुरस्कार रखा गया है इच्छुक प्रतिभागी अपना नाम लिखाकर रजिस्ट्रेशन करा लें । वन विभाग वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी (सामान्य) ने क्षेत्र के समस्त खिलाड़ी (युवक एवं युवती) को इस मैराथन दौड़ में भाग लेने की अपील की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लांजी नगर ने किया शस्त्र पूजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लांजी नगर के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 2 अक्टूबर विजयादशमी के पावन अवसर पर (संघ की स्थापना दिवस) लांजी नगर के सुभाष चौक में सभी स्वयं सेवको की उपस्थिति में शस्त्र पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विजय रामटेककर खंड संघ

चालक एवं मुख्य वक्ता के रूप में योगेन्द्र दहीकर खंड कार्यवाह, तथा खंड में निवास करने वाले जिले के दायित्वान कार्यकर्ता संतोष मोरघड़े जिला सह प्रचार प्रमुख, रमेश आसटकर जिला सह पर्यावरण प्रमुख तथा नगर कार्यवाह मनोज किरनापुरे व नगर कार्यकारिणी के पदाधिकारी व स्वयं सेवक उपस्थित थे। सर्वप्रथम शाखा लगाकर ध्वज पूजन किया गया, तत्पश्चात सभी स्वयं सेवको द्वारा बारी बारी से भारत माता एवं शस्त्र का पूजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता द्वारा संघ स्थापना सन् 1925 से 2025 के बीच इन सौ वर्षों की संघ साधना का उल्लेख अपने उद्बोधन में किया। एवं अंत में सभी स्वयं सेवको से पंच परिवर्तन की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया एवं सभी स्वयं सेवको को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अंत में भारत माता की आरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

बैनगंगा नदी में डूबने से एक 8 वर्षीय बालक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की सीमा से लगे महाराष्ट्र राज्य से होकर गुजरने वाली बैनगंगा नदी में खैरलांजी थाना क्षेत्र के एक बालक की डूबने से मौत हो गई। मृत बालक दैविक पिता धनराज लिल्हारे 8 वर्ष ग्राम खैरी खैरलांजी निवासी है। महाराष्ट्र राज्य की दोनीवाड़ा पुलिस ने इस बालक का शव बरामद कर लिया है। ज्ञात होकी बैनगंगा नदी मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले और महाराष्ट्र की सीमा से होकर गुजरती है। खैरलांजी थाने के ग्राम खैरी बैनगंगा नदी से लगा हुआ है। बताया गया है कि 3 अक्टूबर को बालक दैविक अपने एक अन्य साथी के साथ खैरी से बैनगंगा नदी पुल पार करते हुए महाराष्ट्र राज्य की सीमा में बैनगंगा नदी में नहाने के लिए गए थे। बताया गया कि जब दोनों बालक नदी में नहा रहे थे। तभी बालक दैविक नहाते नहाते नदी के गहरे पानी और तेज बहाव में चला गया। किंतु उसका साथी बाहर निकल गया था इस बालक ने दैविक के नदी में बहने की खबर उसके घर मे दी। सूचना मिलते ही जहा दैविक के परिवार के लोग बैनगंगा नदी पहुंचे वहीं महाराष्ट्र राज्य की दोनेवाड़ा पुलिस भी बैनगंगा नदी में पहुंच गई। बालक बालक दैविक की तलाश शुरू की गई। शाम को इस बालक का शव बैनगंगा नदी के सावर्या घाट से बरामद कर लिया गया है।

विशेष संवाददाता। पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कांग्रेसी नेताओं के मुंह से बेहिसाब जिंदाबाद मुर्दाबाद के नारे सुनाई देना यहाँ की सड़कों पर अब खत्म हो चुका है। कांग्रेसी नेता आंदोलन करने की अपनी तासीर भूल चुके हैं. ब्रिटिश दासता के दिनों में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के लिए उपजी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस बालाघाट में नियंत्रण विहीन हो गयी है। आज इस पार्टी में जुझारू, जिम्मेदार, निष्ठावान और समर्पित नेताओं का जबरदस्त टोटा है. मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने में पिछले दो दशक से बालाघाट में कांग्रेस नाकामयाब है। यही वजह है कि पार्टी का आम कार्यकर्त्ता हमेशा टूटा हुआ नजर आता है। पहले जैसा जोश- खरोश नजर नहीं आता है। यह तो मतदाताओं का कांग्रेस के प्रति लगाव से पार्टी को हर एक चुनाव में सीटें मिल जाती रही हैं। अलबत्ता बालाघाट जिले की छह में से छह विधानसभा सीटों में नेतृत्व का यही हाल है।

अहम के टकराव से बेकाबू हुआ बालाघाट में कांग्रेस संगठन

चार विधायकों के बावजूद विपक्ष की प्रभावी भूमिका निभाने में हर मोर्चे पर नाकामयाब हुई पार्टी

मध्यप्रदेश की राजनीति में कभी बालाघाट जिले के कद्दावर नेताओं की तूती बोलती थी. दिग्गी राजा के मुख्यमंत्रित्व काल में मध्यप्रदेश की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले एनपी श्रीवास्तव का इकबाल कितना बुलंद हुआ करता रहा होगा जबकि खुद मुख्यमंत्री सार्वजनिक तौर पर उनके पैर छूते देखे जाते थे. लेकिन अब लगता है कि वह दौर कब का चला गया!

जमीनी आंदोलनों से दूरी

बालाघाट जिले की राजनीति के जानकार मानते हैं कि जिस आंदोलनों के लिए जानी जाने वाली यह पार्टी जब आंदोलन करती थी तो आने वाली पीढ़ी की नयी फसल भी तैयार करती थी। किन्तु आजकल देखा जा रहा है कि उर्वर और बेहद सम्भावनाओं से भरपूर बालाघाट जिले की कांग्रेसी राजनीति में जमीनी आंदोलनों को धार देने वाले चेहरों की कमी हो गयी है। जबकि पहले के दौर में कांग्रेस के भीतर कई आंदोलनों को ताकत देने वाले बेहतर चेहरे रहे हैं जो जन सामान्य के मुद्दों पर मुखर हुआ करते थे।

हर कोई कद्दावर नेता हुआ!

ताजा दौर का निष्कर्ष यह हैं कि यहाँ अब हर कोई नेता खुद को किसी भी मामले में उन्नीस नहीं समझ रहा है. कनिष्ठ और वरिष्ठ के बीच की महीन सी लकीर मिट चुकी है. राजनीतिक तौर पर खुद को जमीनी राजनीति के लिए तैयार करने के बजाय क्षेत्रीय नेता भी अब खुद को जिला स्तरीय नेतृत्व सरीखा अभिव्यक्त करता है. यही वजह है कि भाजपा के मुकाबले कांग्रेस में भेड़चाल जरा ज्यादा है।

जन सरोकार वाले मुद्दों से दूरी

राजनीतिक इतिहास बताता है कि हमेशा कांग्रेस विरोध का स्वर बुलंद करती रही है. इसकी स्थापना ही जन सामान्य की लड़ाई लड़ने और सत्ता को सीधे सीधे चुनौती देने तथा दबाव की राजनीति को ताकतवर बनाने की रही है. लेकिन फिलवक्त देखा जा रहा है कि बालाघाट जिले की कांग्रेसी राजनीति के कर्ता धर्ताओं को इसकी कोई जरूरत महसूस नहीं होती कि वे अपनी सारी ऊर्जा पार्टी की रणनीति के तहत जनसरोकार के मुद्दों के लिए सड़क से सदन तक मुखर होने में लगाएं किन्तु यहाँ हो उल्टा रहा है, मुखरता वाली राजनीति कांग्रेस के शब्दकोष से लगभग तौर पर गायब है।

बैहर, परसवाड़ा और लाँजी का राजनीतिक पक्ष बेहद सामान्य नजर आता है. जबकि यहाँ पर मुद्दों की कमी नहीं है. आदिवासी बहुल इन इलाकों में प्रशासनिक लापरवाही और उपेक्षा पर कभी भी कांग्रेस के इन समकालीन पुरोधाओं ने सोचने की रंच मात्र भी हिमाकत नहीं की है. यह कभी देखने में नहीं आया कि पिछड़ेपन की त्रासदी झेलते इन इलाकों के लोगों के लिए कांग्रेस के इन नेताओं ने कभी दमदार हस्तक्षेप किया हो।

महज कागजी खानापूर्ति और पार्टी द्वारा दिए गए कार्यक्रमों को जस का तस निपटा देने की मनोवृत्ति ने भाजपा के मुकाबले कांग्रेस को राजनीतिक तौर पर ज्यादा कमजोर बना दिया है।

यह भी देखा जाता रहा है कि सत्ता में लगातार रहने के बावजूद जब कभी भाजपा के स्थानीय नेताओं को पार्टी द्वारा किसी आंदोलन, प्रदर्शन करने की जवाबदेही सौंपी जाती है तो वही सत्तासीन भाजपा के नेता पसीना बहाकर दिन रात एक करते देखे जा सकते हैं। यह प्रदर्शन की जुझारू संस्कृति इन दिनों बालाघाट के कांग्रेसी नेताओं के आस पास से गायब है। ऐसे में यह सवाल भी है कि आखिर कब इनकी नींद खुलेगी।

बालाघाट जिले में कांग्रेस में इन दिनों 4 विधायक हैं जिनमे जिलाध्यक्ष संजय उइके (बैहर), मधु भगत (परसवाड़ा), श्रीमती अनुभा मुंजारे (बालाघाट)और विक्की पटेल (वारासिवनी) हैं। इनके अलावा पार्टी की वरिष्ठ नेताओं की पंक्ति में पहुँच चुकी लाँजी किरनापुर की पूर्व विधायक और पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हिना कावरे के अलावा पूर्व सांसद बोधसिंह भगत सरीखे ऊर्जावान और जनसामान्य के बीच चिर परिचित चेहरों का भी यह पार्टी इन दिनों लाभ लेते नहीं दिख रही है।

उधर कुछ नए एवं पुराने नेताओं की भी प्रतिक्रियाहीन उपस्थिति इस पार्टी के कार्यकर्ताओं और वोट करने ली जनता के लिए चिंतनीय है. इनमे भीम फूलसुंगे, अनुपसिंह बैस, उम्मेद लिल्हारे, रहीम खान, महेश सहारे आदि चेहरे तो हैं किन्तु संगठन में इनकी गैरमौजूदगी भी चर्चा का विषय बनती रही है।

कुल मिलाकर बालाघाट जिले की कांग्रेसी राजनीति में संगठन में हर दूसरे नेता के बीच अहम के टकराव की वजह से कांग्रेसी राजनीति के दिन फिरने के आसार बेहद कम है. संगठन के लिए जरूरी एकता और समर्पण की कमी ने बालाघाट जिले की राजनीति में कांग्रेस का बेड़ा गर्क करना शुरू कर दिया है।

अब नए दौर की राजनीति के खांचे में बालाघाट जिले के कांग्रेसी नेताओं की उपस्थिति अस्तित्वहीन नजर आती है. कांग्रेस के नीति नियंता ही इस टकराव और अकर्मण्यता का उपचार कर सकते हैं।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन करने के दौरान बहने से मौत

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाली बंजर नदी में दुर्गा विसर्जन के दौरान एक व्यक्ति की दुर्गा प्रतिमा के साथ ही बंजर नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतक नत्थूसिंह पिता जोहर सिंह पन्द्रे 40 वर्ष ग्राम हर्राभाट थाना बैहर निवासी है।बैहर पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नत्थूसिंह खेती मजदूरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी रवनी बाई, एक लड़का, एक लड़की है। 1 अक्टूबर को दोपहर में नत्थूसिंह अपने गांव में दुर्गा देखने जाता हूं कहकर घर से निकला था। किंतु वह घर वापस नहीं आया। पत्नी रवनी बाई ने उसकी गांव मोहल्ले में खोजबीन की किंतु वह नहीं मिला जिसके बाद रवनी बाई ने दुर्गा प्रतिमा विसर्जन करने वालों से पूछी तब उन्होंने बताया कि दुर्गा विसर्जन करने बंजर नदी गए थे। नत्थूसिंह दुर्गा विसर्जन करते समय दुर्गा प्रतिमा के साथ नदी में उतरा था। नदी में पानी का तेज बहाव होने का कारण वह बाहर नहीं निकला। जिसकी तलाश नदी में किये। 3 अक्टूबर को 12:00 बजे करीब बंजर नदी के गांजाघाट में नत्थूसिंह की लाश देखी गई। जिसकी रिपोर्ट रवनी बाई ने बैहर थाना में की थी।बैहर पुलिस ने बंजर नदी के गांजा घाट पहुंचकर मृतक नत्थूसिंह की लाश बरामद की और पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। आगे धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

मिश्रा परिवार को रावण दहन कार्यक्रम देखने जाना पड़ा महंगा

सूने मकान का ताला टूटा- नगद 50000 चांदी के 30 सिक्के और एलईडी टीवी चोरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना अंतर्गत ग्राम पौनी के मिश्रा परिवार को रावण दहन कार्यक्रम देखने मलाजखंड टाउनशिप आना उस समय महंगा पड़ गया। जब चोरों ने उनके सूने मकान पर धावा बोलते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दे दिए। चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर नगद 50 हजार रुपये, चांदी के 30 सिक्के और एलईडी टीवी और अन्य दस्तावेज चोरी कर लिए। मलाजखंड पुलिस ने ललित पिता कमलप्रसाद मिश्रा 66 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पौनी निवासी ललित मिश्रा सेवानिवृत्त प्राचार्य है। जिनका एक बेटा अविनाश मिश्रा अपने परिवार के साथ नागपुर में रहते हैं। ग्राम पौनी में ललित मिश्रा अपनी पत्नी श्रीमती माला मिश्रा के साथ में रहते हैं। 2 अक्टूबर की शाम 7:00 बजे ललित मिश्रा अपनी पत्नी श्रीमती माला मिश्रा तथा किराएदार कुमारी मोनिका सिलावट के साथ अपने घर में ताला लगा करके रावण दहन देखने मलाजखंड टाउनशिप चले गए थे। रावण दहन कार्यक्रम देखने के बाद रात्रि 9:30 बजे ललित मिश्रा अपने घर पहुंचे देखे घर के मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ था। दूसरे दरवाजे का भी ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर जाकर देखे तो घर के अंदर सामान दिखे पड़े हुए थे। घर के अंदर रखी तीन अलमारी के ताले तथा लाकर टूटे हुए थे। एक अलमारी के लाकर में रखा। स्टील के दो डोगे में करीब 50 हजार रुपये नही हुए थे। अलमारी के लाकर में ही रखें 30 नग चांदी के सिक्के नहीं थे। दीवार में लगी 43 इंच एलइडी टीवी के अलावा अलमारी में रखे कागजात ,गाड़ियों की आरसी बुक, पत्नी और बेटे का आधार कार्ड पैन कार्ड वोटर आईडी नहीं थे। अज्ञात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर घर में रखें उक्त सामान रुपए की चोरी कर लिए। मलाजखंड पुलिस ने ललित मिश्रा द्वारा की गई रिपोर्ट पर रात में घर का ताला तोड़कर चोरी करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 331(4) 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

JOB VACANCY
आवश्यकता है
PADMESH X FIBERNET में
Connecting the Unconnected.
TECHNICAL ENGINEER
हम देंगे...
सम्मानजनक मानदेय पेट्रोल खर्च अतिरिक्त
तेजी से विकास का मौका नौकरी की सुरक्षा
पता- पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट 9752771444

खेत में मैसी दिल में टैफे
MASSEY FERGUSON
दिवाली महाबचत, महा-ऑफ़र
TAFE 65 YEARS
वैभव मोटर्स की दसवीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में
मैसी ट्रैक्टर की खरीद पर पाएं एक LED टीवी फ्री, साथ ही
GST की छूट – Rs. 15000/ Rs. 76000/ तक
ऑफर अवधि : 1st अक्टूबर से 30th नवम्बर 2025
MF 254 डायनाट्रेक- 4WD
50HP श्रेणी (36.76kW)
8,29,000/-*
Samsung LED TV 32" Special Offer
इससे बढ़कर टेक्नोलॉजी नहीं
नियम एवं शर्तें : यह स्कीम एवं ऑफर बालाघाट मैसी डीलर की तरफ से सिर्फ बालाघाट जिले के किसान भाइयों के लिए है। RTO, बीमा, एक्सेसरीज एवं बैंक खर्चे दिखाई गयी कीमत में शामिल नहीं है। एक्सचेंज शामिल नहीं।
में. वैभव मोटर्स
पता: वार्ड न 32,नर्मदा नगर, बजाज शोरूम के पास,बालाघाट - (म.प्र.)
मोबाइल - 8370018104, 6267437758
कार्यालय वाकी सब सिर्फ तुंबर्ट हैं यह मैसी है
Product of Superior Technology from TAFE
masseyfergusonindia.com
टोल फ्री: 1800 4 200 200

BAJAJ
pulsar
सबसे बड़ी बाईक सबसे जबरदस्त ऑफर
125 cc ₹78246/-*
100 cc के दाम पर पल्सर के मजे...
एक्स शो-रूम प्राईज
पहले 84477/-* अब 78246/-*
भारत सरकार को धन्यवाद!
GST बचत ₹15500/-* तक
ऐतिहासिक जी.एस.टी. संसोधन का जश्न
हेट्रीक बचत
₹15500/-
दुनिया देखती है तु दिखा
pulsar DEFINITELY DARING
साँई बजाज
मोती तालाब रोड, नर्मदा नगर, बालाघाट (म.प्र.)
फोन - 07632-356198
मोबा.- 9425138685, 6263158471

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - 9425113709 रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /2009/32391, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट

क्षेत्र में अलग-अलग घटनाओं में चार की मौत

नाबालिग तालाब में, कोटवार कुएं में डूबा, 2 बच्चों के पिता ने लगाई फांसी

पद्मेश न्यूज़ कटंगी। 02 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे से लेकर 03 अक्टूबर की सुबह 10 बजे के बीच क्षेत्र में चार अलग-अलग हादसों में 4 लोगों की मौत हो गई. इन घटनाओं में आत्महत्या से लेकर तालाब और कुएं के पानी में डूबने और घर के बाहर गिरने से मौत होने की घटनाएं शामिल हैं. 02 अक्टूबर को मायॅल नगरी तिरोड़ी के खांदीटोला के जामुनटोला में 27 वर्षीय दो बच्चों के पिता संजय पिता भोलाराम भलावी ने कथित तौर पर अपने ही घर पर फांसी के फंदे में लटक कर आत्महत्या कर ली. घटना दोपहर 12 बजे से 04 बजे के बीच की है. बताया जा रहा है कि घटना के वक्त घर पर कोई नहीं था. मृतक संजय की धर्मपत्नी पालतू मवेशी बकरी चराने के लिए गई हुई थी जबकि दोनों बच्चे मृतक के भाई के घर पर खेल रहे थे. शाम करीब 04 बजे जब संजय की पत्नी बकरी लेकर घर पहुंची तो पति की लाश को फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा. जिसकी सूचना सबसे पहले मृतक के भाई को दी. शाम करीब साढ़े 05 बजे पुलिस ने जामुनटोला पहुंचकर फांसी के फंदे से शव को नीचे उतारा और पंचनामा कार्रवाई कर शव को पीएम के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी पहुंचाया लेकिन रात होने की वजह से शुक्रवार को शव का पीएम किया गया।

तिरोड़ी के ही वार्ड क्रमांक 09 में 02 अक्टूबर की देर शाम करीब साढ़े 08 बजे के आस-पास घर के सामने आंगन में गिरने से सिर पर गहरी चोट लगने के कारण मार्यल कर्मचारी सोहनलाल पिता सुकालु मसैया उम्र 58 वर्ष की मौत हो गई. पुलिस के अनुसार सोहनलाल शराब पीने के आदि थे. 02 अक्टूबर की शाम घर के सामने सीमेंट की सड़क पर गिर गए, जिससे सिर के पिछले हिस्से में गहरी चोट लगी अधिक रक्तस्राव होने की वजह से सोहनलाल की मौत हो गई. इनका भी शुक्रवार को ही पीएम किया गया. तीसरी घटना तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम पौनियां की सीमा में स्थित एक तालाब की है. जहां पर करीब 14 वर्षीय बालक की तालाब के गहरे पानी में डूबने से मौत हुई है. मिली जानकारी अनुसार पौनियां निवासी फूलचंद बर्वे का पुत्र अमन बर्वे शुक्रवार की सुबह करीब 09 बजे पौनियां-धनकोषा मार्ग बकरी चराने के लिए गया था. यहां पर एक तालाब में नहाने के लिए गया जहां गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई. अमन बर्वे तिरोड़ी के स्कूल में कक्षा नवमी का छात्र था और शुक्रवार को स्कूल की छुट्टी होने की वजह से घर की बकरी चराने के लिए गया हुआ था. सुबह करीब साढ़े 10 अमन के तालाब के पानी में डूबने की सूचना ग्रामीणों को मिली. ऐसे में तालाब के पास ग्रामीणों का हुजूम लग गया. घटना की सूचना मिलने पर सरपंच प्रतिनिधि लक्ष्मण भलावी घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस की मौजूदगी में स्थानीय मछुआरे श्याम कुमार रैकवार, जीवन रैकवार, रमेश रैकवार, नरेश रैकवार सहित अन्य ने जाल की मदद से अमन के शव को तालाब के भीतर तलाश की. करीब 02 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अमन का शव जाल में फंसा. पुलिस ने घटनास्थल पर ही पंचनामा कार्रवाई पूरी कर मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए लाया. मगर, अस्पताल में चिकित्सकों की कमी के कारण समय पर पीएम नहीं हो पाया परिजन और नाते-रिश्तेदार करीब 03 घंटे तक परेशान हुए. शाम करीब 04 बजे पीएम शुरू हुआ।

चौथी घटना कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम घुनाड़ी की है. कथित तौर पर शराब के नशे में कुएं की पार पर बैठे ग्राम कोटवार की कुएं में गिरने से पानी में डूबने की वजह से मौत हो गई. घटना 02 अक्टूबर की शाम करीब साढ़े 05 बजे के आस-पास की है. जैसा कि बताया जा रहा है ग्राम कोटवार 58 वर्षीय राजकुमार वासनिक अपने घर वार्ड क्रमांक 03 की सरकारी कुएं की पार पर बैठे हुए थे. जिनका अचानक से संतुलन बिगड़ने या फिर चक्कर आने की वजह से वह कुएं में गिर गए. जहां पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई. सरपंच कपूरचंद पटले ने बताया कि घटना के वक्त घटनास्थल पर महिलाएं मौजूद थी उन्होंने राजकुमार वासनिक की जान बचाने के लिए लोगों को आवाज भी लगाई लेकिन कोई भी व्यक्ति कुएं में उतरने की हिम्मत नहीं जुटा पाया. जिससे राजकुमार वासनिक की मौत हो गई. सरपंच के मुताबिक इन दिनों कुएं में जहरीली गैस बन जाती है इसलिए कोई भी कुएं में उतरने की रिस्क नहीं लेता. पुलिस की मौजूदगी में शुक्रवार की सुबह शव को कुएं से बाहर निकाला गया और दोपहर में पीएम कर डेड बॉडी परिजनों को सौंप दी गई।

गायखुरी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 25 वां दशहरा पर्व

पद्मेश न्यूज़ बालाघाट। असत्य पर सत्य की जीत, और अधर्म पर धर्म की विजय के रूप में मनाए जाने वाले विजयादशमी पर्व की जगह जगह धूम देखी गई। जिसके तहत हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में 25 वां दशहरा पर्व धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहा भव्य चल समारोह का आयोजन कर अहंकार रूपी रावण के पुतले का दहन किया गया।बताया गया कि गायखुरी में गत वर्ष से दशहरा चल समारोह पानीपत की तर्ज पर निकाला जा रहा है। जिसके लिये आयोजन समिति मां वैनगंगा दशहरा उत्सव समिति, मां कुष्मांडा मंदिर गायखुरी द्वारा पानीपत से अष्टधातु से निर्मित 40 किलो वजनी मुकुट लाया गया है। इस 25 वें वर्ष में हनुमान जी महाराज का स्वरूप धारण करने वाले साधक तुषार तिल्होरे द्वारा 22 अक्टूबर नवरात्रि प्रारंभ से आवासटोली गायखुरी के वृद्धाश्रम में स्थित हनुमान मंदिर में अपनी साधना व पूजा आराधना की जा रही थी।आज 2 अक्टूबर गुरुवार को दशहरा चल समारोह भव्य शोभायात्रा मां कुष्मांडा मंदिर आवास टोला गायखुरी से निकाली गई। जो मंदिर से प्रारंभ होकर गायखुरी चौक होते हुये पंवार गली हनुमान मंदिर पहुंची। जहां हनुमान जी की पूजा अर्चना कर शोभायात्रा लोधी मोहल्ला से होकर गायखुरी आम्बेडकर चौक, दुर्गा चौक से पॉलीटेकनिक कॉलेज के सामने से होते हुये जागपुर घाट से रावणदहन स्थल आवासटोला वैनगंगा नदी तट पहुंची। जहां करीब 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान भव्य रंग-बिरंगी आतिशबाजी भी की गई। शोभायात्रा में प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता, भगवान भोलेनाथ, हनुमान जी की झांकियां सहित अन्य झांकियां शामिल रही।बताया गया दशहरा के दूसरे दिन 3 अक्टूबर को सुबह 10 बजे हवन-पूजन एवं प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री जयंती

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। गुरुवार 2 अक्टूबर को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई, जिसके तहत जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन भी किए गए।इसी कड़ी में जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत हीरापुर में भी जयंती समारोह का आयोजन कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। जहा सेवा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत भवन हीरापुर में सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एंव पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के छायाचित्र पर तिलक लगाकर पूजा वंदना कर माल्यार्पण किया गया वही मौजूद नागरिकों को मिठाई बांटी गई।इसके अलावा स्वच्छता सेवा अभियान के तहत,गांव में साफ सफाई कर स्वछता का संदेश भी दिया गया।आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्राम की सरपंच शांति गुड्डा दीवान ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने जो देश के लिए कार्य किये वह अविस्मरणीय है महात्मा गांधी राष्ट्रपिता कहलाते हैं और अहिंसा व सत्य के मार्ग पर चलकर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया।उनके प्रमुख आंदोलनों में

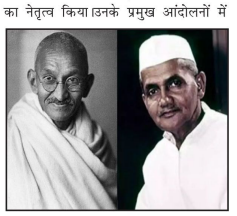

असहयोग आंदोलन (1920), नमक सत्याग्रह/दांडी मार्च (1930), और भारत छोड़ो आंदोलन (1942) शामिल हैं।उन्होंने अहिंसा, सत्य, सत्याग्रह और समानता के सिद्धांतों को अपनाया। लाल बहादुर शास्त्री जी भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे। उनका नारा जय जवान, जय किसान आज भी प्रसिद्ध है।1965 के भारत-पाक युद्ध में उन्होंने देश का सफल नेतृत्व किया। उन्होंने हरित क्रांति और श्वेत क्रांति (दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए) को प्रोत्साहित किया। वे अपनी ईमानदारी, सादगी और देशभक्ति के लिए जाने जाते हैं। इस तरह 2 अक्टूबर का दिन गांधी जी और शास्त्री जी दोनों के योगदान को याद करने का दिन है। स्वच्छता सेवा पकवाड़ा के तहत ग्राम हीरापुर में स्वच्छता अभियान चलाकर के यहां के नागरिकों को जागरूक किया गया है।ताकि लोग स्वच्छता को अपनाए।आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रीमती शांती दिवान (सरपंच) ,श्रीमान नत्थूलाल आमाडारे (उपसरपंच) , भेदेश्वर बिसेन (सचिव) , सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान ,नवेद खान , अंजू कठौते , राजेश कुसराम, रमेश नेताम, धनेन्द्र सोंधियरे , अलिया खान ,वेदप्रकास दिवान ,शिवम् भरद्वाज , रौनक पारिमल ,प्रतिभा सर्वे, सोन कौशल ,कैलास ऐडे (पटवारी), मनीष गेडाम , दुर्गेश्वरी (जीआरएस), सुरेन्द्र मोहरे ,राजेश सहित पंचायत के अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

असत्य पर सत्य की जीत के रूप में मनाया गया विजयादशमी पर्व

पद्मेश न्यूज़ बालाघाट। असत्य पर सत्य की जीत, और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व गुरुवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में धार्मिक परंपराओं, पूर्ण विधिविधान व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहा इस पर्व मे विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर अहंकार रूपी रावण के पुतले का प्रभु श्रीराम के प्रतीक द्वारा वध कर दहन किया गया।इसी कड़ी में जिला मुख्यालय से महज 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली के हीरापुर स्थित श्री रामकृष्ण बजरंग मंदिर विष्णु धाम इमली टेकरा में भी इस पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया।जहां विष्णु धाम इमली टेकरा मंदिर से चल समारोह निकाला गया जो जय श्रीराम और जय वीर महावीर के नारों के साथ इमली टेकरा मंदिर से भरवेली मैदान पहुँचा।जहां अहंकारी स्वरूप रावण के पुतले का दहन किया गया।

चल समारोह रहा मुख्य आकर्षण का केंद्र

भरवेली के हीरापुर स्थित श्री रामकृष्ण बजरंग मंदिर विष्णु धाम इमली टेकरा परिसर में आयोजित इस विजयदशमी पर्व पर निकाला गया चल समारोह मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा।मन्दिर प्रागण में स्थानीय 25 वर्षीय युवा दानिश पिता धनराज शिववंशी ने हनुमान जी का मुकुट व चोला धारण कर चल समारोह में भाग लिया।जिन्होंने झांकी रथ पर विराजमान भगवान राम ,लक्ष्मण, और बाल स्वरूप हनुमानजी का आशीर्वाद ग्रहण कर चल समारोह की शुरुवात की। इमली टेकरा से निकाला गया यह चल समारोह हीरापुर चौक होते हुए, मुंडीमाई, भरवेली मायल दुर्गा चौक मैदान पहुँचा।जहां अहंकारी स्वरूप रावण के पुतले का दहन किया गया।इस दौरान लोग एक दुसरे को विजयादशमी पर्व की बधाई देते नजर आए।

आकर्षक रथ पर निकाली गई भगवान राम लक्ष्मण, और बाल हनुमान की झांकी

भरवेली के हीरापुर इमली टेकरा में आयोजित इस चल समारोह में भगवान राम लक्ष्मण,और बाल हनुमान की झांकी आकर्षक रथ पर निकाली गई। जिसमें स्थानीय छोटे बच्चों ने भगवान राम, भ्राता लक्ष्मण और बाल हनुमान की वेशभूषा धारण कर इस आयोजन को सफल बनाया।जिन्होंने इस चल समारोह में निकाली गई झांकी में अपनी महत्तवपूर्ण भूमिका अदा की। आकर्षक झांकी के साथ निकाले गए चल समारोह में दानिश शिववंशी ने हनुमान जी का चोला धारण कर कार्यक्रम में भाग लिया।तो वही 15 वर्षीय राजशेखर पिता नंदकिशोर बिसेन ने राम, 14 वर्षीय प्रेम पिता शुरबता विश्वास ने लक्ष्मण जी का स्वरूप धारण किया।जिन्होंने चल समारोह के दौरान रास्ते मे पड़ने वाले हीरापुर शिव मंदिर, हनुमान मंदिर, मुंडीमाई स्थित दुर्गा मंदिर, मुंडीमाई मन्दिर, नया राम मंदिर सहित अन्य मंदिरों में पूजा कर शीश नमन कर भगवान का आशीर्वाद लिया। जहां भरवेली दुर्गा मैदान आकर पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए अहंकारी स्वरूपी रावण के पुतले का दहन किया गया।

दुर्गा मैदान मे रावण दहन देखने उमड़ा जन-सैलाब

बात अगर दशहरा पर्व पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की करें तो दशहरा पर्व पर भरवेली दुर्गा मैदान में भव्य रुप से कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।जहा हर साल की तरह इस साल भी भरवेली दुर्गा मैदान में रावण दहन समारोह का आयोजन धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ किया गया।जहां दुर्गा मैदान में रावण का पुतला बनाकर इमली टेकरा परिसर से चल समारोह का आयोजन हुआ।जहां भव्य चल समारोह में शामिल लोग विभिन्न मार्गों का गश्त करते हुए भरवेली दुर्गा मैदान पहुंचे।जहां अहंकारी स्वरूपी रावण के पुतले का दहन किया गया। इस अवसर पर भरवेली दुर्गा मैदान में विजयदशमी पूर्व पर भारी भीड़ नज़र आई।जिन्होंने इस मनोहर दृश्य को अपने मोबाइल कैमरे में कैद किया। वही मैदान परिसर में लगे मेले की विभिन्न दुकानो मे भी जन सैलाब उमडा दिखाई दिया।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम नजर आए।जहां चल समारोह स्थल, और दुर्गा मैदान में किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोकने के लिए पुलिस और मायल के सुरक्षाकर्मी चप्पे चप्पे पर तैनात रहे।जहां पूर्ण विधि विधान के साथ रावण दहन की रस्म अदा की गई। जहां रावण दहन के साथ ही लोगों ने एक दूसरे को दशहरा पर्व की बधाई दी और देर शाम कार्यक्रम का समापन किया गया।

नेहरू स्पोर्टिंग क्लब ने मनाया हर्षोल्लास के साथ मनाया स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज़ बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी स्टोटर्फ हॉकी मैदान में नेहरू स्पोर्टिंग क्लब द्वारा स्थापना दिवस मनाया गया।विजयदशमी पर्व पर हर्षोल्लास के साथ मनाए गए क्लब के 87 वे स्थापना दिवस पर सर्वप्रथम जिले में हॉकी खेल के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले दिवंगत खिलाड़ियों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। जिसके उपरांत मैदान में हॉकी का पूजन किया गया।जिसके बाद आयोजित मंचीय कार्यक्रम को जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने संबोधित किया।सम्बोधन में बताया गया कि जल्द ही हॉकी मैदान में हॉकी प्रीमियर लीग कराया जाएगा।मप्र हॉकी संघ द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के कुछ मैच बालाघाट हॉकी टर्फ मैदान में भी कराने की रूपरेखा बनाई गई।अतिथियों ने बताया कि नेहरू स्पोर्टिंग क्लब किसी पहचान का मोहताज नहीं है।क्लब के माध्यम से जिले के कई हॉकी खिलाड़ियों ने जिले का नाम रौशन किया है।वही बालाघाट जिला खेल के क्षेत्र में आए दिनों नई-नई उपलब्धि हासिल कर रहा है।खेल के क्षेत्र में बालाघाट जिले ने अपनी अलग पहचान बनाई है।विशिष्ट पदाधिकारियो ने बताया कि मप्र हॉकी द्वारा आगामी समय मे प्रीमियर लीग हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसके 6 मैच बालाघाट जिले को मिलेंगे।कार्यक्रम के अंत मे बताया कि नेहरू स्पोर्टिंग का यह स्थापना दिवस इस लिए भी खास है क्यो की आज ही दिन स्थापना दिवस के साथ साथ दशहरा पर्व है, वही राष्ट्र पिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शात्री की जयंती भी है।इसके अलावा आरआरएस संघ स्थापना के 100 वर्ष भी पूरे हुए है।वही स्टोटर्फ का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है।आयोजित कार्यक्रम के दौरान क्लब संरक्षक गौरीशंकर बिसेन, राजकुमार रायजादा, अध्यक्ष किरण त्रिवेदी. रमेश रंगलानी, मौसम हरिनखेड़े, अनिल धुवारे, नपा अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, विशाल बिसेन, रिषभदास वैष. प्रकाशचंद चतुरमोहता,महासचिव विजय वर्मा, जिला तेराकी संघ के पदाधिकारी महेंद्र सुराना, राजेश वर्मा कमलजीत सिंह छाबड़ा नितेंद्र श्रीवास्तव सुनील ढोक सुभाष गुप्ता अशोक मोदी, सुशील वर्मा, प्रमोद तिवारी, संदीप नेमा, मकरंद अंधारे, तुषार मानकर, रमेश उके, अरविंद जायसवाल, सुब्रत राय, चीनू गंगवानी, सुधांशु तिवारी, सत्यम वर्मा हॉकी खेल प्रशिक्षक सुनीता सिद्दीकी सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य एवं हॉकी खिलाड़ी मौजूद रहे।

सिंह वाहिनी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा किया गया भंडारे का आयोजन

पद्मेश न्यूज़ बालाघाट। सिंह वाहिनी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा दशहरे के उपलक्ष में भंडारे का आयोजन किया गया। यहाँ पर भक्तों द्वारा भंडारे का महाप्रसाद अर्जित किया गया , वैसे तो 9 दिनों तक स्थानीय बस स्टैंड में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए । जिसमें दशहरा पर्व को देखते हुए समिति द्वारा इस वर्ष विशाल भंडारे का आयोजन करते हुए सभी श्रद्धालुओं को भंडारा ग्रहण करवाया गया एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी इस महाप्रसाद में भाग लेते हुए पुण्य लाभ अर्जित किया।

तीन दिनो से लापता युवक की लाश चंदन नदी मिली

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। खैरलांजी थाना अंतर्गत चंदन नदी के नोनसा घाट में उस समय सनसनी फैल गई जब यहां एक अज्ञात व्यक्ति की लाश ग्रामीणों देखी। सूचना मिलते ही मौके पर खैरलांजी पुलिस ने इस अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद किये है। दूसरे दिन इस अज्ञात व्यक्ति की पहचान नरेश कुमार पिता उदेलाल सुलाखे 45 वर्ष ग्राम चिचोली थाना खैरलांजी निवासी के नाम से उसके परिजनों ने की गई। जिसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। खैरलांजी ने इस व्यक्ति की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

30 सितंबर से लापता था नरेश कुमार

प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 अक्टूबर को दोपहर में चंदन नदी के नोनसा घाट में ग्रामीणों ने अज्ञात व्यक्ति की लाश नदी के पानी में उतराते हुई देखी और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही खैरलांजी पुलिस थाने से सहायक उप निरीक्षक चंद्रशेखर चौधरी, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र नागभीरे अपने स्टाफ के साथ चंदन नदी का नोनसा घाट पहुंचे मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से लाश को नदी से बाहर निकलवाए। इस अज्ञात व्यक्ति की लाश पर कपड़े नहीं थे और लाश अधिक दिन पानी में होने से काफी खराब हो चुकी थी। इस अज्ञात व्यक्ति की मौके पर पहचान नहीं पाई थी जिसके बाएं हाथ में नरेश कुमार लिखा हुआ है। खैरलांजी पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर लाश पोस्टमार्टम हेतु खैरलांजी अस्पताल भिजवा दिये किन्तु शाम होने से इस लाश का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। इस अज्ञात व्यक्ति की लाश को खैरलांजी के अस्पताल में रखवा दिया गया है। खैरलांजी पुलिस ने इस अज्ञात व्यक्ति की पहचान के लिए आसपास के ग्राम के अलावा सभी समीप पुलिस थाना को सूचित कर दिए हैं।

नरेश ने किया था प्रेम विवाह उसके बाद मानसिक संतुलन हुआ खराब

3 अक्टूबर को इस अज्ञात व्यक्ति की पहचान नरेश कुमार पिता उदेलाल सुलाखे 45 वर्ष ग्राम ग्राम चिचोली थाना खैरलांजी निवासी के नाम से की गई। बताया कि नरेश कुमार चार भाई हैं। नरेश कुमार अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। 15 साल पहले नरेश कुमार का किसी लड़की से प्रेम विवाह हुआ था किंतु कुछ साल बाद नरेश कुमार को उसकी पत्नी ने छोड़ दी थी। उसके बाद सन 2015 से नरेश कुमार का मानसिक संतुलन बिगड़ गया था। और वह घूमते रहता था। परिवार वालों द्वारा नरेश कुमार का इलाज भी करवा रहे थे। किंतु वह ठीक नहीं हो पा रहा था। ग्राम समीप चंदन नदी में जब चाहे तब नरेश कुमार नहाने चला जाता था। 30 सितंबर से नरेश कुमार लापता था। परिवार के लोग सोचे की नरेश कुमार कहीं चला गया होगा। चंदन नदी के नोंनसा घाट में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने की खबर नरेश कुमार के परिजनों को मिलने पर 3 दिसंबर को उसके तीन भाई खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचे। जिन्होंने मृतक की पहचान नरेश कुमार सुलाखे अपने भाई के नाम से की। संभावना व्यक्त की जा रही है कि 30 सितंबर को नरेश कुमार ग्राम समीप चंदन नदी में नहाते समय अचानक फिसल जाने से वह तेज बहाव में बह कर नोनसा घाट पहुंच गया नदी का पानी कम होने से लाश देखने में आई। खैरलांजी पुलिस ने नरेश कुमार की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिये है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

दूसरे दिन भारतीय बल्लेबाजों ने दिखाया दम

राहुल-जुरेल और जडेजा ने जड़े शतक

अहमदाबाद । भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपना दम दिखाया। भारत के लिए केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा ने शतक जड़े जिससे टीम ने दिन के खेल की समाप्ति तक पहली पारी में पांच विकेट पर 448 रन बनाए। भारत ने इस तरह अब तक 286 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। स्टंप्स के समय जडेजा 176 गेंदों पर छह चौकों और पांच छक्कों की मदद से 104 रन और वाशिंगटन सुंदर नौ रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। वेस्टइंडीज के लिए रोस्टन चेज ने दो विकेट, जबकि जेडन सील्स, जोमेल वारिकन और खैरी पियरे को एक-एक सफलता मिली है।

अब तक 286 रनों की बढ़त

भारतीय टीम ने दूसरे दिन दो विकेट पर 121 रन से आगे खेलना शुरू किया और आज 327 रन बनाए और तीन विकेट गंवाए। भारत को शुभमन गिल, केएल राहुल और ध्रुव जुरेल के रूप में तीन झटके लगे। यशस्वी जायसवाल (36) और साई सुदर्शन (7) गुरुवार को ही पवेलियन लौट गए थे। वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रन पर ऑलआउट हुई थी। भारत के लिए जहां पहले दिन गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया था, वहीं दूसरे दिन बल्लेबाजों का बोलबाला रहा।

राहुल के बल्ले से करीब नौ साल बाद घरेलू जमीन पर निकला शतक

गिल और राहुल ने दूसरे दिन बल्लेबाजी की शुरुआत की। शुभमन गिल ने जहां अर्धशतक लगाया, वहीं राहुल ने पहले सत्र में शतक पूरा किया। गिल पचासा लगाने के बाद क्रीज पर ज्यादा देर नहीं टिक सके और 50 रन बनाकर आउट हुए। राहुल और गिल के बीच तीसरे विकेट के लिए 98 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान राहुल के बल्ले से करीब नौ साल बाद घरेलू जमीन पर टेस्ट निकला। राहुल ने टेस्ट करियर का 11वां शतक जड़ा। भारतीय सरजमीं पर उनका दूसरा टेस्ट शतक रहा। उन्होंने 190 गेंदों पर शतक पूरा किया। लंच ब्रेक के बाद राहुल अपनी लय बरकरार नहीं रख सके और उन्हें वॉरिकन ने कैच आउट कराया। राहुल 197 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 100 रन बनाकर आउट हुए।

जुरेल-जडेजा की शानदार साझेदारी

राहुल और गिल के पवेलियन लौटने के बाद जुरेल और जडेजा ने भारतीय पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। इस दौरान जुरेल के बल्ले से करियर का पहला टेस्ट शतक निकला। जुरेल टेस्ट में सैकड़ा जड़ने वाले भारत के 12वें बल्लेबाज बने। दिलचस्प बात यह है कि इनमें से पांच खिलाड़ियों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ ही अपने करियर का पहला शतक लगाया है। जुरेल से पहले विजय मांजरेकर, फारुख इंजीनियर, अजय रात्रा और ऋद्धिमान साहा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट लगाया था। जुरेल और जडेजा के बीच पांचवें विकेट के लिए 205 रनों की साझेदारी हुई जिसे पियरे ने जुरेल को आउट कर तोड़ा। जुरेल 210 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 125 रन बनाकर आउट हुए।

जडेजा ने लगाया छठा शतक

जुरेल के आउट होने के बाद जडेजा ने भी गियर बदला और तेजी से खेलते हुए अपने टेस्ट करियर का छठा शतक पूरा किया। जडेजा ने शतक लगाने के बाद अपने चिर परिचित अंदाज में बल्ले को तलवार की लहराकर जश्न मनाया। जडेजा स्टंप्स तक क्रीज पर टिके रहे और दूसरे दिन नाबाद रहकर पवेलियन लौटे। जडेजा और सुंदर की कोशिश तीसरे दिन भारत की बढ़त को और विशाल करने पर टिकी होंगी, जबकि अगर वेस्टइंडीज को मैच में वापसी करनी है तो भारतीय टीम की पारी जल्द ऑलआउट करनी होगी।

बुराई हारी, 'सत्य और धर्म' की हुई जीत

पद्मेश न्यूज (कटंगी)। अधर्म पर धर्म की और असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयादशमी समूचे भारत में बेहद धूमधाम, उत्साह, हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया. 02 अक्टूबर को देश भर में जगह-जगह पर रावण के कई छोटे-बड़े, ऊंचे-नाटे पुतलों का दहन किया गया. लेकिन इन सब से हटकर महाकौशल के बालाघाट जिले के कटंगी में अनोखे तरीके से दशहरा पर्व मनाने की परंपरा का निर्वहन किया गया. यहाँ परंपरा कटंगी के दहशरा पर्व को इसे सबसे अलग बनाती है और इस पर्व को देखने के लिए दूर-दराज के ग्रामीण अंचलों से लेकर पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से भी लोग कटंगी आते है. बीते 68 वर्षों से यहां चलित दशहरा पर्व मनाया जाता है. जिसमें बुराई के प्रतीक माने जाने वाले रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के कई फीट ऊंचे और करीब 100 किलो वजनी पुतलों का निर्माण कर उन्हें शहर में करीब 04 किमी घुमाने के बाद अस्पताल मैदान में हजारों लोगों की मौजूदगी दहन किया जाता है. इसके पहले जोरदार गगनचुंबी आतिशबाजी की जाती है स्थानीय कलाकार नृत्य कला का प्रदर्शन करते है और फिर अतिथिगण विधि-विधान से पूजन करते है. जिसके बाद जय श्रीराम के उद्घोष के बीच भगवान श्री राम सांकेतिक तीर चलाकर रावण दहन करते है. बता दें कि रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों को पुरा शहर भ्रमण करने की जिम्मेदारी समिति के सदस्य विकास कड़वे, निक्की ठाकुर, दीपक गौतम, सचिन सेन्दरे, कोमल सेन्दरे, सागर बंशपाल, सुनील नागमोते, अंचल कड़वे के कंधो पर होती है. यह युवा इन पुतलों को शहर का भ्रमण करवाते है. विजयादशमी का पर्व हमें सिखाता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः सत्य और धर्म की ही जीत होती है।

शाम 05 बजे कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 06 से चलित समारोह की शुरुआत हुई जिसमें रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों को नगर भ्रमण के लिए निकाला गया. चलित समारोह में धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना को जागृत करती देवी दुर्गा, राम-लक्ष्मण, माता सीता, हनुमान, भगवान शिव, भारत माता, अयोध्या में विराजे रामलला, भगवान विश्वकर्मा, देवी स्वरूप नौ कन्याओं सहित आदि की झाँकियां सजाई गई थी. जिनका धर्म प्रेमियों ने आशीर्वाद प्राप्त किया. चल समारोह में भूतों की टोली और राम भक्त हनुमान के किरदार में कलाकार जमकर झूमते और नाचते गाते हुए नजर आ रहे है. माता महाकाली और भगवान राधा कृष्ण के मनमोहक नृत्य की सभी ने जमकर सराहना की. इस वर्ष चल समारोह में चलित भजन आर्केस्ट्रा भी शामिल रहा जिसमें समारोह में चार चांद लगा दिए. शाम करीब साढ़े 08 बजे अस्पताल मैदान में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी, जिला पंचायत सदस्य केसर बिसेन, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत ने समिति अध्यक्ष डॉ राजू चौधरी, उपाध्यक्ष सुनील नागोसे, कोषाध्यक्ष हितेश पटले, सचिव सुरेन्द्र राहंगडाले, संरक्षक सदस्य बलदेव कड़वे, गोविंद सेन्दरे, रमेश कन्नौजे, नरेन्द्र कड़वे, महेन्द्र नेवारे, गोपाल कड़वे, रवि वाघाड़े, राजू नामदेव, राजेन्द्र कड़वे, प्रशांत बाघाड़े ने विधि-विधान से पूजा अर्चना की. जिसके बाद भगवान राम ने सांकेतिक रूप से तीर चलाकर रावण का अंत किया।

कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 06 में नवरात्रि के पहले ही दिन से पुतलों के बनाने का कार्य शुरू हो जाता है. इसमें भी खास बात यह है कि इन पुतलों को बनाने में जितना योगदान हिंदू भाईयों की तरफ से मिलता है उतना ही मुस्लिम भाई भी

अपना योगदान देते है यानी कौमी एकता के तौर पर यहां सभी एक साथ मिलकर पुतलों का निर्माण करते है. पुतलों को बनाने में सबसे अहम भूमिका भैयालाल ऐड़े, प्रवीण वाघाड़े, सचिन सेन्दरे, आबिद कुरैशी, गणेश राउत, कोमल पटले की होती है. दशहरा उत्सव समिति अध्यक्ष राजेश कड़वे ने क्षेत्र की जनता, पुलिस प्रशासन, नगर परिषद का आभार व्यक्त किया है. बता दें कि दशहरा चल समारोह के सामने महावीर व्यायामशाला के कलाकार कई हैरतअंगेज कारनामे करते हुए चलते है. विजयादशमी के मौके पर महावीर व्यायाम शाला में शाम सा? 04 बजे पूजा अर्चना कर अखाड़े की शुरुआत होती है।

प्राकृतिक गोंगो एवं कलश पूजा आज

पद्मेश न्यूज खमरिया/(लालबर्रा)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया स्थित बड़ादेव की मंडिया में कोया विडार सजोर पेन समिति के तत्वाधान में 4 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से प्राकृतिक गोंगो एवं कलश पूजा का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि खमरिया के बड़ादेव की मड़िया में 4 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से प्राकृतिक गोंगो एवं कलश पूजा का आयोजन किया गया है और उक्त पूजा कार्यक्रम संपन्न होने के बाद रात 8 बजे से जाग्रति लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ होगा। उक्त कार्यक्रम परसवाड़ा पूर्व विधायक दरबुसिंह उइके के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील कोया विडार सजोर पेन समिति खमरिया के पदाधिकारियों ने की है।

कक्षा 09, 11 वीं नामांकन करने की अंतिम तिथि 08 अक्टूबर निर्धारित

पद्मेश न्यूज बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 09 वीं एवं 11 वीं में सामान्या शुल्क के साथ आनलाईन नामांकन करने की अंतिम तिथि 08 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दी गई है।

राहुल के पास औसत को बेहतर करने का अवसर

अहमदाबाद। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने आकाश चोपड़ा ने कहा है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर केएल राहुल अपने औसत को सुधार सकते हैं। आकाश के अनुसार अभी राहुल का औसत 35 के करीब है जो उन्हें 40 से ऊपर करना चाहिये। मैच की बात करें तो मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए उसे पहले ही दिन केवल 162 रनों पर ही समेट दिया। उसके बाद अपनी अपनी पहली पारी में 2 विकेट पर ही 121 रन बना लिए। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय राहुल 53 रन और कप्तान शुभमन गिल 18 रन बनाकर खेल रहे थे। चोपड़ा ने

कहा कि वेस्टइंडीज की कमजोर गेंदबाजी को देखते हुए राहुल के पास औसत को बेहतर बनाने का सुनहरा अवसर है। चोपड़ा ने कहा, मेरा मानना है कि यह राहुल के लिए बहुत ही अहम सीरीज है। 35 का औसत उनकी बल्लेबाजी को देखते हुए ठीक नहीं कहा जा करता। मेरा मानना है कि इस सीरीज में वह अपने औसत को ठीक करने का प्रयास करेंगे। इस सीरीज के बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगी। उसमें भी बेहतर खेल कर वह अपने औसत को 42 से 45 ले जा सकते हैं गौरतलब है कि राहुल ने 63 टेस्ट में अब तक 3789 रन बनाए हैं। उनका औसत 35.41 है। टेस्ट में उनके नाम 10 शतक और 19 अर्धशतक दर्ज हैं।

पांढरवानी पंचायत में मनाई गई गांधी-शास्त्री जयंती

पद्मेश न्यूज (लालबर्रा)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा में 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। यह कार्यक्रम ग्राम पंचायत पांढरवानी सरपंच अनीस खान, पंचायत सचिव सहित अन्य गणमान्य नागरिकों व कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के छायाचित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हे याद किया। जिसके बाद उपस्थितजनों को स्वच्छता की शपथ दिलवाई गई और आसपास स्वछता बनाये रखने की अपील की गई। चर्चा में

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गई है और सभी ने शपथ भी ली है कि विभिन्न प्रकार की बुराई, नशीली वस्तुओं से दूर रहेंगें, स्वच्छता बनाये रखेंगें। साथ ही सभी से गांधी जी, शास्त्री जी के बताये मार्ग पर चलने कहा गया है। इस अवसर पर सरपंच अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी, नितिन साखला, रामनाथ सोनी, सलीम खान, जमील मंसूरी, राजा अवधिया, रमेश अवधिया, पदम जैन, एडीओ श्री पारधी, रणविजय सिंह सचिव, कृष्णा पचेश्वर सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नगर में नमो मैराथन दौड़ का आयोजन 11 को

पद्मेश न्यूज बालाघाट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत जिले में आगामी तीन माह तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी शुक्रवार 3 अक्टूबर को स्थानीय भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने दी उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी अपनाना और लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देना है। आने वाले दिनों में दीपोत्सव जैसे त्योहार मनाए जाएंगे, इस अवसर पर सभी लोग स्थानीय कुम्हार भाइयों से दीप खरीदें, ताकि जिले का पैसा जिले में और देश का पैसा देश में ही रहे। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के साथ बैठक कर उनसे भी आग्रह किया जाएगा कि वे स्थानीय स्तर पर ही सामान की खरीद-फरोख्त करें, ताकि भारत आत्मनिर्भर बने।आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए भाजपा संगठन ने पार्टी पदाधिकारियों और

कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। जिला स्तर से लेकर मंडल स्तर तक प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, जो गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक इस अभियान की जानकारी पहुंचाएंगे। इनकी जिम्मेदारी रहेगी कि जनता को आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से जोड़ा जाए और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए।

10 किमी की होंगी नमो मैराथन दौड़

जिला अध्यक्ष कावरे ने बताया कि 11 अक्टूबर को नमो मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। यह दौड़ हनुमान चौक से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, काली पुतली चौक, जय स्तंभ चौक, सिविल लाइन, एलआईसी चौक से होते हुए पुनः हनुमान चौक तक दो राउंड करीब 10 किमी निकाली जाएगी। इसमें महिला और पुरुष दोनों वर्गों के धावक भाग लेंगे। विजेताओं को सम्मानित कर परितोषिक प्रदान किए जाएंगे।

आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम

प्रेस वार्ता में कावरे ने कहा कि यह अभियान केवल राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और आमजन को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित करने का माध्यम है। उन्होंने जिलेवासियों से आह्वान किया कि वे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सक्रिय योगदान दें और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयादशमी

पद्मेश न्यूज (लालबर्रा)। नगर मुख्यालय में हिन्दू उत्सव समिति लालबर्रा के द्वारा 2 अक्टूबर को असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माँ सरस्वती प्रांगण से भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता सीता की जीवंत झांकी के साथ शोभायात्रा निकाली गई। जो सीएम राइज शास. उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान पहुंची जहां पूजन अर्चन कर भगवान श्रीराम के द्वारा तीर मारकर अहंकारी रावण के 31 फीट पुतले का दहन किया गया और दशानन धू-धू कर जला। वहीं इस वर्ष हिन्दु उत्सव समिति लालबर्रा के द्वारा चल समारोह नही निकाला गया। हिन्दु उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि

विजयादशमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के खेल मैदान में 31 फीट लंका नरेश रावण के पुतले का दहन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि यह त्यौहार असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है इसलिए सभी को सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन, जिला पंचायत सदस्य झामसिंह नागेश्वर, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया सहित आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं क्षेत्रीयजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जडेजा को नहीं थी उपकप्तान बनाये जाने की जानकारी

अहमदाबाद। वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑलराउडर रविन्द्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। जडेजा को इसलिए उपकप्तान बनाया गया है क्योंकि टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत पहले ही चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं जडेजा का कहना है कि चयन समिति ने उन्हें उपकप्तान बनाये जाने की जानकार पहले नहीं दी थी। उन्हें इसका पता तब चला जब उन्होंने अपने नाम के आगे उपकप्तान लिखा देखा।

जडेजा ने कहा, 'उपकप्तान बनाये जाना उनके लिए सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि जब भी टीम को किसी भी योजना या किसी भी चीज के बारे में मेरी जरूरत होती है, मैं हमेशा योगदान देने के लिए तैयार रहता हूं।' जडेजा को उप-कप्तान बनाये जाने से साथ ही उन्हें अनुभवी होने के कारण ये जिम्मेदारी दी गयी है। देश में स्पिन पिचों पर उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण रही है। उनकी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग मैच जिताऊ मानी जाती है। उनके अनुभवों का फायदा युवा कप्तान शुभमन गिल को भी मिलेगा। जडेजा के पास करीब 85 टेस्ट मैचों का अनुभव है। वह टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। जडेजा का कहना है कि इंग्लैंड की जैसा प्रदर्शन उन्होंने किया था। वैसा ही वह यहां भी करना चाहेंगे।

पवार समाज की आवश्यक बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज बालाघाट। आगामी 12 अक्टूबर को पवार समाज द्वारा शरद पूर्णिमा कोजागिरी का भव्य आयोजन शहर के वार्ड नंबर 32 नर्मदा स्थित पावर मंगल भवन में आयोजित किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन की तैयारी से पहले पवार समाज के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन की अध्यक्षता में 3 अक्टूबर को एक बैठक आहूत की गई। जिसमें

जिला अध्यक्ष श्री बिसेन के अलावा पवार समाज के विभिन्न संगठन के पदाधिकारी, कोर कमेटी के सदस्यगण, अध्यक्षगण और, सामाजिकगण मौजूद रहे, जिन्होंने सर्वसम्मति से कई निर्णय लिए और आगामी रणनीति पर चर्चा की। बताया गया कि इस वर्ष इस आयोजन में लगभग 5 से 10 हजार लोगों की आने की संभावना है, हर सुविधा को ध्यान में रखते हुए, इस आयोजन को पावर मंगल भवन में आयोजित किया जाएगा। बालाघाट जिले के सभी पवार समाज के लोगों से अपील की गई है कि कार्यक्रम से अधिक से अधिक मात्रा में उपस्थित हो।

बात अगर बेटी की हिफाजत की हो तो घर में तुम्हारे गहने नहीं गुन होना चाहिए-कवि संजय अश्क

पद्मेश न्यूज नांदी। बालाघाट जिले की मायल नगरी तिरोडी में गत दिवस 29 सितम्बर को हुए अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के नामचीन कवियों ने शिरकत कर अपनी कविताओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। सर्वप्रथम मंच पर पधारे सारे कवियों को साहित्य संस्था के माध्यम से शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सत्कार किया गया दिग्गज कवि दिनेश देहाती के संयोजन और भोपाल मप्र से आये कवि धर्मेन्द्र सोलंकी के संचालन में प्रारंभ हुए कवि सम्मेलन में सर्वप्रथम मां सरस्वती की वंदना मुम्बई से आई कवियित्री डा काव्या मिश्रा की सुमधुर आवाज में प्रस्तुत की गई।उसके बाद क्षेत्र के युवा क्रांतिकारी कवि संजय अश्क के द्वारा काव्य मंच की शुरुआत की गई। जहां संजय अश्क के मुक्तक हर हाल में जीने का फन होना चाहिए, कांटों में खिल सके ऐसा जीवन होना चाहिए।बात अगर बेटी की हिफाजत की है तो सुन लो,घर में तुम्हारे गहने नहीं गुन होना चाहिए। ऐसे अनेक व्यवस्था पर व्यंग कर खूब तालियां बटोरी। उसके बाद छत्तीसगढ़ कोरबा से पधारे कवि हिरामणी वैष्णव ने चुटिले अंदाज में खूब हंसाया।रीवा मप्र से पहुंचे कवि कामता माखन ने हास्य रस की बरसात से श्रोताओं को भिगोने मजबूर कर दिया। मुम्बई से आई कवियित्री बहुमुखी प्रतिभा की धनी डा काव्या मिश्रा ने शानदार काव्यपाठ कर सारे सदन को दिवाना कर दिया।उनकी कुर्सी की आरती कविता को महिला पुरुष और बच्चे की आवाज में प्रस्तुत कर सबको हैरत कर दिया। उसके बाद नेपाल से पहुंचे कवि लक्ष्मण नेपाली की के शानदार काव्यपाठ पर श्रोता एक घंटे तक ठहाके लगाते रहे।पूरे कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन करते हुए धर्मेन्द्र सोलंकी ने अंत में शानदार काव्यपाठ किया। समिति के तरफ से समस्त कवियों का आभार दिनेश देहाती ने माना।

या गौस अल मदद के नारों से गूंजा शहर, नगर में निकाला गया जुलूस ए गौसिया

शाम को जुलूस ए गौसिया ने किया नगर का गश्त : पीराने पीर की याद में विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। तमाम वलियों के ईमाम हजरत शेख अब्दुल कादिर जिलानी सरकार गौसे पाक की पैदाइशी माहे मुबारक, ग्यारहवीं शरीफ के अवसर पर प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा नगर में जुलूस ए गौसिया का आयोजन किया गया।जहा इस वर्ष भी पीराने पीर दस्तगीर गौस ए आजम के चाहने वालों द्वारा दिन की जगह शुक्रवार शाम को जुलूस ए गौसिया निकाला गया।जिसकी शुरुआत जामा मस्जिद चौक में परचम कुशाई के साथ की गई। जहां जामा मस्जिद के पेश ईमाम द्वारा शुक्रवार शाम 6:30 बजे जामा मस्जिद चौक में परचम कुशाई की गई।जहा उपस्थितजनों ने सलातो सलाम के नजराने पेश किए। जिसके उपरांत या गौस अल मदद के गगन चुंबी नारों के साथ जुलूस ए गौसिया नगर गस्त के लिए रवाना हुआ। जो विभिन्न चौक चौराहों और मार्गों का गस्त करता हुआ वापस जामा मस्जिद चौक पहुंचा।जहां प्रति वर्ष की भांति दरूद सलाम का आयोजन कर, पूरे मुल्क के लिए अमन चैन शांति और आपसी भाईचारे की दुआएं मांगी गई ।जिसके उपरांत तबर्रूक(प्रसाद) का

वितरण कर जुलूस ए गौसिया का समापन किया गया।

जुलूस का जगह जगह हुआ स्वागत, इस्लामी नारों से गूंजा नगर

ग्यारहवीं शरीफ के अवसर पर निकाले गए इस जुलूस ए गौसिया का जगह जगह स्वागत किया गया। वही जगह जगह मिठाइयां, हलवा, खीर, छुवारे सहित अन्य सामग्रियों का वितरण कर लोगो ने एक दूसरे को ग्यारहवीं शरीफ की मुबारकबाद दी। इस दौरान जुलूस में शामिल धर्मालंबियों द्वारा लगाए गए नारा ए तकबीर -अल्लाहो अकबर और या गौस अल मदद के नारों सहित अन्य इस्लामी नारो से शहर गूंज उठा।जहां जुलूस में शामिल धर्मालंबियों के साथ साथ नात खानों ने हम्दो शना सरकार गौसे आजम, नात ए रसूल, सलातो सलाम सहित अन्य इस्लामी तरानों की प्रस्तुतियां दी, वही बच्चे व युवा हाथो में हरे झंडे लिए बुलंद नारो के साथ इस्लामी तरानों में मनमुग्द नजर आए, इसके अलावा जुलूस में शामिल अन्य लोगो को दरूद ए मोहम्मदी का जिक्र करते हुए देखा गया। जिन्होंने जुलूस के माध्यम से अपनी खुशी का इजहार करते हुए पीराने पीर दस्तगीर गौस ए आजम जिलानी सरकार के पैगाम को जन जन तक पहुँचाया।ठधर नगर में निकाले गए इस जुलूस ए गौसिया का जगह जगह इस्कबाल (स्वागत) किया गया।

इन मार्गों से होकर गुजरा जुलूस ए गौसिया

पीराने पीर दस्तगीर गौस ए आजम जिलानी सरकार की याद में शुक्रवार शाम को निकाला गया, जुलूस ए गौसिया, जामा मस्जिद चौक में परचम कुशाई और सलातो सलाम के बाद नगर गश्त के लिए रवाना हुआ। जहां जुलूस ए गौसिया जामा मस्जिद चौक से रवाना होकर बैहर रोड अंजुमन शादी हाल से बैहर चौकी, वहां से देवी तालाब चौक, डॉ. शुक्ला दवाखाने के सामने से होता हुआ गुजरी बाजार, वहां से गौली मोहल्ला होता हुए, डॉ सिद्धार्थ दुबे हॉस्पिटल के सामने से होता हुआ बस स्टैंड ,रानी अवंती बाई चौक वहां से वापस बैंहर रोड आया।जहां रजा चौक से वापस जामा मस्जिद चौक अंजुमन उर्दू स्कूल के सामने पहुँचा।जहा दरूदो सलाम के बाद अमनो अमान की दुआए की गई।जिसके बाद लंगर का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

न्यायो का दौर पकड़ेगा रफ्तार

ग्यारहवीं शरीफ का महीना रबिउस्सानी का महीना होता है। इस महीने को गौसे आजम का महीना कहा जाता है। दुनिया में जितने भी सूफी संत हैं गौसे आजम उनके पीरो मुर्शिद हैं।जिस दिन से चांद दिखता है उसी दिन से ही मस्जिदों में मिलाद का दौर शुरू हो जाता है।इसके अलावा जगह-जगह न्याज ए गौसिया का आयोजन होता है। वहीं हर साल मुस्लिम समाज द्वारा उर्दू चांद की 11 तारीख को जुलूस ए मोहम्मदी की तर्ज पर जुलूस ए गौसिया नगर में निकाला जाता है।वैसे तो पीराने पीर की याद में चांद की पहली तारीख से ही गौसे पाक के नाम की नियाज ,लंगर का दौर शुरू हो जाता है लेकिन ज्यादातर लोग उर्दू की 11 तारीख के बाद से ही न्याज करते हैं।जहां आज उर्दू की 11 तारीख को जुलूस ए गौसिया का आयोजन किया गया।अब नगर में नियाजों का दौरा रफ्तार पकड़ेगा और पूरे महीने घर-घर नियाज, गौसिया खानी, का आयोजन कर दरूद फातिहा की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था के दिखे पुख्ता इंतेजाम

उधर जुलूस ए गौसिया के अवसर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम देखे गए। जहां किसी भी अनहोनी या घटना को रोकने के लिए जगह-जगह पुलिस बल मुस्तैद नजर आया। तो वही भारी संख्या में पुलिस जवानों ने जुलूस से गौसिया में शामिल लोगों को सुरक्षा दी। इस तरह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अमनो आमान के साथ जुलूस ए गौसिया का समापन किया गया।

हट्टा में स्वदेशी जागरण सप्ताह और स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। हट्टा। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय हट्टा में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण, सामाजिक जागरूकता और श्रमदान से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हुआ।महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मुकेश कुमार बिसेन के मार्गदर्शन, कार्यक्रम प्रभारी श्री बसंत दशरिये के कुशल नेतृत्व एवं समस्त स्टाफ के सहयोग से यह अभियान प्रभावी रूप से संपन्न हुआ।स्वदेशी जागरण सप्ताह के अंतर्गत व्याख्यानों के द्वारा विद्यार्थियों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और उनके उत्पादन संबंधी जानकारियां दी गई तथा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग हेतु शपथ भी दिलाई गई इस कार्यक्रम में सक्रिय

भाग्य भागीदारी डॉक्टर श्रद्धा चौधरी एवं श्रीमती श्वेता नेमा की रही। सेवा पखवाड़ा अभियान के दौरान 26 सितंबर 2025 को रक्त परीक्षण शिविर एवं सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हट्टा की डॉ. दीक्षा कुर्वे एवं उनकी टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही। उन्होंने विद्यार्थियों को सिकल सेल एनीमिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। इसके साथ ही स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत डॉ. दीक्षा कुर्वे एवं श्री युवराज चंद्रवंशी ने छात्र-छात्राओं को महिला स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया।अभियान के अंतिम चरण में 1 अक्टूबर 2025 को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग एवं उत्पादन पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने जनजागरण रैली निकालकर समाज को स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को सत्य और अहिंसा की शपथ भी दिलाई गई।महाविद्यालय परिवार की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान एक सामाजिक चेतना का संदेश लेकर संपन्न हुआ और महाविद्यालय ने सेवा, सहयोग एवं संस्कारों की परंपरा को और मजबूत किया।

शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वदेशी जागरण सप्ताह का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वदेशी जागरण सप्ताह का आयोजन दिनांक 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक किया गया। इस दौरान जागरण व्याख्यान माला, स्वदेशी सांस्कृतिक रैली, स्वदेशी जागरण प्रदर्शनी, स्वदेशी जागरण सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वदेशी जागरण शपथ और स्वदेशी जागरण संबंधी अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम जन अभियान परिषद बालाघाट के साथ मिलकर किया गया था, जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं और जन अभियान परिषद के सदस्य शामिल हुए। स्वदेशी जागरण मंच के जिला समन्वयक ललित ऐडे, जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती वैजन्ती कटरे और खेल एवं युवा

विभाग के अजय बैस ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार माराठे के संरक्षण और कार्यक्रम संयोजक डॉ. आर.एन. झरिया के मार्गदर्शन में किया गया। जन अभियान परिषद के मेंटर विजय सूर्यवंशी और उनकी टीम ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पीएम कॉलेज में एन.सी.सी. के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में सत्र 2025-26 में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एन.सी.सी. प्रथम वर्ष में भर्ती प्रक्रिया 10 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। विद्यार्थियों को सुबह 8 बजे उपस्थित होने के लिए कहा गया है, जबकि भर्ती प्रक्रिया सुबह 10 बजे शुरू होगी। भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के पास भारतीय स्टेट बैंक का खाता, महाविद्यालय का आई.डी. कार्ड, आधार कार्ड, प्रवेश की रसीद, 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची और स्वयं का ई-मेल आई.डी. होना आवश्यक है। यह भर्ती प्रक्रिया एन.सी.सी. कार्यालय के कमान अधिकारी द्वारा संपन्न की जाएगी।

आप ने मनाई गांधी, शास्त्री जयंती, श्रद्धा सुमन अर्पित कर महापुरुषों को किया याद

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। गुरूवार 2 अक्टूबर को नगर के हनुमान चौक पहुचकर आम आदमी पार्टी पदाधिकारियो ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई।इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और समर्पित कार्यकर्ताओं ने हनुमान चौक स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका जय घोष किया।वही उनके योगदान, व जीवनी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।साथ ही अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए, महापुरुषों की जीवनी से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।इस दौरान शिव जायसवाल जिला अध्यक्ष, रजनीश नायडू जिलासचिव, अनिल ब्रम्हे जिला कार्यालय प्रमुख, डॉ.भुनेश भारद्वाज डॉक्टर विंग, फिरोज नियाजी सहप्रभारी विधानसभा बालाघाट, आरिफ अली, आदि पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चोरो ने हिमाचल नगर में 5 लाख के जेवर साफ किये

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी। वार्ड नंबर १ हिमाचल नगर निवासी विनायक राव सोनी के मकान में १ अक्टूबर की शाम अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। जिसमें उनके द्वारा करीब ५ लाख रुपये से अधिक सोने चांदी के जेवरात की चोरी की गई है। घटना की पीड़ित के द्वारा पुलिस में सूचना दे दी गई है तो वहीं पुलिस ने मामले में अपराध भी दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। किंतु पिछले लंबे समय से हो रही चोरी की वारदातों में आज भी पुलिस के हाथ खाली नजर आ रहे है। ऐसे में आम जनता पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह उठा रही है। वहीं आगे दिनों में कठोर कार्यवाही किए जाने की मांग की जा रही है।

1 घंटे में चोरों ने चोरी की घटना को दिया अंजाम

प्राप्त जानकारी अनुसार विनायकराव सोनी वार्ड नं. १ हिमाचल नगर निवासी है वह मध्य प्रदेश विद्युत मंडल से सेवानिवृत्त है जो मकान में अपनी पत्नी सिंधु सोनी और नातन के साथ निवास करते हैं। वर्तमान में नवरात्र प्रारंभ था ऐसे में १ अक्टूबर को नवमीं के अवसर पर अमृत नगर माँ सिंहवाहिनी दुर्गा माता मंदिर में जवारे विसर्जन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया था। जिसमें वह अपने पूरे परिवार के साथ शामिल होने के लिए घर से शाम करीब ६ बजे निकले थे और भोजन प्रसादी प्राप्त कर वह

७ बजे वापस अपने घर पहुंचे। तो देखा कि गेट और घर का ताला टूटा हुआ है अंदर सामान बिखरा पड़ा है जिसकी सूचना उनके द्वारा तत्काल पुलिस थाना वारासिवनी को दी गई। मौके पर पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण कर डॉग स्क्वॉर्ड के माध्यम से जांच भी की गई। इस चोरी की वारदात में अज्ञात चोरों के द्वारा घर के सामने के दरवाजे से प्रवेश किया गया था। और पीछे के दरवाजे से बाउंड्री वॉल से भागने की संभावना जताई जा रही है ,इसमें परिवार जनों के द्वारा घर में जांच की गई तो सोने के झुमके जो करीब १० ग्राम के थे सोने के लॉकेट दो नग झाले एक नग और मंगलसूत्र करीब १५ ग्राम का वहीं ६००० रूपये नगदी सहित अन्य सोने चांदी के जेवर इस प्रकार करीब ५ लाख रूपये से अधिक की चोरी की गई है।

मातारानी का प्रसाद ग्रहण करने गये थे दुर्गा मंदिर-विनायक राव सोनी

पीड़ित विनायक राव सोनी ने बताया कि वह अपनी पत्नी और नातन के साथ घर में निवास करते हैं। मां सिंहवाहिनी दुर्गा मंदिर में प्रसादी ग्रहण करने के लिए हम घर से शाम करीब ६ बजे निकले थे। शाम ७ बजे वापस आए तो देखा की सामने चैनल गेट का ताला टूटा हुआ है अंदर तीनों अलमारी के ताले टूटे हुए थे सामान बिखरा हुआ था। तभी हम थाने गए पुलिस ने घर में आकर तलाशी ली इसमें करीब करीब ५ लाख रुपये के जेवर चोरी हुए हैं।

भाजपाईयों ने किया बस स्टैंड में शस्त्र पूजन

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी। बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में विजयदशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन किया गया। यह शस्त्र पूजन गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया। जिसमें हनुमान मंदिर परिसर में सुसज्जित विभिन्न प्रकार के शस्त्रों को सजाया गया। जहां पंडित के द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ शस्त्रों की पूजा की गई। जहां उपस्थित लोगों के द्वारा विधि विधान से पूजन कर शस्त्र पूजन संपन्न किया गया। इस दौरान उपस्थित जनों ने बताया कि विजयदशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन का विशेष महत्व रहता है जो आदिकाल से चला रहा है । हर साल हम लोगों के द्वारा विभिन्न स्थानों पर यह पूजन करवाया जाता है ,इस बार बस स्टैंड के हनुमान मंदिर परिसर में किया गया है। इस अवसर पर छगन हनवत, मूरत सिंह पारधी ,शैलैंद्र सेठी ,दीप चौहान ,सौरभ पटेल, समीर बिसेन ,आशुतोष कोहाड़ ,योगेश व्यास, मनीष मिश्रा ,तपेश दमाहे, मनोज टेंभरे ,दानिश शेख, राजेश पटले सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राजपूत समाज ने किया शस्त्र पूजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। असत्य पर सत्य की विजय के पर्व के अवसर पर स्थानीय राजपूत समाज के तत्वावधान में शस्त्र पूजन विधि विधान से पंडित खेलोधर प्रसाद तिवारी के द्वारा कराया गया। परंपरा अनुसार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम मां जगत जननी नव शक्ति नव दुर्गे एवं महाराणा प्रताप तथा समस्त परिवारों से आए शास्त्रों का पूजन किया गया। इसके उपरांत राजपूत समाज के अध्यक्ष संजय प्रताप सिंह सिसोदिया के द्वारा अतिथियों का पुष्प हार से स्वागत किया गया। इस दौरान रविकांत जायसवाल ,धर्मेंद्र ठाकुर, राजू ठाकुर,मानिक हिरवाने ,केवल शिवहरे ,कुंज बिहारी दुबे , संदीप वाघमारे ,परमेश्वर दास वैष्णव, रामकिशोर अग्रवाल ,रविंद्र सिंह बैस मौजूद रहे। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के मनुष्य जीवन पर आधारित संबोधन देते हुए उसे जीवन को आत्मसात करने की गुजारिश की गई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप के शौर्य का सभी वक्ताओं ने उद्बोधन देते हुए बताया कि शिरोमणि महाराणा प्रताप एकमात्र राजपूत समाज के आधार स्तंभ नहीं है। वह सर्व समाज राज्य और भारत

भूमि के वीर शिरोमणि है ,वे सबके आराध्य और सबके शौर्य पुरुष है। उन्होंने अपने बल से कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया लेकिन भारत माता के खिलाफ आने वाले लोगों का वध जरूर किया। उनकी वीर भूमि को आज भी विदेशी नमन करते हैं और वहां की माटी का तिलक लगाते हैं। हम सौभाग्यशाली है जो भारत माता की गोद में जन्म लेकर भारत माता के सपूत कहलाते हैं ,पूरे विश्व में भारत माता की गाथा सर्वोच्च स्थान रखती है । तत्पश्चात समस्त राजपूत समाज ने इस बार शस्त्र पूजन समारोह में सर्व समाज को भी आमंत्रित किया था। जिसमें आए हुए समस्त अतिथि गणों ने इस समारोह की प्रशंसा करते हुए एक अनुकरणीय कदम बताया । इस शस्त्र पूजन समारोह के पश्चात समस्त जन ढोल ताशे के साथ श्री राम मंदिर पहुंचे जहां पुनः श्री राम बालाजी को नमन करते हुए श्री राम के भव्य डोले के साथ यह शोभायात्रा राम लखन सीता माता साथ दशहरा स्थल के लिए निकली। जहां कुमाहर जाति के द्वारा बनाए गए मिट्टी से निर्मित रावण का पूजन किया गया तथा यहां अनेक युवाओं के द्वारा लाठी तलवार से अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। अंत में ठाकुर नागेन्द्र सिंह परिहार के द्वारा रावण का वध किया गया और समस्त समाज के लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दी और यह शोभायात्रा वापस श्री राम मंदिर भगवान श्री राम के जयकारों के साथ निकली। इस शोभायात्रा का प्रत्येक घरों में सर पर कलश रखे सैकड़ों कन्याओं ने स्वागत किया और यह शोभायात्रा श्री राम मंदिर में पहुंचकर यहां भगवान श्री राम की महा आरती हुई। तत्पश्चात महाप्रसादी के आयोजन के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान २०२५ का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्वच्छता ही सेवा अभियान २०२५ का संचालन स्वच्छोत्सव थीम पर आयोजित किये जाने साथ ही स्वच्छता सेवा पखवाड़ा अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित किये जाने शासन स्तर से निर्देश जारी हुए थे। जिसके अनुक्रम में नगर पालिका परिषद वारासिवनी में स्वच्छता हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। शासन द्वारा १७ सितंबर से २ अक्टूबर २०२५ तक स्वच्छता ही सेवा २०२५ अभियान सेवा पखवाड़ा आयोजित किया गया । जिसका समापन गांधी जयंती २ अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के रूप में आयोजित किया गया। समापन कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत निकाय के द्वारा प्रतिदिन स्वच्छता आधारित एवं सेवा पखवाड़ा के कलेण्डर अनुसार विभिन्न गतिविधियां नगर में आयोजित की गई। जिसमें प्रमुख रूप से स्वच्छता लक्षित ईकाईयों का चिन्हांकन एवं रूपांतरण, स्वच्छता रैली, स्वच्छता श्रमदान, घाटो की सफाई सिंगल प्लास्टिक प्रतिबंध पर जागरूकता जुर्माना अधिरोपण, रंगोली प्रतियोगिता, क्लिनग्रीन उत्सव, सफाई मित्र स्वास्थ्य शिविर, सामाजिक

सुरक्षा योजनाओं से जोडे जाने शिविर, लोक कल्याण मेला, पीएम स्वनिधि शिविर, रक्तदान शिविर, स्वच्छ स्ट्रीट फूड प्रतियोगिता, स्वच्छता शपथ, कचरा पृथक्कीकरण पर वार्ड मोहल्ला सभा गतिविधियों के साथ साथ अंगीकार अभियान तथा नशामुक्ति अभियान अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रमों का संचालन विभिन्न जनप्रतिनिधियों, सामाजिक स्वयंसेवी संगठन, एनजीओ एवं नागरिकगण व नगर पालिका कर्मचारियों तथा विद्यालय, स्वास्थ्य विभाग की सहभागिता एवं सहयोग से १७ सितंबर से निरंतर १ अक्टूबर तक किया जाकर शासन निर्देशानुसार समापन कार्यक्रम २ अक्टूबर २०२५ को गांधी जयंती अवसर पर किया गया है।